नई दिल्ली
बुधवार
24 अप्रैल, 2024
वर्षः 10, अंकः 232
पृष्ठः 08, मूल्य 2 रु0
E-mail
story@sadbhawna.today
sadbhavnatoday@gmail.com
web: www.sadbhawna.today

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
सद्भावना टुडे
आवाज़ अधिकार की

राजद और कांग्रेस ने बिहार को बर्बाद...पेज-05

DELHIN/2014/58158

डेथ ओवरों में योजनाओं को लागू करना और...पेज-07

हिन्दी में प्रकाशित होने वाला सबसे लोकप्रिय दैनिक समाचार पत्र
'सद्भावना टुडे'
में विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें :-
011-43678240
E-mail
story@sadbhawna.today
sadbhavnatoday@gmail.com
web: www.sadbhawna.today

कांग्रेस के डीएनए में है तुष्टिकरण एवं वोट बैंक की राजनीति-मोदी

मोदी ने छत्तीसगढ़ में भाजपा उम्मीदवार के समर्थन में चुनावी रैली को संबोधित किया

सक्ती,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा और कहा कि तुष्टिकरण एवं वोटबैंक की राजनीति कांग्रेस के डीएनए में है और यही उसकी पहचान बन चुकी है। श्री मोदी ने आज छत्तीसगढ़ में सक्ती जिले के जेठा में जांजगीर-चांपा लोकसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उम्मीदवार कमलेश जांगड़े के समर्थन में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि तुष्टिकरण एवं वोटबैंक की राजनीति के अलावा कांग्रेस का एक और सबसे बड़ा प्रतीक परिवारवाद है। वर्ष 2014 से पहले कांग्रेस की सरकार रही लेकिन इसे एक परिवार अपने रिमोट से कंट्रोल करता रहा। उन्होंने आरोप लगाया कि ये कांग्रेस ही है जिसने सत्ता में आदिवासियों को कभी अहमियत नहीं दी और जब हमने देश के सबसे बड़े पद पर एक आदिवासी को पदारुढ़ किया तो यही पार्टी इसके खुले विरोध में उतर आयी।

उन्होंने कहा कि गरीबी हटाओ के नाम पर कांग्रेस ने बीते 60 सालों तक देश में राज किया लेकिन गरीबी तो खत्म नहीं हुई बल्कि कांग्रेस के लोग अपनी जेब भरते तथा अमीर होते गये। उन्होंने कहा , %हमने झूठे सब्जबाग नहीं दिखाये। आपने हमारी सरकार बनायी और हमने आपकी उम्मीदों के अनुरूप गरीबों के हित में काम किया तथा 25 करोड़ लोगों को गरीबी से उबारा।% उन्होंने जोर दिया कि मोदी की गारंटी है और मोदी जो कहता है उसे पूरा करता है। गरीबों को मुफ्त राशन योजना अगले पांच सालों तक जारी रहेगी यह भी मोदी की गारंटी है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ का किसान फसल बेचने की जद्दोजहद और पर्याप्त कीमत न मिलने के कारण ज्यादा धान की पैदावार करने में रूचि नहीं लेता था लेकिन आज प्रदेश में भाजपा की सरकार ने इसका समाधान किया है। विष्णुदेव साय सरकार की ओर से किसान सम्मान निधि के रूप में किसानों को सात हजार करोड़ रूपये दिये गये

हैं और आगे भी दिये जाते रहेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा मैं कुछ माह पूर्व विधानसभा चुनाव के दौरान आपके पास आर्शीवाद के लिए आया था।

केंद्र में हमारी तीसरी बार सरकार बने और हम आपकी सेवा करते रहें। यही प्रतिबद्धता लिए आज फिर आपके आर्शीवाद के लिए यहां आया हूं। उन्होंने कहा, मैं आप सबके लिए लगातार रात-दिन काम करता रहता हूं। आगामी 26 अप्रैल को आपको भी मोदी के लिए एक घंटा निकालना है और अपना वोट देना है। आप भाजपा उम्मीदवार को चुनाव में जिताकर दिल्ली भेजें। मुझे उनके सहयोग की जरुरत है। रैली को छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने भी संबोधित किया।

पड़ोसी मुल्क से पश्चिम बंगाल में लगातार हो रहा है घुसपैठः अमित शाह

रायगंज/मालदा,एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि पड़ोसी मुल्क के घुसपैठिए बेरोकटोक पश्चिम बंगाल में आ रहे हैं और यदि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सत्ता में आयी, तो वह बंगलादेश से होने वाले घुसपैठ रोक लगा देगी।

श्री शाह ने राज्य के मतदाताओं से 30 से 35 सीटें सुनिश्चित करने की अपील करते हुए कहा, मैंने आपको आश्वासन दिया है कि आप इस बार जब भाजपा उम्मीदवारों को वोट देंगे और 2024 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए तीसरा कार्यकाल सुनिश्चित करेंगे, तो उत्तर बंगाल में एक अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एआईएमएस) स्थापित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में श्री मोदी ने गरीबों के लिए काम किया और केंद्र सरकार लगभग 80 करोड़ लोगों के लिए राशन वितरण कर रही है, 12 करोड़ शौचालय स्थापित किए हैं, चार करोड़ से अधिक पीएम आवास योजना बनाई है,10 करोड़ उजाला गैस वितरित की है और देश भर में 14 से अधिक घर तक पीने योग्य पानी पहुंचाया है। श्री शाह ने बंगाल को हिंसा से मुक्त सुनिश्चित करने का वादा करते हुए कहा, हमें एक बार फिर प्रधानमंत्री मोदी की जरूरत है। उन्होंने कहा कि राज्य देश में एकमात्र ऐसा राज्य है, जहां पंचायत चुनाव 2023 में लगभग 200 लोगों की हत्या कर दी गई और तृमणूल कांग्रेस के शासन के तहत राज्य में हुए

प्रत्येक चुनाव में खूनी हिंसा हुई। उन्होंने कहा कि मां, माटी, मानुस के नारों के साथ तृणमूल सत्ता में आई है, अब माताओं-बहनों के लिए संदेशखाली में परिवर्तित (माटी) हो रहा है। बंगलादेशियों के लिए आश्रय स्थल में तब्दील कर दिया गया और मानुस की हत्या की जा रही है और उसे भ्रष्ट किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि तृणमूल नेता, जो पहले छोटे घरों में रहते थे, उन्होंने अब 4/5 मंजिला ऊंची इमारतें बना ली हैं और गलत तरीके से पैसा कमाने के कारण उनके पास महंगी गाड़ियां हैं। उन्होंने कहा कि केंद्रीय धन का बंदरबांट किया गया। बंगाल में हर जगह भ्रष्टाचार है। उन्होंने कहा, केंद्रीय एजेंसी द्वारा बंगाल के मंत्री पार्थ चटर्जी के घर से 51 करोड़ रुपये जब्त किए जाने के बाद अब वो जेल जेल में हैं, लेकिन तृणमूल ने अभी तक उन्हें पार्टी से निलंबित नहीं किया है। गौरतलब है कि दार्जिलिंग के साथ रायगंज और बालुरघाट लोकसभा सीटों पर 26 अप्रैल को दूसरे चरण का मतदान होगा।

एक नजर

देश पर कुर्बान हुआ है मेरी मां का मंगलसूत्रः प्रियंका

नई दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भड़काऊ और ध्यान भटकाने वाले बयान देने का आरोप लगाते हुए कहा है कि वह कांग्रेस की सरकार बनने पर महिलाओं का मंगलसूत्र छीनने की बात कर रहे हों लेकिन सच यह है कि उनकी मां का मंगलसूत्र इस देश पर कुर्बान हुआ है। श्रीमती वाड्रा ने जनता से सवाल किया कि देश में 55 साल तक कांग्रेस की सरकार रही है। किसी ने आपसे आपका सोना और मंगलसूत्र छीना। इंदिरा गांधी ने जंग में अपना सोना देश को दिया था। उन्होंने कहा मेरी मां सोनिया गांधी का मंगलसूत्र इस देश पर कुर्बान हुआ है और पीएम मोदी कह रहे हैं कि कांग्रेस महिलाओं का मंगलसूत्र और सोना छीन लेगी। मोदी जी मंगलसूत्र का महत्व समझते तो ऐसी अनैतिक बातें नहीं करते। किसान पर कर्ज चढ़ता है तो उसकी पत्नी अपने गहने गिरवी रखती है। बच्चों की शादी होती है तो महिलाएं अपना सोना गिरवी रखती हैं। श्रीमती वाड्रा ने प्रधानमंत्री मोदी की नीतियों पर भी हमला किया और कहा नोटबंदी में जब महिलाओं की बचत ले ली गई तब मोदी जी कहां थे। लॉकडाउन में जब मजदूर पैदल चले, महिलाओं ने अपने गहने गिरवी रखे, तब मोदी जी कहां थे। किसान आंदोलन में सैकड़ों किसान शहीद हो गए उनकी विधवाओं के मंगलसूत्र के बारे में मोदी जी ने नहीं सोचा। मणिपुर में एक जवान की पत्नी का वस्त्रहरण करके घुमाया गया, तब उसके मंगलसूत्र के बारे में नहीं सोचा। आज वोट पाने के लिए महिलाओं को डरा रहे हैं मोदी जी को शर्म आनी चाहिए। उन्होंने कहा यह चुनाव जनता और झूठ की सत्ता के बीच है। जनता कह रही है कि वह बेरोजगारी, महंगाई और आर्थिक संकट से परेशान है लेकिन अहंकारी सत्ता असली मुद्दों से ध्यान भटकाने, झूठ फैलाने और भड़काने में लगी है। देश की जनता ने तय कर लिया है कि वह भटकाने और भड़काने की राजनीति से छुटकारा पाकर रहेगी।

मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल का सफल प्रक्षेपण

नई दिल्ली,एजेंसी। मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल के नए संस्करण का मंगलवार को सफल परीक्षण किया गया। रक्षा मंत्रालय ने एक विज्ञप्ति जारी कर कहा कि इस मिसाइल का परीक्षण सामरिक बल कमान के तत्वाधान में किया गया। परीक्षण के दौरान मिसाइल ने अपनी संचालन क्षमता साबित करते हुए नई प्रौद्योगिकी की सफलता की भी पुष्टि की।

सीएम योगी ने रोड शो कर भाजपा प्रत्याशी के लिये मांगा जनसमर्थन

संजय सिंह, वरिष्ठ पत्रकार

मेरठ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को मेरठ में रोड शो कर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रत्याशी और रामानंद सागर की रामायण के भगवान राम का किरदार निभाने वाले अरुण गोविल के लिये जनसमर्थन की अपील की। योगी ने विजय का प्रतीक चिन्ह बनाते हुये मतदाताओं से कहा कि 'श्रीराम' (अरुण गोविल) को सदन में पहुंचा दें। मेरठ की सड़कों पर तिल रखने तक की जगह नहीं थी। रोड शो में बहुसंख्यकों के साथ शामिल अल्पसंख्यक समाज ने भी योगी का अभिनंदन किया।

लगभग 45 मिनट से अधिक के रोड शो में जहां तक नजर गई, हर तरफ जनसमुद्र ही दिखा। यहां सड़कों पर तिल तक रखने की जगह नहीं थी। हनुमान जयंती पर मंगलवार को निकले योगी आदित्यनाथ के रोड शो ने भीड़ का नया रिकॉर्ड कायम किया। पूरे रास्ते योगी आदित्यनाथ को आश्वासन मिला कि आपने हमें सुरक्षा दी है, हम आपके नेतृत्व में भाजपा को जीत का ताज पहनायेंगे। योगी आदित्यनाथ को देख जनमानस अभिभूत हो उठा। सभी ने जयश्री राम-जयश्रीराम के गगनभेदी नारे लगाए तो दूसरी तरफ राम जी की सेना चली, जो राम को लाए हैं आदि गीतों से भी पूरा माहौल राममय हो गया। मोदी-योगी

जिंदाबाद, भारत माता की जय के नारों ने भी मेरठ की सड़कों पर जोश भर दिया। महिला, बुजुर्ग, पुरुष, युवा, बच्चे योगी की एक झलक पाने को आतुर दिखे। सभी ने योगी आदित्यनाथ के रोड शो के पल-पल की छवि अपने मोबाइल में कैद कर ली। क्रांतिधरा मेरठ मंगलवार को भगवामय दिखा। यहां हर तरफ भगवा और भाजपा के झंडे दिखते रहे। बच्चे हों या भाजपा समर्थक, भगवामय होकर योगी आदित्यनाथ को अपना समर्थन देने पहुंचे। बहुसंख्यक समाज के साथ अल्पसंख्यक समाज ने भी योगी का जोरदार स्वागत किया।

विश्व-स्तर की शिक्षा व सेवा प्रदान करना एम्स संस्थानों की बड़ी उपलब्धिः द्रौपदी मुर्मू

ऋषिकेश,एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मंगलवार को उत्तराखंड के ऋषिकेश स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) चतुर्थ दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया। उन्होंने कहा कि चिकित्सा के क्षेत्र में विश्व-स्तर की शिक्षा और सेवा प्रदान करना एम्स, ऋषिकेश सहित, सभी अन्य एम्स संस्थानों की एक बहुत बड़ी राष्ट्रीय उपलब्धि है। शैक्षिक (टीचिंग) हॉस्पिटल्स के रूप में एम्स संस्थानों ने सर्वश्रेष्ठ मापदंड स्थापित किए हैं। इसके लिए मैं एम्स संस्थानों से जुड़े सभी लोगों की सराहना करती हूं।

श्रीमती मुर्मू ने कहा, मुझे यह जानकर बहुत प्रसन्नता हुई है कि यहां के विद्यार्थियों में छात्राओं की कुल संख्या 60 प्रतिशत से अधिक है। उन्होंने कहा, पिछले सप्ताह मेरी मुलाक़ात इंडियन इकोनॉमिक सर्विस के अधिकारियों के नए बैचेस से हुई थी। उन अधिकारियों में भी लगभग 60 प्रतिशत संख्या महिला

अधिकारियों की थी। उन्होंने कहा कि भारत की अर्थ-व्यवस्था से जुड़े नीति निर्धारण से लेकर, टेर्टियरी हेल्थकेयर जैसे क्षेत्रों में महिलाओं की बढ़ती हुई भागीदारी एक बहुत बड़े और अच्छे सामाजिक बदलाव की तस्वीर प्रस्तुत करती है।

राष्ट्रपति ने कहा,बेटियों की भागीदारी और सफलता के लिए मैं, एम्स ऋषिकेश, सभी छात्राओं के परिवार-जनों और सभी बेटियों को विशेष बधाई देती हूं। यह भी एम्स, ऋषिकेश के लिए और पूरे समाज के लिए गर्व की बात है कि इस दीक्षांत समारोह में पदक प्राप्त करने वाली छात्राओं की संख्या, छात्रों से अधिक है। श्रीमती मुर्मू ने एम्स की प्रशंसा करते हुए कहा कि हमारे देशवासियों के लिए इसका मतलब सबसे अच्छे डॉक्टरों द्वारा इलाज होना होता है। उन्होंने कहा कि सबसे अच्छा इलाज और कम से कम खर्च में इलाज होना भी एम्स की पहचान है। एम्स के इलाज का फायदा अधिक से अधिक लोगों को मिल सके तथा और अधिक संख्या में आप जैसे मेधावी विद्यार्थी एम्स में शिक्षा प्राप्त कर सकें, इन उद्देश्यों के साथ देश के विभिन्न हिस्सों में अनेक 'एम्स' की स्थापना की जा रही है।

कांग्रेस ने झूठी गारंटियां देकर जनता को ठगाः अनुराग ठाकुर

शिमला,एजेंसी। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने कांग्रेस पार्टी द्वारा हिमाचल को छलने व झूठी गारंटियाँ देकर ठगने का आरोप लगाते हुए आगामी लोकसभा चुनावों और विधानसभा उपचुनाव में सभी हिमाचलवासियों को एकजुट होकर भारतीय जनता पार्टी की डबल इंजन की सरकार हेतु वोट करने का आह्वाह्व किया। श्री ठाकुर ने कहा,''आज पूरा भारत लोकतन्त्र के महापर्व को पूरे उत्साह उमंग से मना रहा है और इन चुनाव में जनता को सिर्फ़ मोदी और मोदी की गारंटी पर भरोसा है। आज हिमाचल समय पूरे देश में कांग्रेस और उसकी गारंटियां फेल हैं। राजस्थान और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार दोबारा नहीं बनी क्योंकि वहां उन्होंने एक भी वादे पूरे नहीं किए थे। राजस्थान में महिलाओं के खिलाफ अत्याचार देश में सबसे ज्यादा होते थे और 19 पेपर लीक हुए हुए।

अदालत ने केजरीवाल, कविता की न्यायिक हिरासत सात मई तक बढ़ाई

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली की एक विशेष अदालत ने आबकारी नीति 2021-22 कथित घोटाले से संबंधित धनशोधन के एक मुकदमे में तिहाड़ जेल में बंद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत मंगलवार को सात मई तक के लिए बढ़ा दी। राऊज एवेन्यू स्थित काबेरी बावेजा की विशेष अदालत संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद आम आदनी पार्टी नेता श्री केजरीवाल की न्यायिक हिरासत बढ़ाने संबंधी आदेश पारित किया।

केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से संबंधित मामलों की विशेष जज काबेरी बावेजा ने आबकारी नीति से संबंधित मामले की आरोपियों में शामिल भारत राष्ट्र समिति की नेता के. कविता और एक अन्य आरोपी चनप्रीत सिंह की न्यायिक हिरासत भी 7 मई तक बढ़ाने का आदेश दिया। केंद्रीय जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मुख्यमंत्री केजरीवाल समेत तीनों आरोपियों की न्यायिक हिरासत पूरी होने के बाद वर्चुअल माध्यम से विशेष

अदालत में पेश किया। श्री केजरीवाल को इससे पहले एक अप्रैल को न्यायिक हिरासत में भेजा गया था। ईडी ने केजरीवाल से पूछताछ के लिए कई बार उन्हें समन भेजा था। समन की अनदेखी के बाद ईडी ने 21 मार्च को उन्हें गिरफ्तार किया था। उच्चतम न्यायालय ने आप नेता श्री केजरीवाल की अपनी गिरफ्तारी और हिरासत को बरकरार रखने के दिल्ली उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती देने वाली उनकी याचिका पर ईडी को 15 अप्रैल को नोटिस जारी कर जवाब-तलब किया था। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की शीर्ष अदालत की पीठ ने संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद केंद्रीय जांच एजेंसी ईडी को नोटिस जारी किया था, लेकिन मुख्यमंत्री केजरीवाल का पक्ष रख रहे वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी की इस मामले की अगली सुनवाई शीघ्र करने की गुहार साफ तौर पर ठुकरा दी थी। शीर्ष अदालत मुख्यमंत्री केजरीवाला के मामले में 29 अप्रैल को सुनवाई करेगी। शीर्ष अदालत ने उससे पहले 24 अप्रैल तक ईडी को अपना जबाव दाखिल करने का निर्देश दिया था। श्री केजरीवाल को ईडी ने 21 मार्च को गिरफ्तार किया था। वह न्यायिक हिरासत में तिहाड़ जेल में बंद हैं। विशेष अदालत ने एक अप्रैल को उन्हें 15 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश पारित किया था। उच्च न्यायालय से अपनी याचिका खारिज होने के एक दिन बाद उन्होंने 10 अप्रैल को शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया था। उच्च न्यायालय की न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा की एकल पीठ ने नौ अप्रैल को ईडी की ओर से मुख्यमंत्री केजरीवाल को गिरफ्तार करने और उस केंद्रीय जांच जांच एजेंसी को हिरासत में देने के एक विशेष अदालत के फैसले को उचित ठहराते हुए उनकी याचिका (मुख्यमंत्री केजरीवाल की) खारिज कर दी थी। उच्च न्यायालय की एकल पीठ ने मुख्यमंत्री केजरीवाल की गिरफ्तारी और उनकी हिरासत मामले में हस्तक्षेप करने से साफ तौर पर इनकार कर दिया था।

दवाओं के भ्रामक विज्ञापनः सुप्रीम कोर्ट ने पतंजलि के साथ ही आईएमए पर भी उठाए सवाल

नई दिल्ली,एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने दवाओं के भ्रामक मामले में पतंजलि आयुर्वेद के साथ-साथ इंडिया मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) पर भी सवाल उठाए हैं और उसे अपने अंदर भी झांकने की नसीहत दी है।

न्यायमूर्ति हिमा कोहली और न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की पीठ ने अदालती अवमानना मामले में योग गुरु बाबा रामदेव और पतंजलि आयुर्वेद के प्रबंध निदेशक आचार्य बालकृष्ण से माफीनामे से संबंधित विज्ञापन को उनके कथित भ्रामक विज्ञापन के आकार से जोड़ते हुए सवार पूछे। पीठ ने पतंजलि के खिलाफ इस मामले के याचिकाकर्ता आईएमए को भी खुद के अंदर झांकने की नसीहत दी और इसके अपने सदस्यों के लिए अत्यधिक

महंगी और विदेशी दवाओं को निर्धारित करने की अनैतिक गतिविधियों पर भी विचार किया। शीर्ष अदालत ने बड़ी संख्या में फास्ट मूविंग कंज्यूमर गुड्स (एफएमसीजी) कंपनियों को जांच के दायरे में लेने का फैसला किया और कहा कि वे भ्रामक विज्ञापनों के जरिए शिशुओं, बच्चों और वरिष्ठ नागरिकों सहित अन्य उपभोक्ताओं को कथित तौर पर धोखा दे रही हैं। शीर्ष अदालत ने एफएमसीजी कंपनियों द्वारा जारी विज्ञापनों पर चिंता जताते हुए केंद्र सरकार से से भी कई सवाल भी पूछे। अदालत ने केंद्र सरकार से 2018 से (एफएमसीजी कंपनियों द्वारा भ्रामक विज्ञापनों के लिए) सूचना और प्रसारण मंत्रालय और उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय द्वारा की गई कार्रवाईयों के बारे में बताते हुए एक हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया। पीठ ने कहा, हम स्पष्ट करना चाहते हैं... हम यहां किसी खास (पक्षकार) का पक्ष नहीं लेने आए हैं। हम जानना चाहते हैं कि एजेंसियां कैसे काम कर रही हैं... हमें लगता है कि यह कानून के शासन की प्रक्रिया का हिस्सा है।

सुनीता केजरीवाल ने बजरंगबली का लिया आशीर्वाद, कहा- हनुमान जी सबको सदबुद्धि दें

मो. हबीबुल्लाह उर्फ मुन्ना, सद्भावना टुडे संवाददाता

नई दिल्ली। पूरे देशभर में हनुमान जन्मोत्सव मनाया जा रहा है। इसी बीच दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल दिल्ली के कनॉट प्लेस स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर में दर्शन करने के लिए पहुंची। हनुमान जयंती पर जहां एक तरफ श्रद्धालु बजरंगबली के दर्शन कर रहे हैं तो वहीं राजनीतिक दलों के नेता भी बजरंगबली की शरण में पहुंच रहे हैं।

हनुमान मंदिर में सुनीता केजरीवाल ने अरविंद केजरीवाल के स्वस्थ और दिल्लीवासियों की बेहतरी के लिए कामना की है। इस दौरान उन्होंने कहा कि हनुमान जी सबको सदबुद्धि दें, सबका मंगल हो, हनुमान बाबा सबके कष्ट दूर करें। बता दें, इससे पहले सुनीता केजरीवाल हर वर्ष अरविंद केजरीवाल के साथ हनुमान जयंती पर दर्शन के लिए आती रही है। इस बार केजरीवाल के जेल में रहने की वजह से वह अकेले पहुंची है। उन्होंने बजरंगबली के दर्शन किए और दिल्ली की सुख शांति और केजरीवाल की रिहाई की मन्नत मांगी। बातचीत के दौरान सुनीता केजरीवाल ने कहा कि अरविंद केजरीवाल सभी खास मौकों पर इसी हनुमान मंदिर में दर्शन के लिए आते थे।

फिलहाल वो जेल में हैं। आम आदमी पार्टी ने भी सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया है, जिसमें सुनीता भगवान की पूजा करती नजर आ रही हैं। पोस्ट में लिखा है कि हनुमान जयंती के अवसर पर सुनीता केजरीवाल जी ने आज कनॉट प्लेस स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर में दर्शन किए और प्रार्थना की कि हनुमान बाबा सबको सद्बुद्धि दें, सबके कष्ट दूर करें, मेरे भी। सर के साथ जल्द ही आऊंगी।

दिल्ली में टल सकता है मेयर का चुनाव,...दो बड़ी वजह आ रही सामने

सैफुल्लाह सिद्दीकी, सद्भावना टुडे

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल तिहाड़ जेल में बंद हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा नहीं दिया है। अब केजरीवाल के सामने मेयर का चुनाव सबसे बड़ी चुनौती बन गई है। दिल्ली नगर निगम का सत्र अप्रैल से शुरू होता है और पहली बैठक में मेयर का चुनाव करवाने के लिए दिल्ली नगर निगम बाध्य है। यदि चुनाव नहीं हुआ तो संवैधानिक संकट खड़ा हो जाएगा।

कई पड़ावों से गुजरती है सरकारी फाइल- निगम अधिकारियों की मानें तो अभी तक मेयर चुनाव में जो प्रक्रिया अपनाई जाती है, उसके अनुसार पीठासीन अधिकारी तय करने के लिए निगम की ओर से फाइल दिल्ली सरकार के शहरी विकास विभाग को भेजी जाती है। शहरी विकास विभाग के पास से यह फाइल फिर मुख्यमंत्री के पास जाती है और मुख्यमंत्री के पास से फिर फाइल उपराज्यपाल (एलजी) के पास जाती है। एलजी निगम के प्रशासक हैं। अंतिम फैसला लेने की शक्ति उन्हीं के पास है। इसलिए एलजी द्वारा फाइल को मंजूरी देने के बाद पीठासीन अधिकारी की नियुक्ति होती है। वहीं, पीठासीन अधिकारी महापौर का चुनाव संपन्न कराता है। इस बार के चुनाव में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के जेल में होने की वजह से इस प्रक्रिया के पूरी होने में अड़चन आ सकती है। इस बारे में कोई अधिकारी यह भी नहीं कह रहा है कि फाइल को सीएम की मंजूरी के लिए तिहाड़ जेल भेजा जाएगा। इससे भी चुनाव टलने की संभावना जताई जा रही है। अगर फाइल को सीएम की मंजूरी के लिए तिहाड़ जेल नहीं भेजा जाता है तो इसमें प्रक्रिया का पालन नहीं हो पाएगा। साथ ही बिना सीएम द्वारा फाइल भेजे हुए एलजी फाइल को नामंजूर कर सकते हैं। क्या बिना सीएम के मंजूरी के हो सकता है चुनाव- निगम के पूर्व चीफ लॉ ऑफीसर रहे अनिल गुप्ता का कहना है कि डीएमसी एक्ट में तो इस तरह का कोई प्रावधान नहीं है कि फाइल को सीएम द्वारा ही एलजी को भेजा जाए। यह जरूर है कि अभी तक के महापौर चुनाव में इसी प्रक्रिया का पालन किया गया है तो अगर इस बार भी यही प्रक्रिया अपनाई जाती है तो चुनाव टल सकता है। अगर एलजी चाहें तो बिना सीएम की मंजूरी के भी चुनाव करा सकते हैं। आम चुनाव के कारण भी टल सकता है मेयर चुनाव- निगम से मिली जानकारी के अनुसार, दूसरा चुनाव टलने की एक वजह यह भी हो सकती है कि दिल्ली में अभी लोकसभा चुनाव के कारण चुनाव आचार संहिता लागू है। ऐसे में कोई दूसरा चुनाव कराने के लिए चुनाव आयोग की एनओसी लेना आवश्यक होता है। चुनाव आयोग से मंजूरी लेने के लिए निगम की ओर से प्रस्ताव भेजा गया है। अभी तक चुनाव आयोग की ओर से एनओसी नहीं मिली है।

स्पेशल स्टाफ ने दो शराब तस्करों को किया गिरफ्तार, 32 पेटी शराब बरामद

नई दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली जिले के स्पेशल स्टाफ की टीम ने दो अंतरराज्यीय शराब तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस की छानबीन में आरोपी के पास से 32 पेटी शराब और एक कार बरामद की गई है। वहीं, आरोपियों की पहचान गुरुग्राम के रोठोज ढाणी निवासी बुगल उर्फ बगला पुत्र धर्मबीर और दूसरे आरोपी की पहचान गुरुग्राम के नवज्योति फाउंडेशन निवासी अनिल कुमार पुत्र भगवान के रूप में हुई है। आरोपी अनिल पहले भी 2 आपराधिक गतिविधियों में शामिल पाया गया है।

दक्षिणी दिल्ली जिले के डीसीपी अंकित चौहान ने बताया कि अवैध शराब की बिक्री पर अंकुश लगाने के लिए स्पेशल स्टाफ की टीम को जिम्मा सौंपा गया था। जहां एसीपी ऑपरेशंस और स्पेशल स्टाफ प्रभारी के नेतृत्व में सब इंस्पेक्टर दयानंद, असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर अनिल कुमार, हेड कांस्टेबल परमजीत, हेड कांस्टेबल पंकज, हेड कांस्टेबल यशपाल, हेड कांस्टेबल अनिल को शामिल कर एक टीम बनाई गई। इसी बीच 21 अप्रैल को स्पेशल स्टाफ जिले में तैनात हेड कांस्टेबल परमजीत को गुप्त सूचना मिली कि एक व्यक्ति कार में भारी मात्रा में शराब लेकर थाना फतेहपुर के भीम बस्ती के पास आएगा। सूचना के बाद स्थानीय स्तर पर जांच की गई तो दोपहर करीब ढाई बजे एक कार संदिग्ध हालत में आती दिखी। पुलिस ने जैसे ही कार को रुकने के लिए कहा तो वह भागने की कोशिश करने लगा। हालांकि पुलिस ने उसे मौके से गिरफ्तार करने में कामयाब रही।

दिल्ली पुलिस ने शातिर अपराधी को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। दक्षिण पश्चिम जिले के आरके पुरम पुलिस ने एक ऐसे शातिर अपराधी को गिरफ्तार किया है जो पहले स्नैचिंग और चोरी के मामलों में शामिल पाया गया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान प्रीत सिंह पुत्र हजारी सिंह निवासी झुग्गी केडी कॉलोनी आरके पुरम नई दिल्ली उम्र 32 वर्ष के रूप में हुई है। आरोपी प्रीत सिंह साल 2020 में स्थानीय अपराधियों की संगत में पड़ गया और चोरी और झपटमारी करने लगा। साल 2020 में उसे एनडीपीएस अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया गया। फिर 2021 में फिर से चोरी और झपटमारी के मामले में गिरफ्तार किया गया। उसे 6 अप्रैल 2024 को जमानत पर रिहा किया गया। इसके बाद फिर से अपराध में लिप्त हो गया। आरोपी के कब्जे से एक चोरी का मोबाइल फोन बरामद किया गया है।

दक्षिण पश्चिम जिले के डीसीपी रोहित मीणा ने बताया कि 11 अप्रैल 2024 को शिकायतकर्ता भूमि इंगोले निवासी आरके पुरम ने एक दुकान के पास खड़ी अपनी स्कूटी से अपना मोबाइल फोन चोरी होने की सूचना दी जिसके बाद मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू की गई मोबाइल चोरी की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए इंस्पेक्टर रविंदर कुमार त्यागी के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया, जिसमें कई पुलिस कर्मियों को शामिल किया गया। टीम ने घटनास्थल का दौरा किया और आसपास में लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच की जिसमें एक संदिग्ध की पहचान हुई, जिसे पीछे से आते हुए स्कूटी की सीट से फोन उठाते हुए देखा गया। हालांकि सीसीटीवी फुटेज में संदिग्ध का चेहरा दिखाई नहीं दे रहा था। टीम ने संदिग्ध का चेहरा पहचान के लिए 25 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की जांच की। फोटो को स्थानीय मुखबिरों के साथ साझा किया। जिसके बाद संदिग्ध की पहचान प्रीत सिंह पुत्र हजारी सिंह निवासी झुग्गी आरके पुरम के रूप में हुई। टीम के द्वारा उसके पते पर छापा मारा गया लेकिन वह वहां नही मिला। टीम के प्रयास तब सफल हुए जब 21 अप्रैल 2024 को सूचना प्राप्त हुई कि आरोपी प्रीत सिंह सेक्टर 12 आरके पुरम दिल्ली में अपराध करने के लिए आएगा। इसके बाद एक जाल बिछाया गया और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी के कब्जे से चोरी का मोबाइल फोन भी बरामद हुआ।

एमबीए, एलएलबी व एलएलएम की काउंसलिंग के लिए ऑनलाइन पंजीकरण आज से

नई दिल्ली,एजेंसी। गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय में कैट स्कोर के माध्यम से एमबीए, क्लैट यूजी स्कोर के माध्यम से बीए एलएलबी और क्लैट पीजी स्कोर के माध्यम से मास्टर ऑफ लॉ (एलएलएम) में दाखिले के लिए बुधवार से ऑनलाइन काउंसलिंग पंजीकरण प्रक्रिया की शुरूआत होने जा रही है। यह प्रक्रिया सात मई रात 11 बजकर 50 मिनट तक चलेगी। आवेदकों को काउंसलिंग में हिस्सा लेने के लिए 1000 रुपये काउंसलिंग शुल्क का भुगतान करना होगा। ऐसे आवेदक जिन्होंने आईपीयू का ऑनलाइन आवेदन फॉर्म नहीं भरा वह 2500 रुपये के भुगतान के साथ इस ऑनलाइन पंजीकरण प्रक्रिया में भाग ले सकते हैं। इस शुल्क में काउंसलिंग शुल्क एक हजार रुपये व 1500 रुपये आईपीयू का आवेदन शुल्क शामिल है। आवेदन शुल्क का भुगतान नेट बैकिंग, क्रेडिट कार्ड या डेबिट कार्ड से करना होगा। जिन लोगों ने आईपीयू का ऑनलाइन आवेदन फॉर्म भरा होगा उन्हें केवल एक हजार रुपये काउंसलिंग पंजीकरण शुल्क का भुगतान ही करना है। आईपीयू ने आवेदकों से अंतिम समय में पंजीकरण करने से बचने की सलाह दी है। आईपीयू ने स्पष्ट किया है कि काउंसलिंग की केंद्रीकृत ऑनलाइन प्रक्रिया के लिए नामांकन और काउंसलिंग भागीदारी शुल्क का भुगतान काउंसलिंग प्रक्रिया का सिर्फ एक हिस्सा है। काउंसलिंग के लिए नामांकन का अर्थ उम्मीदवार का दाखिला होना नहीं है।

आनंद विहार से उधमपुर, पटना और अयोध्या कैंट के लिए चलेगी स्पेशल ट्रेन

नई दिल्ली,एजेंसी। गर्मी में भीड़भाड़ को देखते हुए रेलवे ने स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। दिल्ली के आनंद विहार से उधमपुर, पटना और अयोध्या कैंट के लिए स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी। इन ट्रेनों के 75 से अधिक ट्रिप चलाई जाएंगी। इससे यात्रियों को राहत मिलेगी। लोग इन ट्रेनों में अपना टिकट कर सकते हैं। उत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी दीपक कुमार के मुताबिक, आनंद विहार रेलवे स्टेशन से उधमपुर के शहीद कैप्टन तुषार महाजन रेलवे स्टेशन तक स्पेशल ट्रेन 26 अप्रैल से 29 जून तक चलाई जाएगी। ट्रेन नंबर 04017 से आनंद विहार से यह ट्रेन गाजियाबाद, मेरठ, मुज़फ़्फ़रनगर, सहारनपुर, यमुनानगर, अंबाला कैंट, जालंधर कैंट, पठानकोट, जम्मूतवी होते हुए शहीद कैप्टन तुषार महाजन रेलवे स्टेशन पर पहुंचेगी। आनंद विहार से यह ट्रेन हर शुक्रवार को चलेगी। शाहिद कैप्शन तुषार महाजन रेलवे स्टेशन से यह ट्रेन (04018) हर शनिवार को आनंद विहार के लिए चलेगी। ट्रेन के कुल 20 फेरे चलाए जाएंगे। आनंद विहार टर्मिनल से पटना के लिए 29 अप्रैल से 25 जून तक स्पेशल ट्रेन के 18 फेरे चले जाएंगे। आनंद विहार रेलवे स्टेशन से यह ट्रेन (04078) प्रत्येक सोमवार को चलेगी। कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन, दानापुर होते हुए पटना पहुंचेगी। पटना से यह ट्रेन आनंद विहार टर्मिनल के लिए प्रत्येक मंगलवार को चलेगी। ट्रेन के कुल 38 फेरे चलाए जाएंगे। दिल्ली के आनंद विहार रेलवे स्टेशन से अयोध्या कैंट के लिए 29 अप्रैल से 26 जून तक स्पेशल ट्रेन के 18 फेरे चलाए जाएंगे। 04078 नंबर से यह ट्रेन आनंद विहार रेलवे स्टेशन से हर शनिवार और सोमवार को चलेगी। गाजियाबाद, मुरादाबाद, बरेली लखनऊ होते हुए अयोध्या कैंट पहुंचेगी। अयोध्या कैंट से यह ट्रेन हर रविवार और मंगलवार को चलेगी।

दिल्ली में हनुमान जयंती पर आप ने निकली शोभायात्रा, इंसुलिन लिए नजर आए मंत्री सौरभ भारद्वाज

शबाना बेगम,सद्भावना टुडे

नई दिल्ली। आज पूरे देश में हनुमान जयंती की धूम है। जगह-जगह इसे लेकर अनुष्ठान, विधि विधान से पूजन कार्यक्रम और शोभा यात्रा निकाली जा रही हैं। इस अवसर पर दिल्ली के भी कई मंदिरों से बड़ी संख्या में लोगों की ओर से शोभायात्रा और झांकियां निकाली जा रही हैं, जिसमें पूरे उत्साह और उमंग के साथ भक्त शामिल हो रहे हैं। इस मौके पर दिल्ली सरकार के मंत्री भी पीछे नहीं रहे। राजधानी के चिराग दिल्ली इलाके से शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें सौरभ भारद्वाज और उनके समर्थक शामिल हुए।

शोभायात्रा के दौरान हनुमान जी के स्वरूप के साथ सौरभ भारद्वाज खड़े हुए थे। इस दौरान उनके हाथ में गदा था जिसके ऊपर इन्सुलिन का कटआउट लगा था। सौरभ भारद्वाज ने कहा, जिस तरह हनुमान ने संजीवनी से लक्ष्मण की जान बचाई थी, वैसे ही आज हनुमान जी की कृपा से जेल में सीएम केजरीवाल को इन्सुलिन दी गई है। दरअसल, पिछले कुछ दिनों से इन्सुलिन को लेकर दिल्ली की राजनीति में बवाल मचा था। इन्सुलिन को ही सबसे बड़ा मुद्दा बन गया था। कोर्ट के आदेश के बाद आज सीएम केजरीवाल को इन्सुलिन का

इंजेक्शन लग गया है। इसी के साथ ही अब इसके बहस पर भी विराम लग गया है। वहीं सौरभ भारद्वाज ने बीजेपी और केंद्र सरकार के अफसरों से पूछा है, क्या इन्सुलिन की सुई के लिए तिहाड़ जेल के सभी कैदियों को अदालत का दरवजा खटखटाना पड़ता है?

दिल्ली दंगे 2020: उच्च न्यायालय ने यूएपीए मामले में आरोपी को जमानत देने से इनकार किया

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने यहां 2020 में हुए सांप्रदायिक दंगों के पीछे बड़ी साजिश से जुड़े यूएपीए मामले में एक आरोपी को जमानत देने से इनकार कर दिया और कहा कि हिंसक प्रदर्शन विरोध करने के संवैधानिक अधिकार से परे है तथा यह कानून के तहत दंडनीय अपराध है। न्यायमूर्ति सुरेश कुमार कैत और न्यायमूर्ति मनोज जैन की पीठ ने मंगलवार को अपलोड किए गए अपने आदेश में कहा कि इस बारे में पर्याप्त सामग्री है कि आरोपी सलीम मलिक 'गहरी साजिश' में सह साजिशकर्ता था जिसने शांति एवं सद्भाव में कथित तौर पर खलल डालने के लिए धर्म के नाम पर स्थानीय लोगों को उकसाया। अदालत ने कहा कि प्रदर्शन स्थलों को धर्मनिरपेक्ष रंग देने के लिए 'धर्मनिरपेक्ष नाम/हिंदू नाम' दिए गए थे और साजिशकर्ताओं का उद्देश्य विरोध प्रदर्शन को 'चक्का जाम' तक ले जाने तथा एकत्रित भीड़ को हिंसा के लिए उकसाना था। इसने कहा, दिनांक 20/21.02.2020 को चांद बाग में और फिर 22/23.02.2020 को हुई बैठकों में अपीलकर्ता के साथ अन्य आरोपी भी शामिल हुए और दंगा रूपी हिंसा तथा दिल्ली को जलाने से संबंधित पहलुओं पर खुलकर चर्चा की गई जो किसी भी लोकतांत्रिक राष्ट्र में स्वीकार्य नहीं है। पीठ ने 22 अप्रैल को पारित आदेश में कहा, 'वित्तपोषण, हथियारों की व्यवस्था करने, लोगों की हत्या और संपत्ति में आग लगाने के लिए पेट्रोल बम खरीदने तथा इलाके में लगे सीसीटीवी को नष्ट करने की भी बातचीत हुई थी। अदालत ने कहा कि तथ्यात्मक सामग्री और गवाहों के बयानों के आधार पर आरोपी के खिलाफ 'प्रथम दृष्टया सही' मामला बनता है। इसने गैर कानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के तहत दर्ज मामले में आरोपी को जमानत देने से इनकार करते हुए कहा कि हिंसक प्रदर्शन विरोध करने के संवैधानिक अधिकार से परे है तथा यह कानून के तहत दंडनीय अपराध है।

इलाके में दबदबा बनाने के लिए रखता था हथियार, दिल्ली पुलिस ने आरोपी को दबोचा

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली के तिगरी थाने की पुलिस ने एक ऐसे अपराधी को गिरफ्तार किया है, जो इलाके में अपना दबदबा कायम करने के लिए हथियार लेकर चलता था। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान मनीष लाल के रूप में हुई है, जो जेजे कैंप तिगरी का रहने वाला है। पुलिस ने उसके कब्जे से एक देशी कट्टा और दो जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। डीसीपी अंकित चौहान ने बताया कि थाना तिगरी दक्षिण जिले के इलाके में संगठित अपराध पर अंकुश लगाने के लिए थाने की टीम को लगाया गया था। इसके लिए एसीपी संगम विहार और तिगरी थाने के एसएचओ के नेतृत्व में एक टीम भी गठित किया गया था। टीम द्वारा अपराध पर रोकथाम के लिए संवेदनशील इलाकों में गस्त तेज कर दी गई थी।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी नजर रखी गई। स्थानीय मुखबिरों को संवेदनशील बनाकर कई अहम जानकारियां जुटाई गई। टीम के प्रयास तब सफल हुए। जब गस्त के दौरान लगभग 10:00 बजे रात को गुरुद्वारा तिगरी के पास एक व्यक्ति को संदिग्ध हालत में देखा। शक होने पर पुलिसकर्मियों द्वारा उसे रुकने का इशारा किया गया। लेकिन वो भागने लगा, हालांकि सतर्क पुलिस कर्मचारियों ने पीछाकर उसे सफलतापूर्वक दबोच लिया। शराब तस्कर गिरफ्तार- दक्षिण पश्चिम जिले के कापसहेड़ा थाने की पुलिस ने एक शराब तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान राज सिंह पुत्र चेतन दास निवासी पांडव नगर दिल्ली के रूप में हुई है। डीसीपी रोहित मीणा ने बताया कि 19 अप्रैल को कुछ पुलिसकर्मी कापसहेड़ा पर पिकेट ड्यूटी पर थे। रात करीब 8:00 बजे वाहनों की तलाशी के दौरान एक मारुति वैगनआर कार गुरुग्राम हरियाणा की ओर से आती दिखाई दी। संदेह होने पर उसे रोक कर जांच की गई। जांच के दौरान कार से कुल 1000 क्वार्टर बोतलें बरामद की गई। इसके बाद शराब तस्कर को गिरफ्तार कर लिया गया।

जेएनयू छात्र संघ ने वीसी को लिखा लेटर, कहा- मुफ्तखोर आप हैं, छात्र नहीं

शहनवाज़ सैफ, सद्भावना टुडे संवाददाता

नई दिल्ली। जेएनयू कुलपति शांतिश्री धूलिपुड़ी पंडित की मुफ्तखोर वाली टिप्पणी पर जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय छात्र संघ (जेएनयूएसयू) ने निशाना साधा है। जेएनयूएसयू ने कुलपति पर विश्वविद्यालय को निशाना बनाने वाली कुछ फिल्मों की निंदनीय कहानियों को संबोधित करने में विफल रहने का आरोप लगाया है। वीसी को लिखे पत्र में संघ ने उन पर कैंपस में राजनीतिक रूप से पसंदीदा समूहों द्वारा प्राप्त भव्य सुविधाओं को सुविधाजनक रूप से नजरअंदाज करने का आरोप लगाया है। जेएनयूएसयू ने कहा कि यहां असली मुफ्तखोर कौन है? क्या यह छात्र और संकाय हैं, जो अकादमिक उत्कृष्टता के लिए प्रयास कर रहे हैं। या शायद आप हैं, जो कुलपति के कार्यालय पर कब्जा कर रहे हैं। करदाताओं के पैसे से वेतन कमा रहे हैं। जबकि, विश्वविद्यालय समुदाय के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करने में विफल रहे हैं? बता दें, एक साक्षात्कार में कुलपति शांतिश्री धूलिपुड़ी पंडित ने कहा था कि जेएनयू में मुफ्तखोरों की समस्या है।

कुलपति ने यह भी कहा था कि प्रतिद्वंद्वी राजनीतिक संगठनों के उभरने के साथ छ्ह में वामपंथी सरकार कमजोर हो गई है। उसे हाथ मिलाने के लिए

मजबूर होना पड़ा है, क्योंकि वह स्वतंत्र रूप से चुनाव जीतने के लिए संघर्ष कर रही है। जेएनयूएसयू ने वीसी से आग्रह किया कि वह छात्रों को मुफ्तखोर बताने वाले अपने बयान पर आत्ममंथन करें। संघ ने पंडित पर पक्षपात करने और परिसर में आरएसएस समर्थित कार्यक्रमों की अनुमति देने का भी आरोप लगाया। जेएनयूएसयू ने कहा कि हमारे वीसी गर्व से दावा करते हैं कि वह जेएनयू के पूर्व छात्र हैं, लेकिन उन्हें परिसर में कुछ मुफ्तखोरों के बारे में मीडिया से बात करने में कोई शर्म नहीं आती है। वह परिसर में कुछ राजनीतिक रूप से पसंदीदा समूहों द्वारा प्राप्त भव्य सुविधाओं को आसानी से नजरअंदाज कर देती हैं।

संघ ने जवाब में आगे कहा, करदाताओं के पैसे का उपयोग वास्तव में शिक्षा और अनुसंधान के लिए किया जाना चाहिए, न कि शैक्षणिक गतिविधियों की आड़ में वैचारिक एजेंडा का प्रचार करने के लिए। जेएनयूएसयू ने पंडित पर घटिया फैकल्टी की भर्ती करने का आरोप लगाया और कहा, हम मुफ्तखोर नहीं हैं। आप घटिया फैकल्टी की भर्ती करके करदाताओं का पैसा बर्बाद कर रहे हैं। छात्र संगठन ने पत्र में यह भी कहा कि यह शर्मनाक है कि इस विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र होने के नाते आपने परिसर में बस्तर की स्क्रीनिंग की अनुमति दी है। एक फिल्म जो खुले तौर पर सार्वजनिक दृष्टि से जेएनयू छात्रों को मारने का आह्वान करती है। ये फिल्में न केवल हमारे समुदाय को गलत तरीके से पेश करती हैं बल्कि हानिकारक रूढ़िवादिता को भी कायम रखती हैं। बता दें, जेएनयू कैंपस में सुधीर मिश्रा द्वारा निर्देशित फिल्म की शूटिंग 6 अप्रैल से चल रही है, जिसका जेएनयू छात्र संघ लगातार विरोध कर रहा है।

एक नजर

देह व्यापार का खुलासा होने पर होटल ब्लैकलिस्ट

नोएडा,एजेंसी। देह व्यापार का पर्दाफाश होने के बाद ओयो ने बहलोलपुर गांव स्थित शीतला होटल को ब्लैकलिस्ट कर दिया। ओयो होटल और कथित तौर पर अनैतिक कार्यों में शामिल व्यक्तियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की योजना बना रही है। यह निर्णय तथ्यों और सभी परिस्थितियों की गहन समीक्षा के बाद लिया गया है। ओयो कंपनी ने दावा किया है कि जिन होटलों के साथ आयो का नाम जुड़ा है, उनमें अगर अनैतिक काम होता है तो करार खत्म करके होटल के मालिकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। बीते दिनों सेक्टर-63 में बहलोलपुर स्थित शीतल होटल में नोएडा पुलिस ने एक सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ किया था। छापे के दौरान सेक्स रैकेट से जुड़े कई युवक व युवतियों को पकड़ा गया था। शीतला होटल के साथ ओयो का नाम जुड़ा होने के कारण कंपनी ने अपने स्तर से भी जांच की थी। जांच में शीतला होटल में सेक्स रैकेट के जरिए मोटी कमाई के धंधों का खुलासा हुआ था। जिसके बाद ओयो कंपनी ने नोएडा के शीतला होटल के साथ अपने समझौते को खत्म कर दिया है। ओयो कंपनी के उत्तर क्षेत्र के प्रमुख पावस कुमार ने बताया कि आयो अपने होटल परिसर में किसी भी प्रकार की अवैध या अनैतिक गतिविधियों को जरा भी बर्दाश्त नहीं करेगा और जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम करेगा।

फ्लैट बेचने का झांसा देकर एक करोड़ हड़पने का आरोप

ग्रेटर नोएडा। शहर की सोसाइटी में फ्लैट बेचने के नाम पर धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। पीड़ित ने आरोपी पर फ्लैट बेचने के नाम पर एक करोड़ ग्यारह लाख रुपये हड़पने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने आरोपी और उसके बेटे और दो अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दर्ज करवाया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। सेक्टर बीटा वन में रहने वाले पवन कुमार ने बताया कि एक साल पहले एक प्रॉपर्टी डीलर के माध्यम से उनकी मुलाकात जेपी ग्रीन सोसाइटी निवासी सुनील सैनी से हुई। सुनील सैनी ने अपना फ्लैट बेचने के लिए कहा। पवन ने फ्लैट खरीदने की इच्छा जाहिर की तो सवा दो करोड़ रुपये में सौदा तय हुआ। पीड़ित ने एग्रीमेंट कर एक करोड़ ग्यारह लाख रुपये फ्लैट मालिक को दे दिए, बाकी रकम रजिस्ट्री के समय देना तय हुआ। एग्रीमेंट होने के बाद पीड़ित ने फ्लैट पर लोन लेने के लिए आवेदन किया तो पता चला की फ्लैट मालिक सुनील ने पूर्व में उसे पर लोन ले रखा है। पीड़ित ने फ्लैट मालिक सुनील से लोन चुकाने के लिए कहा तो वह टरकाना लगा। पीड़ित ने रजिस्ट्री के लिए कहा था तो आरोपी ने रजिस्ट्री करने से इनकार कर दिया। पीड़ित का आरोप है कि सुनील सैनी और उसके बेटे ने उसे धमकाया की रजिस्ट्री के लिए दबाव बनाया तो जान से मार देंगे। पीड़ित ने इस मामले की शिकायत बीटा दो कोतवाली पुलिस से की, लेकिन पुलिस ने कोई सुनवाई नहीं की। इसके बाद पीड़ित ने पुलिस कमिश्नर से मुलाकात की। पुलिस कमिश्नर के निर्देश पर बीटा दो कोतवाली पुलिस ने आरोपी फ्लैट मालिक सुनील सैनी और उसके बेटे ध्रुव सैनी समेत चार अज्ञात पर मुकदमा दर्ज किया है। कोतवाली प्रभारी का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। जांच कर कार्रवाई होगी।

नोएडा में बिना रजिस्ट्रेशन चल रहे जिमों की जांच शुरू

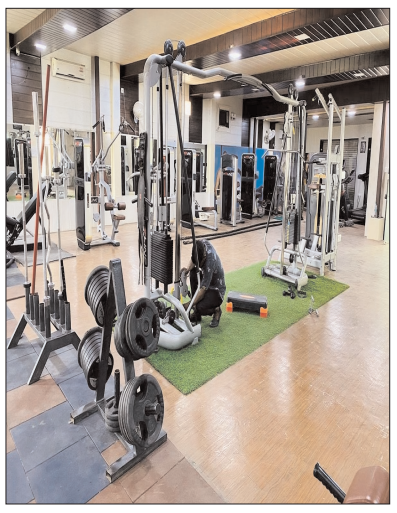

नोएडा,एजेंसी। जनपद गौतम बुद्ध नगर में स्थित सैकड़ों जिम बिना रजिस्ट्रेशन के चल रहे हैं। इसके लिए जिला प्रशासन ने कार्रवाई शुरू की है। एक टीम बनाकर सभी जिमों का निरीक्षण किया जा रहा है, और यह पता किया जा रहा है कि वह मानकों पर सही है कि नहीं, और उनका रजिस्ट्रेशन हुआ है कि नहीं। उप जिला क्रीड़ा अधिकारी अनीता नागर ने बताया कि यहां यहां पर 300 से ज्यादा जिम संचालित है। उन्होंने बताया कि कई बार शिकायत मिली है कि जिम संचालक बिना रजिस्ट्रेशन के ही जिम चला रहे हैं। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान पता चला है कि जनपद में कुल 45 जिम संचालको ने रजिस्ट्रेशन कराया है। उनके अनुसार जिलाधिकारी के आदेश से एक टीम बनाई गई है, जो यहां स्थित विभिन्न जिम में जाकर निरीक्षण करेगी की जिम नियम के तहत संचालित हो रहे हैं कि नहीं। उन्होंने बताया कि सुरक्षा के मानकों की भी जांच की जा रही है। जिम में काम करने वाले प्रशिक्षक प्रशिक्षित हैं कि नहीं। बालक बालिकाओं के चेंजिंग रूम अलग व साफ सुथरे हैं कि नहीं। सभी सदस्यों के नाम पते रजिस्टर्ड में दर्ज हैं कि नहीं। फर्स्ट एड बॉक्स स्टेचर आदि और कृत्रिम सांस लेने के उपकरण वहां मौजूद है कि नहीं। उन्होंने बताया कि परीक्षण के दौरान काफी जिम में अनियमितता पाई गई है। उनको नोटिस जारी किया जाएगा।

डबल इंजन की सरकार में नोएडा बना बिजनेस का सबसे बड़ा सेंटर: राजनाथ सिंह

अशोक कुमार, सद्भावना टुडे संवाददाता

नोएडा। उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर से भाजपा प्रत्याशी डॉक्टर महेश शर्मा के लिए ग्रेटर नोएडा के दादरी में जनसभा को संबोधित करने पहुंचे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कई बातों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि मैं लंबे अरसे के बाद किसी सार्वजनिक सभा को संबोधित करने यहां पहुंचा हूं। मुझे यह जानकारी दी गई है कि आज जहां जनसभा हो रही है, उस जगह का मेघनाथ सिंह जी से खास रिश्ता है। उनके लिए मेरे दिल में बहुत सम्मान है। उनसे हमेशा पुत्रवत स्नेह प्राप्त हुआ।

उन्होंने आगे कहा कि उत्तर प्रदेश के कई बड़े-बड़े नेताओं के लिए नोएडा करप्शन का सबसे बड़ा सेंटर था। लेकिन, आज नोएडा बिजनेस सेंटर के रूप में उभरा है। यहां पर एक समय अपराधियों का बोलबाला था। ऐसी भी जानकारी मिली है कि लोग पलायन कर रहे थे। अब यह गुजरे कल की बात हो गई है। आज नोएडा पर्यटन और व्यापार के केंद्र के रूप में जाना जाता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में यहां देश-विदेश से निवेश का आंकड़ा बढ़ रहा है। यहां पर बेहतरीन एक्सप्रेसवे,

चमचमाती सड़कें और बेहतरीन कानून व्यवस्था है। उन्होंने आगे कहा कि जब मैं मुख्यमंत्री था तब जेवर एयरपोर्ट का प्रस्ताव लेकर केंद्र सरकार के पास गया था। लेकिन, दूसरी सरकारें आती रही और योजना को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। अब, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी के कारण जेवर की धरती पर एयरपोर्ट आएगा। पहले प्रदेश की तुलना गरीब राज्यों से की जाती थी, आज डबल इंजन की सरकार में प्रदेश की अर्थव्यवस्था एक ट्रिलियन डॉलर पहुंच जाएगी। देश के पूरे अर्थव्यवस्था का पांचवा हिस्सा उत्तर प्रदेश का होगा। भाजपा अकेली पार्टी है, जो वादा करती है, उसे निभाती है। राजनाथ सिंह ने कहा कि हमने आर्टिकल-370 हटाया, अयोध्या में भव्य राम मंदिर बनाया। रामजी कुटिया से अपने महल में पहुंच गए हैं। अब इस हिंदुस्तान में राम राज्य का आगाज होकर रहेगा। हमने तीन तलाक खत्म किया। हम देश बनाने के लिए राजनीति करते हैं। उन्होंने कांग्रेस के घोषणा पत्र पर कहा कि 9 दिसंबर 2006 को तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने विज्ञान भवन में नेशनल डिफेंस काउंसिल की मीटिंग में कहा था कि इस देश की संपत्तियों पर सबसे पहला अधिकार माइनॉरिटी और मुस्लिम का है। कांग्रेस सरकार ने मुस्लिम यूनिवर्सिटी में एससी, एसटी का रिजर्वेशन कैंसिल कर दिया। हिंदू-मुसलमान के आधार पर इन्होंने देश को बांटकर अपना काम चलाया है। उन्होंने आगे कहा कि 2012 में कन्नौज में उप चुनाव था। डिंपल यादव निर्विरोध जीती थीं। उस वक्त लोकतंत्र खतरे में नहीं था। जनता की नजर से नजर मिलाकर राजनीति करो, गुमराह करके नहीं। सारी दुनिया में भारत का कद बढ़ा है। पहले अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की आवाज कोई नहीं सुनता था। आज पूरी दुनिया हमारी बात सुनती है। जल्द ही भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक ताकत बन जाएगा।

गलगोटिया यूनिवर्सिटी ने रचा इतिहास

सात लाख छात्रों ने एडमिशन के लिए रजिस्ट्रेशन करवाया, टॉप पर रहेगी मेरिट

शोएब आलम, संद्भावना टुडे

ग्रेटर नोएडा। गलगोटिया यूनिवर्सिटी ने एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम की है। विश्वविद्यालय को आगामी 2024 शैक्षणिक सत्र के लिए ग्रेजुएशन और पोस्ट ग्रेजुएशन कार्यक्रमों हेतु कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट (सीयूईटी) के जरिए कुल 7.26 लाख आवेदन प्राप्त हुए हैं। इनमें से 3.27 लाख आवेदन ग्रेजुएशन कार्यक्रमों के लिए और 3.98 लाख आवेदन पोस्ट ग्रेजुएशन कार्यक्रमों के लिए हैं।

विश्वविद्यालय के सीईओ डॉ. ध्रुव गलगोटिया ने कहा कि यह आवेदनों की रिकॉर्ड संख्या संस्थान की शिक्षा गुणवत्ता, अत्याधुनिक सुविधाओं और समग्र विकास की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उन्होंने कहा, हमें इतने बड़े पैमाने पर छात्रों द्वारा चुना जाना गर्व और सम्मान की बात है। गलगोटियास विश्वविद्यालय ने उच्च गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने और शिक्षा के उभरते परिदृश्य को अपनाने में अपनी सफलता का प्रदर्शन किया है। विश्वविद्यालय प्रबंधन ने बताया कि यह वास्तव में हमारे मात्र 12 साल पुराने संस्थान के लिए एक गौरवशाली क्षण है और हमें इस उपलब्धि पर गर्व है। संस्थान गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए अपने शैक्षणिक कार्यक्रमों और परिसर सुविधाओं का विस्तार करेगा। यह आंकड़े विश्वविद्यालय के विकास और भारत में एक अग्रणी शैक्षणिक संस्थान के रूप में इसकी प्रतिष्ठा को दर्शाते हैं। छात्रों द्वारा प्राथमिकता दी जाने से विश्वविद्यालय का उत्साह और बढ़ा है। गलगोटिया शिक्षण संस्थानों का दिल्ली-एनसीआर और उत्तर भारत में पुराना इतिहास है। गलगोटिया इंस्टीट्यूशनल ग्रुप के कॉलेज इंजीनियरिंग और मैनेजमेंट की पढ़ाई के लिए देशभर में चुनिंदा माने जाते हैं। संस्थान समूह के संस्थापक सुनील गलगोटिया ने वर्ष 2011 में यमुना एक्सप्रेसवे पर इस विश्वविद्यालय की नींव रखी थी। महज 12 वर्षों के अंतराल में इस शिक्षण संस्थान ने महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं।

पलवल: सड़क हादसे में युवक की मौत, बिना पुलिस को सूचित किए ही घर भिजवाया शव

पलवल। पलवल में एक व्यक्ति की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। उसके शव को बिना पोस्टमार्टम व बिना पुलिस को सूचना दिए ही एम्बुलेंस में उसके घर भिजवा दिया गया। खण्डवा (मध्यप्रदेश) पहुंचे शव को देख कर परिजन हैरान रह गए और वारदात की सूचना वहां की पुलिस को दी। खण्डवा एसपी ऑफिस से मिले पत्र के बाद अब पलवल पुलिस ने आरोपी ठेकेदार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

मिली जानकारी के अनुसार जिला खण्डवा (मध्यप्रदेश) के एसपी कार्यालय से प्राप्त एक पत्र में खण्डवा के गांधी नगर अस्पताल के ठेका कर्मी प्रकाश ने शिकायत दी। इसमें कहा गया है कि खण्डवा के मदनी गांव निवासी 28 वर्षीय प्रदीप अपने साथी अलग-अलग गांव के रहने वाले रमेश, दिनेश, त्रिलोक व निलेश उर्फ नीलू के साथ मजदूरी के लिए जिला अलवर (राजस्थान) के लक्ष्मणगढ़ शेखपुरा निवासी मोबीन खान के ट्रैक्टरों को चलाने गए थे। शिकायत में कहा गया कि वे प्रति वर्ष मोबीन खान के साथ उसके ट्रैक्टरों पर मजदूरी करने के लिए जाते हैं। फसलों की कटाई करते हैं। इस बार जब वे फसल काटने की मशीन लगे ट्रैक्टर

पर सवार थे और उनका साथी त्रिलोक मोबीन खान की बाइक पर बैठा था। जब उनका ट्रैक्टर पलवल हुडा चौक पर पहुंचा तो ट्रैक्टर एक ब्रेकर पर उछल गया। प्रदीप ट्रैक्टर से उछल कर मशीन की चपेट में आ गया। मौके पर ही प्रदीप की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि इसके बाद ठेकेदार मोबिन खान ने एम्बुलेंस कर शव को बिना पुलिस को सूचना दिए व बिना पोस्टमार्टम के उसके साथियों के साथ मध्य प्रदेश गांव मदनी भिजवा दिया। इसके बाद जिला खण्डवा में उसका पोस्टमार्टम कराया व पुलिस को सूचना दी। मध्य प्रदेश के जिला खण्डवा के एसपी कार्यालय ने तहरीर देखने के बाद सभी कागजात को दुर्घटना स्थल हरियाणा के पलवल भिजवा दिया। पलवल सिटी थाना प्रभारी राजेश कुमार ने मंगलवार को जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस ने आरोपी ठेकेदार मोबिन खान के खिलाफ आईपीसी की धारा 304ए व 201 के तहत मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

दिल्ली नगर निगम के राजभाषा विभाग ने हिंदी भाषा को प्रोत्साहित करने के लिए हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया

शहजाद सैफ, सद्भावना टुडे संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम ने राजभाषा हिंदी के प्रचार प्रसार के लिए तथा दिल्ली नगर निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों में हिंदी भाषा के प्रति रुचि बढ़ाने के लिए राजभाषा विभाग द्वारा श्यामा प्रसाद मुखर्जी सिविक सेंटर स्थित सभा भवन में आज हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस मौके पर हिंदी भाषा में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। हिंदी सामान्य ज्ञान क्विज़ प्रतियोगिता, हिंदी काव्य, गीत प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में उपायुक्त, श्री बी. पी. भारद्वाज भी मौजूद थे। इस कार्यक्रम में काफी संख्या में निगम कर्मियों ने भाग लिया।

इस अवसर पर उपायुक्त, श्री बी. पी. भारद्वाज ने कहा कि हिन्दी हमारे जीवन मूल्यों, संस्कृति, सभ्यताएं और संस्कार की संवांहिका है। उन्होंने कहा कि किसी भी देश की वैचारिक एवं सामाजिक एकता का आधार ही भाषा होती है। उन्होंने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए आभार प्रकट किया। उन्होंने सभी निगम कर्मचारियों को सरकारी काम काज में हिंदी भाषा का ज़्यादा

से ज़्यादा प्रयोग करने की बात की। इस मौके पर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओ में विजेता टीम को प्रशस्ति पत्र देकर प्रोत्साहित किया गया।

मुठभेड़ में इनामी बदमाश को गोली लगी

ग्रेटर नोएडा। पुलिस ने ग्रेनो वेस्ट के न्यू हैबतपुर में शराब के ठेके के सेल्समैन की हत्या में शामिल बदमाश को मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया। पुलिस मुठभेड़ में पैर में गोली लगने से बदमाश घायल हो गया। उसे अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। मुठभेड़ में घायल बदमाश पर 25 हजार का इनाम घोषित था। पुलिस ने बदमाश के पास से एक बिना नंबर की बाइक और तमंचा बरामद किया। बिसरख कोतवाली प्रभारी अरविंद कुमार ने बताया कि सेल्समैन की हत्या में शामिल एक बदमाश के संबंध में पुलिस को सूचना मिली थी कि वह एक मूर्ति गोल चक्कर के समीप अपने साथी से मिलने के लिए आने वाला है। पुलिस ने सूचना के आधार पर एक मूर्ति गोल चक्कर के समीप बिना नंबर की एक बाइक पर सवार युवक को रुकने का इशारा किया। बदमाश पुलिस को देखकर भाग निकला। पुलिस टीम ने पीछा किया तो बदमाश ने गोली चला दी। पुलिस की जबावी फायरिंग में पैर में गोली लगने से बदमाश घायल हो गया। उसकी पहचान नाजिम निवासी मेरठ के रूप में हुई।

नोएडा में व्यापारी कर रहे मतदान के प्रति जागरूक : शिक्षित और सेवा की भावना रखने वाले प्रत्याशी को देंगे वोट

नोएडा। उत्तरप्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल, नोएडा के अध्यक्ष नरेश कुच्छल ने जनपद गौतमबुद्ध नगर जिले के व्यापारियों से अपील की है कि वो आगामी 26 अप्रैल 2024 को अधिक से अधिक संख्या में पोलिंग बूथ पर पहुंचकर वोटिंग करें। साथ ही व्यापारी एक ऐसे प्रत्याशी को चुनें, जो उनकी समस्याओं का निस्तारण कर सके।

नरेश कुच्छल ने कहा कि व्यापारी एक ऐसे प्रत्याशी चुनें, जो व्यापारी के हित में फैसले ले सके। जो अपने परिवार से ऊपर उठकर हर नागरिक के बारे में सोचे। जो क्षेत्र के विकास के लिए दमदार मुद्दे उठा सके। जो हर वर्ग के लोगों के साथ सीधा संपर्क साध सके। जो किसी की कठपुतली नहीं बने। जो शिक्षित हो, बेबाक हो, कर्मठ हो व निर्णायक हो ।आज यही समय की मांग भी है। उन्होंने कहा कि जो प्रत्याशी जाति, धर्म, वर्ग, संगठन और पार्टी से ऊपर उठकर लोगों से सीधा संपर्क नहीं करे, क्षेत्र के विकास पर स्पष्ट घोषणा- पत्र नहीं दे, उसे वोट नहीं दें। उन्होंने बताया कि चुनाव में शिक्षित और सेवा की भावना रखने वाले उम्मीदवारों को ही वोट देना चाहिए। साथ ही प्रत्याशियों की सिर्फ शिक्षा ही नहीं, बल्कि उनकी सेवा भावना भी देखने की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि हमें खुद जागरूक होने की जरूरत है कि हम जिन्हें वोट दें, वह सही उम्मीदवार हो। नरेश कुच्छल ने बयान में कहा कि लोकतंत्र में वोट डालना हर वोटरों का कर्तव्य और जिम्मेदारी बनती है। इसलिए 26 अप्रैल को द्वितीय चरण में होने जा रहे लोकसभा के चुनाव में प्रत्येक व्यापारी मतदाता उस अधिकार का प्रयोग करें जो कि समाज, राज्य और देश की भलाई के लिए बहुत जरूरी है। जितना ज्यादा मतदान होगा, हमारा लोकतंत्र भी उतना ही ज्यादा मजबूत होगा।

नोएडा के बसई गांव में दिनदहाड़े गोलियां चलने से मचा हड़कंप

नोएडा। उत्तर देश के नोएडा के थाना फेस-3 क्षेत्र के बसई गांव में हुए मामूली विवाद में चाचा भतीजे के बीच गोलियां चल गई। दिनदहाड़े गोलियां चलने से हडक़ंप मच गया। पुलिस ने इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। फिलहाल पुलिस इस मामले की जांच में जुट गई है।

थाना प्रभारी विजय कुमार ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली कि बसई गांव स्थित अशोका होटल पर कुछ लोगों के बीच झगड़ा हो रहा है और दोनों पक्ष एक दूसरे को मरने मारने पर उतारू हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची इस दौरान पुलिस को आजाद यादव पुत्र अशोक यादव निवासी बसाई, सुरेंद्र पुत्र रामवीर निवासी ग्राम सर्फाबाद तथा दूसरे पक्ष के राकेश यादव पुत्र जयप्रकाश निवासी ग्राम कुडियागढ़ी गाजियाबाद व तय्यूब पुत्र मोहम्मद आशु सैफी झगड़ा करते हुए दिखाई दिए। दोनों पक्ष अवैध असलाहों से एक-दूसरे पर फायर कर रहे थे। पुलिस को देखकर दोनों पक्ष अवैध असलाहों को लेकर मौके से फरार हो गए। पुलिस को मौके से

32 बोर के दो खोखा कारतूस और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ है। अशोका होटल के हाल के गेट पर भी गोलियों के निशान मिले। थाना प्रभारी विजय कुमार ने बताया कि पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए आजाद यादव, राकेश यादव व तय्युब को गिरफ्तार कर लिया है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि राकेश यादव व आजाद यादव आपस में चाचा भतीजे हैं। दोनों के बीच पिछले काफी समय से वाद विवाद चला आ रहा है। सोमवार को दोनों पक्षों के बीच पहले कहा सुनी हुई और इसके बाद मारपीट व फायरिंग हुई। इस मामले में पुलिस फरार सुरेंद्र की तलाश कर रही है।

विधवा के बेटे ने की आत्महत्या, तीन के खिलाफ मुकदमा दर्ज

पलवल,एजेंसी। पलवल में नवयुवक ने फंदा लगाकर आत्महत्या करने का मामला मंगलवार को सामने आया है। आरोप है कि कुछ युवकों ने एक लड़की पर बुरी नजर रखने का आरोप लगा कर उससे व उसकी मां के साथ गाली-गलौज व मारपीट की थी। इससे दुखी होकर उसने आत्महत्या कर ली। पलवल सदर थाना पुलिस ने मृतक युवक की मां की शिकायत पर एक युवती सहित तीन के खिलाफ मारपीट व आत्महत्या के लिए मजबूर करने का मुकदमा दर्ज किया है। छानबीन जारी है।

मिली जानकारी के अनुसार दीघोट गांव निवासी विधवा सुनीता ने पुलिस को दी शिकायत में कहा है कि सुबह करीब साढ़े सात बजे उसके घर पर गांव के ही निवासी बगला, देवेंद्र व पूनम आए और उसके लड़के पवन पर लड़की को ताकने का आरोप लगा की झगड़ा किया। युवक कह रहे थे कि तुम्हारा लड़का हमारी लड़की को ताकता है। इसी को लेकर देवेंद्र ने उसके बेटे पवन को थप्पड़ मारा। उसने कहा कि अब तो तू बच गया व जब भी अकेला मिलेगा, तुझे जान से खत्म कर दूंगा। आरोपी बगला व पूनम उसे व उसके बेटे को गंदी-गंदी गालियां देते हुए अपने घर चले गए। इसके बाद

उसने अपने बेटे से इस बारे में पूछा तो उसने बताया कि ये लोग झूठ बोल रहे हैं। उसने कभी किसी लड़की की ओर देखा तक नहीं। महिला ने बताया कि वह अपने बेटे को समझा कर काम पर चली गई, जबकि उसके पड़ोसी आरोपी घर पर ही थे। उसका आरोप है कि जब वह काम पर थी तो उसके बेटे पवन का फोन आया व बोला की मम्मी मुझे बचा लो, उसके कुछ देर बाद पड़ोसी ने फोन किया कि सुनीता घर आ जा। वह तुरंत घर पहुंची तो वहां पवन घर में पंखे से रस्सी बांधकर लटका मिला। पडोसी आ गए और उसके बेटे को फंदे से नीचे उतारा दिया। सुनीता ने पुलिस को सूचना दी कि बगला, देवेंद्र व पूनम के कारण मेरा बेटा मर गया। उसे नहीं पता, लेकिन उसके काम पर जाने के बाद उसके बेटे को बगला, देवेंद्र व पूनम ने मार दिया हो। देवेंद्र ने उसके बेटे को थप्पड़ मारकर जान से मारने की धमकी दी थी। सदर थाना प्रभारी मनोज कुमार ने मंगलवार को बताया कि महिला की शिकायत पर बगला, देवेंद्र व पूनम के खिलाफ आत्महत्या के लिए मजबूर करने सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया।

आकषर्ण समाज के हर वर्ग में हैं...

अवधेश कुमार

इस समय लोक सभा चुनाव को लेकर कई तरह के मत हमारे सामने आ रहे हैं। सबसे प्रबल मत यह है कि भाजपा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अपने सहयोगी दलों के साथ तीसरी बार भारी बहुमत से सरकार में लौट रही है। कुछ लोग प्रधानमंत्री के 370 भाजपा के और सहयोगी दलों के साथ 400 सीटें मिलने तक की भी भविष्यवाणी करने लगे हैं। दूसरी ओर, विपक्ष इसे खारिज करते हुए कहता है कि भाजपा चुनाव हार रही है और वह 200 सीटों से नीचे चली पाएगी। विपक्ष भाजपा की आलोचना करती है, नरेन्द्र मोदी पर सीधे प्रहार भी करती है, पर अपने समर्थकों और भाजपा विरोधियों के अंदर भी विश्वास नहीं दिला पाती कि वाकई वह भाजपा से सत्ता छीनने की स्थिति में चुनाव लड़ रहे हैं। आईएनडीआईए गठबंधन (इंडिया) की सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस से नेताओं के छोड़कर जाने का कायम सिलसिला इस बात का प्रमाण है कि पार्टी के अंदर कैसी निराशा और हताशा है। तो फिर इस चुनाव का सच क्या हो सकता है? आखिर 4 जून का परिणाम क्या तस्वीर पेश कर सकता है? इस चुनाव की एक विडंबना और है।

भाजपा के नेताओं, कार्यकर्ताओं और समर्थकों का एक वर्ग स्वयं निराशाजनक बातें करता है। व्यक्तिगत स्तर पर मेरी ऐसे अनेक लोगों से बातें होती हैं, जो चुनाव में जमीन पर हैं या वहां होकर लौट रहे हैं। इनमें ऐसे लोगों की संख्या बड़ी है जिनमें उत्साह या आशावाद का भाव न के बराबर मिलता है। वे बताते हैं कि जैसी दिल्ली में या बाहर हवा दिखती है धरातल पर वैसी स्थिति नहीं है। जब उनसे प्रश्न करिए कि धरातल की स्थिति क्या है तो सबके उत्तर में कुछ सामान बातें समाहित होती हैं, गलत उम्मीदवार के कारण लोगों के अंदर गुस्सा या निराशा है, गठबंधन को सीट देने के कारण अपने लोगों के अंदर निराशा है, गठबंधन ने ऐसे उम्मीदवार खड़े किए हैं जिनका बचाव करना या जिनके लिए काम करना भाजपा के कार्यकर्ताओं के लिए कठिन हो गया है आदि। कुछ लोग अनेक क्षेत्रों में जातीय समीकरण की समस्या का उल्लेख भी करते हैं। एक समूह यह कहता है कि आम कार्यकर्ताओं और नेताओं की सरकार में उपेक्षा हुई है, उनके काम नहीं हुए हैं, उनको महत्त्व नहीं मिला है और अब लोगों का धैर्य चूक रहा है। यहां तक कि जिस तरह के लोगों को पुरस्कार, पद, प्रतिष्ठा या टिकट दिया गया है उनसे भी लोग असहमति व्यक्त करते हैं। भाजपा कार्यकर्ताओं समर्थकों के साथ विपक्ष की बातों को मिला दिया जाए तो निष्कर्ष यही आएगा कि भले भाजपा 400 पार का नारा दे, लेकिन यह हवा हवाई ही है। किंतु क्या यही 2024 लोक सभा चुनाव की वास्तविक स्थिति है? यह बात सही है कि अनेक राज्यों, जिनमें उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, राजस्थान, पश्चिम बंगाल आदि को शामिल किया जा सकता है वहां पार्टी के अंदर कई जगह उम्मीदवारों को लेकर विरोध है। कुछ उपयुक्त लोगों को टिकट न मिलना तथा ऐसे सांसदों को फिर से उतारना जिनको लेकर कार्यकर्ता नाराजगी प्रकट करते रहे हैं विरोध का एक बड़ा कारण है। साथी दलों ने भी भाजपा के लिए समस्याएं पैदा की है। उदाहरण के लिए बिहार में लोजपा ने ऐसे उम्मीदवार उतारे जो परिवारवाद का साक्षात प्रमाण है और भाजपा के लोगों के लिए इनका बचाव करना कठिन है। कुछ साथी दलों ने प्रभाविता और साक्षमता की जगह व्यक्तिगत संबंध और परिवार को टिकट देने में प्रमुखता दिया। बिहार के जमुई में प्रधानमंत्री मोदी स्वयं प्रचार के लिए गए और वहां भाजपा के लोगों ने पूरी ताकत लगाई। इसका असर भी हुआ। बावजूद यह प्रश्न किया जा रहा है कि किसी नेता के बहनोई या 26 साल की एक लड़की को, जिसके पिता साथी दल में नेता हैं उनको हम अपना नेता या प्रतिनिधि मानकर कैसे काम करें? स्वर्गीय रामविलास पासवान की राजनीति परिवार के इर्द-गिर्द सिमटी रही। जद (यू) की ओर से भी ऐसे कई उम्मीदवार हैं, जिन्हें भाजपा और राजग के परंपरागत कार्यकर्ता और समर्थक स्वीकार नहीं कर रहे। भाजपा के भी कुछ ऐसे उम्मीदवार हैं, जिनके बारे में नेता कार्यकर्ता कह रहे हैं कि हम पर उन्हें थोप दिया गया है। झारखंड में भी बाहर से लाकर टिकट देने और ऐसे उम्मीदवार को खड़ा करने, जिनको भाजपा पहले नकार चुकी हो समस्या पैदा कर रही है। किंतु इसका यह अर्थ नहीं कि 4 जून का परिणाम भी इसी के अनुरूप आएगा। यह सही है कि अगर भाजपा और राजग में उम्मीदवारों के चयन में ज्यादा सतर्कता बरती जाती, स्थानीय नेतृत्व के चयन की सही तरीके से जांच होती तो स्थिति पूरी तरह वैसी ही उत्साहप्रद होती जैसी चाहिए। बावजूद देशव्यापी व्याप्त अंतर्धारा क्या है? 10 वर्षों की नरेन्द्र मोदी सरकार का प्रदर्शन, प्रधानमंत्री की स्वयं की छवि, वर्षों तक संगठन परिवार द्वारा हिंदू समाज के बीच किए गए सकारात्मक कार्य, 22 जनवरी को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा, विरोधियों द्वारा हिन्दुत्व को लेकर उपेक्षा या प्रहार का व्यवहार तथा अल्पसंख्यकों विशेषकर मुसलमानों का वोट लेने के लिए विपक्षी दलों की प्रतिस्पर्धा भाजपा के पक्ष में ऐसा आधार बनाती है जिसका कोई विकल्प नहीं। भाजपा के समर्थकों में एक बड़ा वर्ग विचारधारा के कारण जुड़ाव रखता है और पिछले कुछ वर्षों के कायरे के कारण हिन्दुओं के अंदर हिन्दुत्व एवं भारतीय राष्ट्रभाव की चेतना प्रबल हुई है। वह बहस करते हैं कि आखिर भाजपा नहीं होती तो क्या अयोध्या में राम मंदिर बनता और ऐसी प्राण प्रतिष्ठा होती? वे धारा 370 से लेकर समान नागरिक संहिता, तीन तलाक कानून, नागरिकता संशोधन कानून आदि की चर्चा करते हैं। नागरिकता संशोधन कानून का तो आईएनडीआईए के ज्यादातर दलों ने विरोध किया है। उन्हें लगता है कि घातक अल्पसंख्यकवाद पर अगर किसी पार्टी की सरकार द्वारा नियंत्रण लगा है तो भाजपा ही है। उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ सरकार के प्रभावों के कारण जिन माफियाओं पर सरकारें उनके समुदाय के कारण हाथ डालने से बचती थी, वे मटियामेट हुए हैं, सड़कों पर नमाज पढना़ बंद हुआ है। स्वाभाविक ही उन्हें लगता है कि आने वाले समय में कोई पार्टी अगर इन सब पर काम कर सकती है तो वह भाजपा ही है। दूसरी ओर सामाजिक न्याय एवं विकास को मोदी सरकार ने जिस तरह से व्यावहारिक रूप दिया है उसका बड़ा आकषर्ण समाज के हर वर्ग में है।

> अमेरिका की जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी के वैश्विक स्वास्थ्य नीति विशेषज्ञ मार्क डायबुल ने इन स्वैच्छिक प्रयासों के साथ-साथ सरकारी हस्तक्षेप के महत्व पर भी जोर दिया है। उनका कहना है कि जब सार्वजनिक सुरक्षा के मामलों की बात आती है, तो अनुपालन और जवाबदेही को सुनिश्चित करने के लिए एक नियामक ढांचा आवश्यक हो जाता है। हमें सरकारी कार्रवाई और नियमों की ज़रूरत है। केवल स्वैच्छिक मार्गदर्शन से काम नही चलेगा। जैविक युद्ध में एआई के संभावित खतरों की तरफ इशारा करने वाली हालिया रिपोर्टों से भी इस मुद्दे पर तत्काल विचार करना जरूरी हो गया है। अल्फाफोल्ड जैसे एआई प्रोग्राम के साथ प्रोटीन संरचना की भविष्यवाणी करना आसान हो गया है। चिंता की बात यह है कि ये प्रौद्योगिकियां अनजाने में खतरनाक रोगजनकों या विषाक्त पदार्थों के निर्माण की सुविधा प्रदान कर सकती हैं। एआई से डिजाइन किए गए प्रोटीन के संभावित लाभ बहुत अधिक हैं। अगर वे गलत हाथों में पड़ जाएं तो जोखिम भी बहुत हैं। यही कारण है कि बेकर और उनके सहयोगियों की पहल सक्रिय उपायों पर जोर देती है। लेकिन बेकर का कहना है कि एआई क्षेत्र के विनियमन के लिए सरकारी कानून बहुत कड़े नहीं होने चाहिए। कड़े नियम उन दवाओं, टीकों और सामग्रियों के विकास को सीमित कर सकते हैं जो एआई द्वारा डिजाइन किए गए प्रोटीन से उत्पन्न हो सकती हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि एआई-जनित खतरों से बचाव के लिए ऐसे एआई मॉडल होने चाहिए जो समय पर इन खतरों का पता लगा सकें। एआई और जैव प्रौद्योगिकी का मिलन नए खतरे पैदा कर रहा है।

एआई के प्रसार से बढ़ा जैविक हथियारों का खतरा

मुकुल व्यास

दुनिया में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का जोर बढ़ रहा है। कृत्रिम बुद्धि विभिन्न क्षेत्रों में अपनी जड़ें फैला रही है। हालांकि स्वास्थ्य, विज्ञान और चिकित्सा के क्षेत्र में इसके नवीनतम प्रवेश ने उत्साह के साथ-साथ कुछ चिंता पैदा भी की है। क्या एआई द्वारा डिजाइन किए गए प्रोटीन किसी दिन जैविक हथियारों की तरह खतरा पैदा कर सकते हैं? यह उन शोधकर्ताओं के मन में सवाल है जो अब प्रोटीन डिजाइन प्रौद्योगिकी के नैतिक उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा उपायों की वकालत कर रहे हैं। पूरी तरह से नए प्रोटीन का मंथन करने में सक्षम एआई टूल किसी साइंस फिक्शन फिल्म की तरह लगते हैं, लेकिन यह आज एक वास्तविकता है। वाशिंगटन विश्वविद्यालय के डेविड बेकर सहित कई वैज्ञानिक विशिष्ट कार्यों के लिए प्रोटीन डिजाइन करने के लिए एआई टूल का उपयोग कर रहे हैं। एआई के प्रोटीन डिजाइन का उपयोग रोग प्रतिरोधक क्षमता उत्पन्न करने से लेकर दवाओं की लक्षित डिलीवरी के लिए किया जा रहा है। इसके उपयोग की संभावनाएं अनंत हैं। हालांकि, संभावित खतरे भी बहुत चिंताजनक हैं। इन चिंताओं को दूर करने के लिए बेकर और अन्य शोधकर्ताओं ने प्रोटीन डिजाइन में एआई के जिम्मेदार उपयोग को बढ़ावा देने के लिए एक पहल शुरू की है। उनका लक्ष्य सरल है। वे इस शक्तिशाली टूल को गलत हाथों में पड़ने या गलत तरीके से दुरुपयोग होने से रोकना चाहते हैं।

बेकर का ग्रुप अपने प्रयास में अकेला नहीं है। दुनियाभर के विशेषज्ञ यह सुनिश्चित करने के लिए एकजुट हो रहे हैं कि जैव प्रौद्योगिकी में एआई के उपयोग के साथ समुचित सुरक्षा उपाय होने चाहिए। इस तरह के स्वैच्छिक दिशानिर्देश सही दिशा में स्वागतयोग्य कदम हैं। हालांकि, कुछ वैज्ञानिकों का मानना है कि एआई का दुरुपयोग रोकने के लिए अधिक ठोस उपायों की आवश्यकता है। अमेरिका की जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी के वैश्विक स्वास्थ्य नीति विशेषज्ञ मार्क डायबुल ने इन स्वैच्छिक प्रयासों के साथ-साथ सरकारी हस्तक्षेप के महत्व पर भी जोर दिया है। उनका कहना है कि जब सार्वजनिक सुरक्षा के मामलों की बात आती है, तो अनुपालन और जवाबदेही को सुनिश्चित करने के लिए एक नियामक ढांचा आवश्यक हो जाता है। हमें सरकारी कार्रवाई और नियमों की ज़रूरत है। केवल स्वैच्छिक मार्गदर्शन से काम नही चलेगा। जैविक युद्ध में एआई के संभावित खतरों की तरफ इशारा करने वाली हालिया रिपोर्टों से भी इस मुद्दे पर तत्काल विचार करना जरूरी हो गया है। अल्फाफोल्ड जैसे एआई प्रोग्राम के साथ प्रोटीन संरचना की भविष्यवाणी करना आसान हो गया है। चिंता की बात यह है कि ये प्रौद्योगिकियां अनजाने में खतरनाक रोगजनकों या विषाक्त पदार्थों के निर्माण की सुविधा प्रदान कर सकती हैं। एआई से डिजाइन किए गए प्रोटीन के संभावित लाभ बहुत अधिक हैं। अगर वे गलत हाथों में पड़ जाएं तो जोखिम भी बहुत हैं। यही कारण है कि बेकर और उनके सहयोगियों की पहल सक्रिय उपायों पर जोर देती है। लेकिन बेकर का कहना है कि एआई क्षेत्र के विनियमन के लिए सरकारी कानून बहुत कड़े नहीं होने चाहिए। कड़े नियम उन दवाओं, टीकों और सामग्रियों के विकास को सीमित कर सकते हैं जो एआई द्वारा डिजाइन किए गए प्रोटीन से उत्पन्न हो सकती हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि एआई-जनित खतरों से बचाव के लिए ऐसे एआई मॉडल होने चाहिए जो समय पर इन खतरों का पता लगा सकें। एआई और जैव प्रौद्योगिकी का मिलन नए खतरे पैदा कर रहा है। इससे विशिष्ट जनसांख्यिकीय समूहों सहित बड़ी आबादियों के लिए अस्तित्व का खतरा पैदा हो सकता है। जैविक हथियार संहिता की कार्यान्वयन सहायता इकाई के समक्ष इन खतरों के शमन के उपायों के समन्वय में मुख्य जिम्मेदारी है। लेकिन दुर्भाग्य से इस इकाई के पास पर्याप्त साधन नहीं है। इसमें तत्काल सुधार की आवश्यकता है। यह सही है कि एआई हमें जीव विज्ञान की सभी जटिलताओं को समझने में सक्षम बना रही है। इससे हमें मानवता की कुछ सबसे गंभीर चुनौतियों को हल करने के लिए अरबों वर्षों के विकास का उपयोग करने का अवसर मिल रहा है। एआई लाइलाज बीमारियों को ठीक करने से लेकर जीवाश्म ईंधन के उपयोग को चरणबद्ध तरीके से खत्म करने जैसी कई चुनौतियों से निपटने में मदद कर रही है। सकारात्मक प्रभाव की इस विशाल क्षमता के साथ बड़े और नए खतरे भी आते हैं। एआई का उपयोग लंबे समय से दवा की खोज के लिए किया जाता रहा है। इसके जरिए सबसे कम विषाक्तता वाले चिकित्सीय अणु की खोज की जाती है। जब वैज्ञानिकों की एक टीम ने विषाक्तता को बढ़ाने के लिए निर्धारित मानदंड को उलट दिया, तो एल्गोरिदम ने न केवल वीएक्स (अस्तित्व में सबसे शक्तिशाली जहरों में से एक) उत्पन्न किया, बल्कि नए विषाक्त पदार्थों को भी उत्पन्न किया, जिनके अधिक विषाक्त होने की भविष्यवाणी की गई थी। विषाक्तता के अलावा, एआई वायरस की संचरण क्षमता को भी बढ़ा सकती है और यह अक्सर महामारी फैलाने वाले वायरसों पर शोध करने वाली प्रयोगशालाओं में किया जाता है। जरा इबोला वायरस के रोगियों की मृत्यु दर के साथ कोविड-19 की संक्रामकता की कल्पना कीजिए। स्पष्ट हो जाएगा कि जैविक हथियारों की मारक क्षमता कितनी भयावह हो सकती है। एआई का उपयोग महामारी के प्रसार का अनुकरण करने के लिए भी किया जा सकता है जो क्वारंटीन के उपायों को लागू करने और परीक्षण संसाधनों को सुनिश्चित करने में उपयोगी हो सकता है। हालांकि, रोगाणुओं के प्रसार को बढ़ाने के लिए इसे उलटा भी किया जा सकता है। इस प्रकार इसके हानिकारक प्रभाव को बढ़ाया जा सकता है। दरअसाल, एआई और जैव प्रौद्योगिकी एकमात्र प्रौद्योगिकियां नहीं हैं जो नए खतरे पेश करने के लिए आपस में मिल सकती हैं। उदाहरण के लिए, डिजिटल प्रौद्योगिकियां जो बायोमैन्युफैक्चरिंग या खाद्य प्रणाली के साथ जुड़ी हुई हैं, संभावित जैविक हमले का मार्ग बन सकती हैं। दूसरी तरफ, एआई का उपयोग जैविक हथियारों को रोकने में मदद के लिए किया जा सकता है। उदाहरण के लिए एआई नए विषाक्त पदार्थ और रोगजनक स्ट्रेन उत्पन्न कर सकती है जिन्हें मौजूदा ब्लैकलिस्ट में जोड़ा जा सकता है। इस प्रकार जैविक हथियारों के संभावित हमलों के जोखिम को पहले से ही खत्म किया जा सकता है।

विचार

जलाने के बजाय आजमाएं प्राकृतिक समाधान

पंकज चतुर्वेदी

कुछ माह पहले जो समाज हवा की गुणवत्ता खराब होने के चलते हरियाणा-पंजाब के किसानों को पराली जलाने के लिए दोष दे रहा था, वह अब वैसा ही काम करके खुद का नुकसान कर रहा है। दिल्ली का विस्तार कहलाने वाला गाजियाबाद जिला भले ही आबादी के लिहाज से हर साल विस्तार पा रहा है लेकिन जानकर आश्चर्य होगा कि अभी तक यहां नगर निगम के पास कूड़ा निस्तारण की कोई जगह नहीं है। चूंकि महानगर के बड़े हिस्से में अभी भी खुलापन, पेड़, हरियाली और बगीचे मौजूद हैं तो जगह-जगह सूखे पत्तों का ढेर लगा रहता है। हर कॉलोनी में इनके निस्तारण के लिए आग लगाना आम बात है। गाजियाबाद केवल एक उदाहरण है, दिल्ली से जितनी दूरी बढ़ती जाएगी सूखे पत्तों को फूंकने की लापरवाही भी बढ़ेगी। कुछ लोगों के लिए ये झड़े पत्ते महज कचरा हैं और वे इसे समेट कर जलाने को परंपरा, मजबूरी, मच्छर मारने का तरीका जैसे नाम देते हैं। असल में यह न केवल गैरकानूनी है, बल्कि प्रकृति पर अत्याचार भी है। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने सन् 2016 में सख्त लहजे में कहा था कि पेड़ों से गिरने वाली पत्तियों को जलाना दंडनीय अपराध है व प्रशासनिक अमला यह सुनिश्चित करे कि आगे से ऐसा न हो। इस बारे में समय-समय पर कई अदालतें व महकमें आदेश देते रहे हैं, लेकिन कानून के पालन को सुनिश्चित करने वाली संस्थाओं के पास इतने लोग व संसाधन नहीं हैं कि हरित न्यायाधिकरण के निर्देश का शत-प्रतिशत पालन करवा सके। कुछ साल पहले दिल्ली में एक सांसद की सरकारी कोठी में पत्तियां जलाने पर मुकदमा दायर हुआ था, उसके बाद दिल्ली में तो इस विषय में जागरूकता और सतर्कता है। लेकिन कई जगह तो नगर को साफ रखने का जिम्मा निभाने वाले स्थानीय निकाय खुद ही कूड़े के रूप में पेड़ से गिरी पत्तियों को जला देते हैं। असल में पत्तियों को जलाने से उत्पन्न प्रदूषण तो खतरनाक है ही, सूखी पत्तियां कई मायनों में बेशकीमती भी हैं। प्रकृति के विभिन्न तत्वों का संतुलन बनाए रखने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। सूखी पत्तियां जलाने से इंसान कई बीमारियों को न्योता देता है। गिरी हुई पत्तियों को जलाने के दौरान अल्पकालिक और दीर्घकालिक संपर्क से अस्थमा के दौरे, दिल के दौरे और कार्बन मोनोऑक्साइड विषाक्तता का खतरा भी बढ़ सकता है। दिल्ली हाईकोर्ट दिसंबर, 1997 में ही आदेश पारित कर चुका था कि पत्तियों को जलाने से गंभीर पर्यावरणीय संकट पैदा हो रहा है, इसलिए इस पर पूरी तरह पाबंदी लगाई जाये।

सन् 2012 में दिल्ली सरकार ने पत्ते जलाने पर एक लाख रुपये जुर्माने व पांच साल तक की कैद का प्रावधान किया था। लेकिन एक तो ऐसे मामलों की कोई शिकायत नहीं करता, दूसरे पुलिस भी ऐसे पचड़ों में फंसती नहीं। यह भी कि स्थानीय निकाय के लोग खुद ऐसी हरकतें करते हैं। ऐसे में जाने-अनजाने पूरा समाज वातावरण में जहर घोलने के कार्य में शामिल है। दिल्ली एनसीआर की आबोहवा इतनी दूषित हो चुकी है कि पांच साल के बच्चे तो इसमें स्वस्थ जी नहीं सकते हैं। दस लाख से अधिक बच्चे हर साल सांस की बीमारियों के शिकार हो रहे हैं। प्रदूषण कम करने के विभिन्न कदमों के तहत हरित न्यायाधिकरण ने पाया कि महानगर में बढ़ रहे पीएम यानी पार्टिकुलेट मैटर का 29.4 फीसदी कूड़े व उसके साथ पत्तियों को जलाने से उत्पन्न हो रहा है। पेड़ की हरी पत्तियों में पाया जाने वाला क्लोरोफिल वातावरण में मौजूद जल-कणों को हाइड्रोजन व आक्सीजन में विभाजित कर देता है। हाइड्रोजन वातावरण में मौजूद जहरीली गैस कार्बड डाइआक्साइड के साथ मिलकर पत्तियों के लिए शर्करायुक्त भोजन उपजाती है। जबकि आक्सीजन तो प्राण वायु है ही। जब पत्तियों का क्लोरोफिल चूक जाता है तो उसका हरापन समाप्त हो जाता है व वे पीली या भूरी पड़ जाती हैं। हालांकि ये पत्तियां पेड़ के लिए भोजन बनाने के लायक नहीं रह जाती हैं लेकिन उसमें नाइट्रोजन, प्रोटीन, विटामिन, स्टार्च व शर्करा आदि का खजाना होता है। ऐसी पत्तियों को जब जलाया जाता है तो कार्बन, हाइड्रोजन, नाइट्रोजन व कई बार सल्फर से बने रसायन उत्सर्जित होते हैं। इसके कारण वायुमंडल की नमी और आक्सीजन तो नष्ट होती ही है, कार्बन मोनोआक्साइड, नाइट्रोजन आक्साइड, हाइड्रोजन सायनाइड, अमोनिया, सल्फर डाइआक्साइड जैसी दम घोटने वाली गैस वातावरण को जहरीला बना देती हैं। अनुमान है कि दिल्ली एनसीआर में दो हजार हेक्टेयर से ज्यादा इलाके में हरियाली है व इससे हर रोज 200 से 250 टन पत्ते गिरते हैं और इनका बड़ा हिस्सा जलाया जाता है। एक बात और, पत्तों के तेज जलाने की तुलना में उनके धीरे-धीरे सुलगने पर ज्यादा प्रदूषण फैलता है। एक अनुमान है कि दिल्ली एनसीआर इलाके में जलने वाले पत्तों से पचास हजार वाहनों से निकलने वाले जहरीले धुएं के बराबर जहर फैलता है। बता दें, पत्ते जलने से निकलने वाली सल्फर डाइआक्साइड, कार्बनमोनो व डाइआक्साइड आदि गैसें दमघोटू होती हैं। शेष बची राख भी वातावरण में कार्बन की मात्रा तो बढ़ाती ही है, जमीन की उर्वरा क्षमता भी प्रभावित होती है।

एक नजर

सलखुआ के महादलित टोले में आग लगने से आधा दर्जन घर जलकर स्वाहा

सहरसा,एजेंसी। जिले के सलखुआ प्रखंड के साम्हरखुर्द पंचायत के वार्ड नंबर 9 कचौत महादलित टोला में मंगलवार को अचानक भीषण आग लगने से आधा दर्जन से अधिक फूस घर, चार बकरी समेत लाखों की संपत्ति जलकर राख हो गयी। आग की लपटे इतनी तेज थी की देखते ही देखते महादलित टोला के सात से आठ फूस के घर समेत अन्य सामग्री जल कर राख हो गयी। अग्नि कांड में कचौत गांव निवासी मनोहर सादा, चन्द्रकिशोर सादा, जोगेन्द्र सादा, भूमि सादा, रामप्रवेश सादा, सज्जन सादा समेत अन्य का फूस घर जलकर राख हो गया। इस आग से सभी की घर गृहस्थी व अन्य सामान जलकर नष्ट हो गए। चार बकरी भी झुलस कर मर गई। आग्नि पीड़ित परिवारों की मुश्किलें बढ़ गई है। अग्नि पीड़ित परिवारों ने बताया कि गेहूं कटनी छोड़ कर जब तक घर पहुंचे तब तक घर समेत अन्य सामग्री जलकर राख हो गया। इस बाबत सीआई ब्रजनंदन सिंह ने बताया कि कचौत महादलित टोला में 7-8 घर जलने की सूचना पर संबंधित पंचायत के राजस्व कर्मचारी स्थल जांच के लिए गया है। पीड़ित परिवारों को आपदा के तहत राहत मुहैया कराया जाएगा।

पुलिस पर्यवेक्षक ने सिकटी थाना का लिया जायजा

अररिया,एजेंसी। लोकसभा चुनाव को लेकर मंगलवार को चुनाव पुलिस पर्यवेक्षक मधुरा मीणा ने सिकटी थाना में चुनाव के दौरान किये गये कार्यों की जानकारी ली। इस दौरान मधुरा मीणा ने सिकटी थानाध्यक्ष से संवेदनशील व अति संवेदनशील बूथों के बारे में जानकारी ली। तथा भारत-नेपाल सीमा नजदीक होने के कारण भारत नेपाल सीमा के गतिविधियों के बारे में जानकारी ली और थानाध्यक्ष को बूथ स्तर पर पूरी जानकारी लेने का निर्देश दिया। खासतौर पर वांछित, हिस्ट्रीशीटरों के अलावा ऐसे अपराधियों की जानकारी जुटाने का निर्देश दिया जिनके विरुद्ध पूर्व में हुए चुनावों में मामले दर्ज हैं। इस कार्य में पुलिस ने चौकीदारों के अलावा बीट के सिपाही को लगाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि चुनाव से पूर्व सख्त कार्रवाई हो जाने से चुनाव के दौरान असामाजिक तत्व व उपद्रवी किस्म के व्यक्ति भूमिगत हो जाते हैं। इन्हें डर रहता है कि उनकी कुंडली खंगाली जा रही है। पुलिस पर्यवेक्षक ने मतदान केंद्र की संवेदनशीलता, पोलिंग बूथ पर पड़ने वाले गांव-मोहल्लों की सूची, वोटरों की संख्या, जातीय अनुपात, पूर्व में प्रकाश में आई रंजिश, राजनीतिक मुकदमा, वांछित व इनामी अपराधियों की स्थिति, हिस्ट्रीशीटर, हथियार लाइसेंसधारक, महिला अपराध करने वाले, गुंडा एक्ट, गैंगस्टर, आर्म्स एक्ट की कार्रवाई, परंपरागत व शरारती पोलिंग एजेंटों की जानकारी एकत्रित करने का निर्देश दिया। जो जमानत पर, उन पर भी नजर रखने का निर्देश दिया।ऐसे आरोपियों व बदमाशों की भी कुंडली बनाने का निर्देश दिया गया, जो इन दिनों जमानत पर जेल से बाहर हैं। बेल पर चल रहे ऐसे आरोपियों के वर्तमान क्रिया-कलापों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। अपराध में लिप्त पाए जाने पर इनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

10 साल तक सत्ता में रहने वाली सरकार कर रही है पांच किलो अनाज की बात- तेजस्वी

भागलपुर,एजेंसी। जिले के कहलगांव विधानसभा में मंगलवार को पूर्व उपमुख्यमंत्री सह नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव ने महागठबंधन से कांग्रेस प्रत्याशी अजीत शर्मा के समर्थन में आयोजित चुनावी सभा को संबोधित किया। अपने संबोधन के दौरान तेजस्वी यादव ने बीजेपी और पीएम मोदी पर जमकर हमला बोला। तेजस्वी यादव ने चुनावी सभा में मौजूद लोगों से केंद्र की मोदी सरकार को बदलने का आह्वान करते हुए कहा कि जनता से झूठ बोलने वाली सरकार कभी भी आम जनता का भला नहीं कर सकती है। तेजस्वी ने जोर देकर कहा कि आज भाजपा के लोग प्रति महीने पांच किलो अनाज देने का ढ़िंढोरा पीट कर इसे विकास से जोड़कर बता रही है। इससे बड़ा हास्यास्पद क्या हो सकता है कि 10 साल तक सत्ता में रहने वाली सरकार पांच किलो अनाज की बात कर रही है। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार भी राशन देने का काम किया करती थी। तेजस्वी ने जनता को मालिक बताते हुए कहा कि सही अर्थ में जनता ही मालिक होती है लेकिन आज सरकार खुद को मालिक समझने लगी है। तेजस्वी ने कार्यक्रम में मौजूद लोगों को महागठबंधन के प्रत्याशी अजीत शर्मा को विजयी बनाने की अपील करते हुए कहा कि यही सही समय है। जब झूठ बोलने वाली और वादा नहीं पूरे करने वाली सरकर को बदल दिया जाए। कार्यक्रम में महागठबंधन के कई विधायक और कार्यकर्ता शामिल थे।

भारत-नेपाल सीमा पर सुरक्षा बलों की हुई संयुक्त गश्ती

अररिया। सशस्त्र सीमा बल 52वीं बटालियन की बी कंपनी लेटी के जवानों ने नेपाल एपीएफ व मद्य निषेध के सुरक्षा बलों के साथ मंगलवार को भारत नेपाल अंतरराष्ट्रीय सीमा पर संयुक्त गश्ती की। लेटी कंपनी के असिस्टेंट कमांडेंट संतामान राय, नेपाल एपीएफ धानापट्टी के इंस्पेक्टर टेकेन्द्र कार्की और मद्य निषेध विभाग के एएसआई सीतेश कुमार सिंह की संयुक्त टीम ने जवानों के साथ संयुक्त पेट्रोलिंग कर नो मेन्सलेंड पर अवस्थित पीलरो का जायजा लिया।कारण आगामी चुनाव के समय जब बॉर्डर सील रहेगी तो सुरक्षा बलों को गश्ती में किसी भी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े। अधिकारियों ने बताया कि दोनों देशों के सुरक्षाकर्मी संयुक्त गश्ती कर रहे हैं, ताकि चुनाव बिना किसी बाधा के संपन्न हो। उन्होंने बताया कि खुली सीमा के सभी स्थानों पर गश्त की जा रही है।वहीं सीमा की सुरक्षा को लेकर अराजक तत्व से निपटने, सीमा से अवैध सामानों की तस्करी व रोकथाम, दोनों देश की सुरक्षा की दृष्टिकोण से संभावित खतरों से बचने के लिए सीमा की महत्वपूर्ण जानकारियां एक दूसरे से साझा की गई। अधिकारियों ने बताया कि आगामी चुनाव के मद्देनजर सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था पहले से चुस्त दुरुस्त कर दी गई है।लगातार गश्ती अभियान चलाया जा रहा है।इस दौरान सीमा पर प्रत्येक आने जाने वालों पर नजर रखी जा रही है।

लोस चुनाव: बिहार के पटना साहिब से भाजपा उम्मीदवार रविशंकर को टक्कर देंगे अंशुल अविजित

☐ लोकसभा की पूर्व स्पीकर मीरा कुमार के बेटे हैं अंशुल ☐ अंशुल अविजित ने कैम्ब्रिज से किया है डॉक्टरेट

पटना,एजेंसी। लोकसभा चुनाव-2024 में बिहार की 40 लोकसभा सीटों में चार सीटों पर बीते 19 अप्रैल को मतदान संपन्न हुआ, जिसमें 47 प्रतिशत मतदान हुआ। दूसरी ओर बची हुई 36 लोकसभा सीटों पर कांग्रेस ने सभी उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। इनमें सबसे हॉट सीटों में एक पटना साहिब से कांग्रेस पार्टी ने लोकसभा की पूर्व स्पीकर मीरा कुमार के बेटे डॉक्टर अंशुल अविजित को उम्मीदवार बनाया है। टिकट के ऐलान के बाद ये तय हो गया है कि पटना साहिब सीट से अब अंशुल का मुकाबला सीधे भाजपा उम्मीदवार रविशंकर से होगा। इस सीट से भाजपा ने रविशंकर प्रसाद को उम्मीदवार बनाया है। अंशुल भारत के पूर्व उप प्रधानमंत्री और दलित नेता जगजीवन राम के पोते भी हैं। अंशुल अविजित ने कैम्ब्रिज से डॉक्टरेट की पढ़ाई पूरी की है। इससे पहले कांग्रेस पार्टी ने इन्हें राष्ट्रीय प्रवक्ता बनाया था। पिछले लोकसभा चुनाव में रविशंकर प्रसाद इसी सीट से सांसद चुने गए थे। इस बार भी भाजपा ने इन्हें दोबारा चुनावी मैदान में उतारा है। इससे पहले कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव के लिए सात उम्मीदवारों की घोषणा की थी। इसमें पांच उम्मीदवार बिहार के ही थे।

बिहार से कांग्रेस को मिली नौ सीटों का चुनावी गणित

1. कटिहार- यहां से पूर्व केन्द्रीय मंत्री और कांग्रेस के कद्दावर नेता तारिक अनवर मैदान में हैं। उन्होंने शरद पवार के साथ मिलकर अलग पार्टी एनसीपी भी बनाई थी लेकिन फिर एनसीपी छोड़ वापस कांग्रेस में आ गए थे। पिछली बार उन्हें कटिहार में जदयू के दुलाल चंद गोस्वामी ने हरा दिया था। इस बार जदयू ने फिर से दुलाल चंद गोस्वामी को टिकट दिया है। तारिक अनवर पांच बार सांसद रह चुके हैं। वे फिर से जीतते हैं तो राजनीति को क्रिकेट में उनका छक्का होगा। उनकी भिड़ंत जदयू के दुलालचंद गोस्वामी से है।

2. किशनगंज- यहां से जदयू के

उम्मीदवार मुजाहिद आलम हैं। यहां एआइएमआइएम के उम्मीदवार अख्तरुल ईमान भी मैदान में हैं। कांग्रेस ने यहां फिर से मो जावेद को टिकट दिया है। पिछले लोकसभा चुनाव 2019 में मो. जावेद ने ही महागठबंधन की प्रतिष्ठा बचाई थी। उन्होंने जदयू के सैयद महमूद अशरफ को हराया था।

3. भागलपुर-यहां कांग्रेस के अजीत शर्मा के सामने जदयू से अजय मंडल मैदान में हैं। अजय मंडल ने पिछले लोकसभा चुनाव में आरजेडी के शैलेश कुमार को हराया था। कांग्रेस ओबीसी के इलाके में भूमिहार जाति के अजीत शर्मा को उतारकर सोशल इंजीनियरिंग का बड़ा प्रयोग कर रही है। शर्मा भागलपुर से विधायक हैं।

4. महाराजगंज- यहां कांग्रेस आकाश प्रसाद सिंह के सामने भाजपा के जनार्दन सिंह सिग्रीवाल हैं। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह पहले को खुद को दूसरी बार राज्य सभा भेजने में सफल हुए और उसके बाद अपने पुत्र आकाश को महाराजगंज से टिकट दिलाने में सफल हुए।

5. सासाराम- यहां कांग्रेस के मनोज कुमार के सामने भाजपा के शिवेश राम हैं। यहां भाजपा ने सीटिंग एमपी छेदी पासवान का टिकट काट लिया। इसके बाद लगातार चर्चा रही की छेदी कांग्रेस की सदस्यता ले सकते हैं लेकिन कांग्रेस ने उन्हें पार्टी में शामिल नहीं किया और मनोज कुमार को टिकट दे दिया। मनोज कुमार वीआईपी से भी जुड़े रहे थे। उनकी मां यशोदा देवी जीवन भर कांग्रेस के साथ रही। मनोज पिछली बार लोकसभा चुनाव बसपा के टिकट पर सासाराम से लड़ चुके हैं। रुलर डेवलपमेंट की पढ़ाई इग्नू से की है। सासाराम से पांच बार एमपी रहीं मीरा कुमार ने घोषणा की थी कि वे अब चुनाव नहीं लड़ेंगी। मीरा कुमार के पति कुशवाहा जाति से आते हैं। इसलिए उनके पुत्र सासाराम की सुरक्षित सीट से चुनाव नहीं लड़ सकते।

6. समस्तीपुर- यहां का मुकाबला दिलचस्प हो गया है। जदयू नेता महेश्वर हजारी के पुत्र सनी हजारी को कांग्रेस ने टिकट दिया है। इनका मुकाबला जदयू नेता अशोक चौधरी की बेटी शांभवी लोजपा (रा) से होगा यानी एक ही पार्टी के दो नेताओं की संतानों के बीच राजनीतिक टक्कर है। यहां से पिछली बार लोजपा के रामचंद्र पासवान चुनाव जीते थे और कांग्रेस के अशोक कुमार को हराया था। रामचंद्र पासवान के निधन के बाद यहां उपचुनाव हुआ था और रामचंद्र पासवान के पुत्र प्रिंस राज ने चुनाव जीता था। कांग्रेस ने डॉ. अशोक राम को ही उतारा था।

7. मुजफ्फरपुर- यहां भाजपा ने अजय निषाद का टिकट काट कर राजभूषण चौधरी को टिकट दे दिया था। इसके बाद अजय निषाद ने बगावत कर कांग्रेस की सदस्यता ले ली थी। अब उन्हें मुजफ्फरपुर से कांग्रेस ने टिकट दिया है। पिछली बार यहां से भाजपा से अजय निषाद की जीत हुई थी और उन्होंने वीआईपी के राजभूषण चौधरी को हराया था।

8. पश्चिम चंपारण- यहां से कांग्रेस के मनोज मोहन तिवारी की भिड़ंत भाजपा के संजय जायसवाल से होगी। मदन मोहन तिवारी एमए और एलएलबी हैं। वे मुखिया और प्रखंड प्रमुख रह चुके हैं। वर्ष 2015 में मझौलिया से विधानसभा का चुनाव जीते। तब उन्होंने पूर्व मंत्री रेणु देवी को हराया था।

9. पटना साहिब- इस सीट पर मीरा कुमार के बेटे का मुकाबला भाजपा सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद से है।

राजद और कांग्रेस ने बिहार को बर्बाद किया: राजनाथ सिंह

भागलपुर,एजेंसी। भागलपुर के कहलगांव में मंगलवार को केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आईएनडीआई गठबंधन पर जमकर हमला बोला। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अपने संबोधन के दौरान कहा कि राजद के हुक्म और हुकूमत को आपने लंबे समय तक देखा है। इनकी सारी शक्ति इसी में खर्च हो जाती है। इन्होंने गांव देहात को पिछड़ा बनाकर रखा है। देश और बिहार के जनता को इन लोगों ने मूर्ख बनाकर रखा है। जो सपना बाबा भीमराव अंबेडकर और कर्पूरी ठाकुर ने देखा था। अगर उसे सचमुच कोई पूरा कर रहा है तो वह देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कर रहे हैं। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कांग्रेस के लोग हिंदू मुसलमान को धर्म के आधार पर समाज को बांट कर अपनी सरकार बनना चाहते हैं। राजनीति केवल सरकार बनाने के लिए नहीं करनी चाहिए। राजनीति अगर करनी चाहिए तो देश बनाने के लिए करनी चाहिए। हमारी सरकार ने किसी के साथ कोई भेदभाव नहीं किया। पक्का मकान अगर मिला है तो सभी धर्म के लोगों को मिला है। किस धर्म के लोगों को राशन देना चाहिए और किस धर्म को नहीं देना चाहिए हमारी सरकार ने ऐसा नहीं किया।

विपक्ष पर निशाना साधते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि बिहार को इन लोगों ने बर्बाद किया है। खासकर राजद और कांग्रेस ने बिहार को बर्बाद किया है। सारे देशों में बिहार की चर्चा है कि वहां जंगल राज है। मुख्यमंत्री और मंत्री भारत में जेल जा रहे है। क्या यह काम भारतीय जनता पार्टी ने किया है। बिहार की जनता ने इस बार फैसला कर लिया है कि अगर किसी के साथ रहेगी तो वह भारतीय जनता पार्टी के साथ रहेगी। उन्होंने अपने संबोधन के दौरान कहा कि राजद के लोग कहते हैं कि लालटेन जल रही है और जलती रहेगी लेकिन मैं कहता हूं कि लालटेन अब भभक रही है। उसका तेल खत्म हो गया है। जल्दी बुझ भी जायेगी। मौके पर विधायक और एनडीए गठबंधन के कई नेता और कार्यकर्ता मौजूद थे।

पूर्णिया को सक्षम सांसद चाहिए जो संतोष कुशवाहा ही हो सकते हैं- चिराग पासवान

पूर्णिया,एजेंसी। 26 अप्रैल को जब पूर्णिया में तीर छाप पर बटन दबाएंगे तो केंद्र में मोदी जी की सरकार बनेगी। जब मोदी जी की सरकार बनेगी तो देश ,प्रदेश और पूर्णिया का विकास होगा।आप सभी से आग्रह है कि तीर छाप पर बटन दबाकर संतोष कुशवाहा जी को विजयी बनाएं।उक्त बातें उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने हाई स्कूल,कामख्या स्थान के मैदान में मंगलवार को एनडीए प्रत्याशी संतोष कुशवाहा के समर्थन में आयोजित चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कही। लोजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने कहा कि 04 जून को नरेन्द्र मोदी जी का प्रधानमंत्री का बनना तय है।ऐसे में हमे एक सक्षम सांसद चाहिए जो संतोष कुशवाहा ही हो सकते हैं।मैं संतोष भाई को जानता हूँ, तीसरी बार मोदी जी पीएम बनेंगे और तीसरी बार संतोष भाई भी सांसद बनेंगे।जब संतोष भाई सांसद बनेंगे तो उनको दिया हर वोट स्व रामविलास पासवान जी को सच्ची श्रद्धांजलि होगी।संतोष भाई जीतेंगे तो उसके साथ चिराग पासवान को भी सांसद बनाएंगे।

उपमुख्यमंत्री बिजय कुमार सिन्हा ने कहा कि पूर्णिया क्षेत्र से घुसपैठिये की समस्या के समाधान के लिए ,तुष्टिकरण की नीति को समाप्त करने के लिए और

गुंडाराज की समाप्ति के लिए पूर्णिया से संतोष कुशवाहा को तीर छाप पर बटन दबाकर विजयी बनाएं। बिहार सरकार की मंत्री लेशी सिंह ने उपस्थित भीड़ से आग्रह किया कि वे एनडीए प्रत्याशी संतोष भाई को जिताएं। कुछ लोग गुंडागर्दी से मतदान को प्रभावित करना चाहते हैं,ऐसे लोगों से कहना है कि हम उन्हें ईंट का जवाब पत्थर से देंगे। एनडीए प्रत्याशी संतोष कुशवाहा ने कहा कि नरेंद्र मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने और मुझे तीसरी बार सांसद बनाने के लिए आशीर्वाद दीजिए।इस मौके पर विधायक विजय खेमका ने कहा कि यह चुनाव देश का है।एक प्रत्याशी कैंची लेकर घूम रहा है,कैची लेकर कौन घूमता है आप जानते हैं।दूसरी प्रत्याशी लालटेन लेकर घूम रही है,बिजली के जमाने मे लालटेन की क्या जरूरत है।इसलिए 26 अप्रैल को संतोष कुमार को तीर छाप पर वोट देकर सांसद बनाना है।

रक्सौल-वीरगंज को रामायण सर्किट से जोड़ने के लिए पीएमओ को भेजा पत्र

पूर्वी चंपारण। जिले में रक्सौल और उससे सटे नेपाल के वीरगंज शहर को सीतामढ़ी,जनकपुर वाल्मीकिनगर और अयोध्या की तरह रामायण सर्किट से जोड़ने की मांग को लेकर पीएमओ को पत्र भेजा गया। ताकि इन दो शहर को विश्वस्तरीय धार्मिक पर्यटक स्थल के रूप में विकसित किया जा सके। इस आशय का पत्र रक्सौल निवासी शिक्षाविद प्रो डॉ स्वयंभू शलभ ने पीएमओ को भेजा है। डॉ शलभ ने हिन्दुस्थान समाचार को बताया कि पत्र प्राप्ति के बाद पीएमओ के निर्देश पर केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय ने इसका प्रस्ताव स्वदेश दर्शन डिवीजन व बिहार सरकार के पर्यटन विभाग को आवश्यक कार्रवाई के लिए भेजा है।इस संदर्भ में केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय के सहायक निदेशक नीरज शरण ने कहा है कि पर्यटन के विकास में राज्य सरकार का भी प्रमुख दायित्व होता है।

डॉ शलभ ने पीएमओ को भेजे पत्र में कहा है कि भारत-नेपाल सीमा पर बसे जुड़वां नगर रक्सौल और वीरगंज का सांस्कृतिक, भौगोलिक और ऐतिहासिक दृष्टि से विशेष महत्व है। ये दोनों नगर रामायण सर्किट से जुड़कर विश्वस्तरीय धार्मिक सांस्कृतिक केंद्र बनें, इस दिशा में केंद्र सरकार द्वारा पहल किये जाने की आवश्यकता है। कहा है,कि नेपाल की आर्थिक राजधानी वीरगंज और भारतीय शहर रक्सौल में उद्योग, व्यापार और पर्यटन की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। नेपाल के रास्ते विभिन्न देशों से भारत आने वाले पर्यटक सबसे पहले इसी रक्सौल-वीरगंज सीमा पर आकर भारत दर्शन करते हैं। दिल्ली और काठमांडू को जोड़ने वाला मुख्य मार्ग रक्सौल-वीरगंज सीमा

से होकर गुजरता है। नेपाल के मुख्य द्वार पर अवस्थित इन दोनों नगरों को रामायण सर्किट से जोड़कर इस सीमाई क्षेत्र की संभावनाओं को विकसित करने की जरूरत है। उन्होंने रामायण सर्किट से जोड़ने के मौलिक कारणों पर कहा है,कि माता सीता की जन्म स्थली पुनौरा धाम, सीतामढ़ी (बिहार) रक्सौल से मात्र 80 किमी की दूरी पर स्थित है। अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के बाद जन आकांक्षा है कि सीतामढ़ी में माता सीता का भी भव्य मंदिर बने। माता सीता का मायका जनकपुरधाम (नेपाल) भी यहां से 160 किमी दूरी पर है। इस कड़ी में वाल्मीकिनगर स्थित महर्षि वाल्मीकि का आश्रम रक्सौल से 160 किमी की दूरी पर स्थित है। यहीं लव कुश का जन्म हुआ। महर्षि वाल्मिकी ने %%रामायण%% की रचना भी यहीं की थी। माता सीता के जीवन में सीतामढ़ी, जनकपुर धाम, वाल्मीकिनगर और अयोध्या इन सभी स्थलों का महत्व है। जिसका सड़क और रेल मार्ग रक्सौल होकर जाती है।

लोस चुनाव में राजद भाजपा की बी टीम- शाहजहां शाद

अररिया। सीमांचल डेवलपमेंट फ्रंट के महासचिव शाहजहां शाद ने तेजस्वी यादव को आड़े हाथों लेते हुए मंगलवार को यहां कहा कि राजद बिहार में लोकसभा चुनाव में भाजपा के बी टीम के रूप में काम कर रही है।उन्होंने कहा कि राजद नेता तेजस्वी यादव का पूर्णिया के मंच से खुलेआम कहना या तो आप इंडिया को वोट कीजिये या एनडीए को, ऐसे वक्तव्य से स्पष्ट समझा जा सकता है कि राजद भाजपा गठबंधन से समझौता कर चुकी है।अंदर खाने की सच्चाई अब मंच पर भी आने लगी है।आरजेड़ी बिहार में भाजपा के लिए इम्पक्ट प्लेयर की भूमिका में है। पूर्णिया और बिहार की जनता इस बात को समझ चुकी है।लालू यादव को मुसलमान आडवाणी का रथ रोकने पर 35 साल से अपना मसीहा मानकर वोट देते आयें है और अब कब तक रथ दिखाकर मुसलमानो को राजद की सवारी करायेंगे। उन्होंने कहा कि सामाजिक न्याय का नारा

देने वाले तेजस्वी, हिस्सेदारी और बराबरी की बात करने वाले तेजस्वी यादव जी,18 फीसदी मुसलमान की संख्या में महज़ दो सीटें मुसलमानो के खाते में देते हैं।14 फीसदी वाले यादव जाति के 8 उम्मीदवार खड़े किये है। वही ढाई फीसदी वाले मल्लाह की आबादी वाले मुकेश सहनी को तीन सीट दिया गया।सामाजिक न्याय का नारा देने वाले आरजेड़ी के पैरोकार मुकेश सहनी मल्लाह के नाम पर 3 सीट तो ले लिए लेकिन तीन सीट पर अन्य जातियों के कैंडिडेट को उतार दिया। शाद ने कहा कि बिहार में अब मुस्लिम वोट राजद के हाथ से फिसलती हुई दिख रही है।

मधेपुरा संसदीय निर्वाचन क्षेत्र सें 8 तो खगड़िया संसदीय क्षेत्र से 12 उम्मीदवार चुनाव मैदान में

सहरसा,एजेंसी। लोकसभा चुनाव को लेकर प्रत्याशियों के नाम वापसी के बाद शेष मैदान में बचे प्रत्याशियों को लेकर चुनाव की तैयारी की जा रही है। मंगलवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने मीडिया को विस्तृत जानकारी दी। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि नाम वापसी के बाद मधेपुरा लोकसभा क्षेत्र के लिए आठ प्रत्याशी मैदान में हैं।इनमें राष्ट्रीय जनता दल के डॉ कुमार चंद्रदीप, जनता दल यूनाइटेड के दिनेश चंद्र यादव, बहुजन समाज पार्टी के मो अरशद हुसैन, युवा क्रांतिकारी पार्टी के अजबलाल मेहता, समझदार पार्टी के उचेश्वर पंडित, भारतीय जन क्रांति दल डेमोक्रेटिक के कामेश्वर यादव, सोशलिस्ट यूनिटी सेंटर ऑफ इंडिया के जवाहरलाल जायसवाल, आदर्श मिथिला पार्टी के सुरेश्वर पोद्दार प्रत्याशी हैं।

उन्होंने बताया कि खगडिया लोकसभा क्षेत्र से 12 प्रत्याशी मैदान में हैं। इनमें बहुजन समाज पार्टी के डॉ रवि कुमार, लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के राजेश वर्मा, कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया मार्क्ससिस्ट के संजय कुमार, राष्ट्रीय जनसंभावना पार्टी के अजय कुमार, आदर्श मिथिला पार्टी के आसिफ इमाम,

हिंदुस्तान पीपुल्स पार्टी डेमोक्रेटिक के कंचन माला, आम जनता पार्टी राष्ट्रीय के चंद्रा किशोर ठाकुर, राष्ट्रीय जन कल्याण पार्टी सेकुलर के पिंकेश कुमार, निर्दलीय दीनानाथ चंद्रवंशी, निर्दलीय प्रियदर्शी दिनकर, निर्दलीय रूपम देवी, निर्दलीय सोनू कुमार प्रत्याशी हैं।

एक नजर

किम जोंग ने कृत्रिम परमाणु जवाबी हमला अभ्यास का निरीक्षण किया

प्योंगायांग,एजेंसी। डेमोक्रेटिक पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ कोरिया (डीपीआरके) के शीर्ष नेता किम जोंग उन ने सोमवार को एक कृत्रिम परमाणु जवाबी हमला अभ्यास का निरीक्षण किया। कोरियाई सेंट्रल न्यूज़ एजेंसी (केसीएनए) ने मंगलवार को यह जानकारी दी। रिपोर्ट के अनुसार, सुपर-लार्ज मल्टीपल रॉकेट लॉन्चरों ने भारी गोलीबारी की तथा कृत्रिम परमाणु हथियारों से युक्त प्रोजेक्टाइल ने 352 किमी की सीमा के अंदर द्वीप के लक्ष्य पर सटीक निशाना साधा। रिपोर्ट में कहा गया कि यह अभ्यास विशेष रूप से डीपीआरके के परमाणु बल की विश्वसनीयता, श्रेष्ठता, शक्ति और विविध साधनों का प्रदर्शन करने और गुणवत्ता एवं मात्रा दोनों में परमाणु बल को मजबूत करने के लिए किया गया था। उत्तरी कोरियाई नेता ने प्रतिरोधक और युद्ध लड़ने की रणनीति में देश के परमाणु बल की महत्वपूर्ण भूमिका को लगातार बढ़ाने और परमाणु बल की नियमित युद्ध तत्परता को पूरा करने के लिए लगातार रणनीति एवं संचालन की आवश्यकता पर बल दिया है। किम जोंग उन ने युद्धाभ्यास की सराहना करते हुए इसे देश के परमाणु बल को पूरी तरह से तैयार करने में एक महत्वपूर्ण अवसर के रूप में प्रशंसा की, जिससे देश किसी भी समय और किसी भी अकस्मात स्थिति में युद्ध रोकने और युद्ध में पहल करने के अपने महत्वपूर्ण अभियान को तेजी से और सही तरीके से पूरा करने में सक्षम बन सके।

अमेरिकी राष्ट्रपति के मोरहाउस कॉलेज संबोधन कार्यक्रम का विरोध

वाशिंगटन,एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन की मोरहाउस कॉलेज में संबोधन कार्यक्रम को कुछ संकाय सदस्य विरोध कर रहे हैं। एनबीसी न्यूज ने बताया कि कॉलेज के प्रशासन को संबंधित संकाय सदस्यों से योजना के बारे में जानकारी मिली, जैसा कि संकाय को भेजे गए ईमेल में कहा गया है। कॉलेज इस मामले पर चर्चा के लिए 25 अप्रैल को एक वर्चुअल बैठक आयोजित करेगा। रिपोर्ट में एक संकाय सदस्य के हवाले से बताया गया कि प्रशासक चिंतित हैं कि श्री बाइडेन के भाषण का विरोध करने में विद्यार्थियों के साथ शामिल हो जाएंगे। फिर भी, प्रशासन श्री बाइडेन को स्वीकृत निमंत्रण को रद्द नहीं करेंगे। यह कार्यक्रम अमेरिका के कॉलेज परिसरों में फिलिस्तीन समर्थक विरोध प्रदर्शनों के साथ-साथ फिलिस्तीन समर्थक प्रदर्शनों के बीच हो रही है।

एरिजोना में हुए सड़क हादसे में दो भारतीय छात्रों की मौत

वाशिंगटन,एजेसी। अमेरिका के एरिजोना में लेक प्लेजेंट के पास दो कारों के बीच टक्कर होने से दो भारतीय छात्रों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। मृतकों की पहचान 19 वर्षीय निवेश मुक्का और 19 वर्षीय गौतम पारसी के रूप में की गई है। दोनों ही छात्र भारत के थे। वे अमेरिका में अंतरराष्ट्रीय छात्रों के तौर पर पंजीकृत थे। पेरिया पुलिस के अनुसार, स्टेट रूट- 74 के ठीक उत्तर में कैसल हॉट स्प्रिंग्स रोड पर 20 अप्रैल को शाम करीब छह बजकर 18 मिनट दो कारों के बीच टक्कर हो गई। पुलिस ने एक बयान में कहा, यह पता लगाया जा रहा है कि वाहनों में टक्कर कैसे हुई । उसने बताया कि सड़क हादसे में दोनों कारों के चालक घायल हुए हैं जिन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है जबकि हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने बताया की मृतकों की पहचान 19 वर्षीय निवेश मुक्का और 19 वर्षीय गौतम पारसी के रूप में की गई है। उसने बताया कि दोनों भारतीय थे।

ताइवान में 6 घंटे में भूकंप के 80 झटके, सर्वाधिक तीव्रता रिएक्टर पैमाने पर 6.3 रही

ताइपे/टोक्यो,एजेंसी। ताइवान में सोमवार शाम 5 बजे से देररात 12 बजे तक 80 से ज्यादा भूकंप के झटके महसूस किए गए। इनमें सबसे ज्यादा 6.3 तीव्रता का भूकंप रहा, जो भारतीय समय के मुताबिक रात करीब 12 बजे आया। मौसम विभाग के अनुसार भूकंप का केंद्र पूर्वी काउंटी हुलिएन में धरती से 5.5 किलोमीटर नीचे था। भूकंप के कारण राजधानी ताइपे में कई इमारतें झुक गईं हैं। जापान, चीन और फिलिपींस में भी हल्के झटके महसूस किये गए। फिलहाल किसी नुकसान की जानकारी सामने नहीं आई है। इससे पहले इसी माह 3 अप्रैल को ताइवान में 7.2 तीव्रता का भूकंप आया था, जिसमें करीब 14 लोगों की मौत हो गई थी। तब से अब तक ताइवान में सैकड़ों झटके महसूस किए हैं। फायर डिपार्टमेंट ने बताया कि काउंटी हुलिएन में 3 अप्रैल को आए भूंकप में क्षतिग्रस्त हुआ होटल ताजा झटकों के कारण थोड़ा और झुक गया है। ताइवान दो टेक्टोनिक प्लेटों के जंक्शन पर बसा देश है, जो भूकंप के लिहाज से सेंसिटिव माना जाता है। 2016 में दक्षिणी ताइवान में आए भूकंप में 100 से अधिक लोग मारे गए थे। इससे पहले 1999 में 7.3 तीव्रता के भूकंप में 2,000 से अधिक लोग मारे गए थे।

ईरान-पाकिस्तान ने आतंकवाद को मिटाने के लिए मिलाए हाथ

इस्लामाबाद,एजेंसी। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी से मुलाकात कर राजनीतिक, आर्थिक, व्यापार व सांस्कृतिक स्तर पर द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने के तरीकों पर चर्चा की। इसके अलावा दोनों देशों ने आतंकवाद को मिटाने के लिए संयुक्त प्रयास करने पर सहमति जताई। कुछ महीने पहले दोनों देशों ने एक दूसरे की भूमि पर स्थित कथित आतकंवादी ठिकानों पर हवाई हमले किए थे। शरीफ ने आठ फरवरी को हुए आम चुनाव के बाद पाकिस्तान का दौरा करने वाले किसी भी देश के पहले राष्ट्राध्यक्ष रईसी का प्रधानमंत्री आवास में स्वागत किया, जहां रईसी नेता को 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया गया।

तीन दिवसीय दौरे में सोमवार को पाकिस्तान पहुंचे ईरान के राष्ट्रपति ने पीएम शरीफ से मुलाकात के बाद एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। कॉन्फ्रेंस के दौरान शहबाज शरीफ ने कश्मीर का मुद्दा उठाया और कोशिश की कि रईसी भी कश्मीर के मुद्दे पर पाकिस्तान के पक्ष में कुछ बोलें। ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी ने मीडिया के सामने ही कश्मीर पर पाकिस्तान का साथ देने के मुद्दे पर चुप्पी साध ली। वहीं सरकारी 'रेडियो पाकिस्तान' ने बताया कि बातचीत के दौरान, राष्ट्रपति रईसी और प्रधानमंत्री शरीफ ने आतंकवाद को खत्म करने के लिए संयुक्त प्रयास करने पर सहमति जताई। रेडियो ने कहा कि दोनों नेताओं ने अपने देशों के बीच व्यापार और संचार संपर्क बढ़ाने पर भी चर्चा की। रईसी और शरीफ की मौजूदगी में ईरानी व पाकिस्तानी अधिकारियों ने विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ाने के लिए आठ सहमति पत्रों पर हस्ताक्षर किए।

राष्ट्रपति रईसी ने संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि ईरान और पाकिस्तान ने द्विपक्षीय व्यापार बढ़ाकर 10 अरब अमेरिकी डॉलर तक ले जाने का फैसला किया है। रईसी ने कहा, हम उच्चतम स्तर पर संबंधों को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। ईरान और पाकिस्तान के बीच आर्थिक व व्यापारिक सहयोग की कोई सीमा नहीं है। हमने दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार बढ़ाकर 10 अरब अमेरिकी डॉलर तक ले जाने का फैसला किया है। हीं, शरीफ ने कहा कि पूरा पाकिस्तान ईरानी राष्ट्रपति की यात्रा का स्वागत करता है क्योंकि उन्होंने चुनौतियों के बावजूद पाक-ईरान संबंधों को मजबूत करने का आह्वान किया है। शरीफ ने कहा, हमें चुनौतियों के बावजूद इस रिश्ते को मजबूत बनाए रखना है। संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में शरीफ ने कश्मीर मुद्दा उठाया और ईरान को उसके रुख के लिए धन्यवाद दिया। हालांकि, राष्ट्रपति रईसी ने कश्मीर का उल्लेख करने से परहेज किया और इसके बजाय विशेष रूप से फिलिस्तीन में उत्पीड़न के खिलाफ लड़ने वालों को ईरान की ओर से समर्थन देने की बात कही।

खान यूनिस में इजराइली सेना ने तोपों से गोले बरसाते हुए किया प्रवेश, अस्पताल की तलाशी में मिलीं 283 लोगों की कब्र

यरुशलम,एजेंसी। गाजा के खान यूनिस शहर में सोमवार को इजराइली सेना ने तोपों से गोले बरसाते हुए अचानक प्रवेश किया और छापेमारी शुरू कर दी। इजराइली सैनिकों ने वहां पर फलस्तीनी लड़ाकों की धरपकड़ के लिए खाली मकानों और क्षतिग्रस्त भवनों में छापेमारी की है।

छापेमारी के दौरान खान यूनिस के खाली पड़े सबसे बड़े अस्पताल के परिसर में कई सामूहिक कब्रें पाई गई हैं जिनमें बड़ी संख्या में गोली से मरे लोगों को दफन किया गया है। माना जा रहा है कि इन लोगों को इजराइली सैनिकों ने मारकर जमीन के नीचे दबा दिया था। गाजा के दूसरे सबसे बड़े शहर खान यूनिस पर इजराइली हमले के दौरान हजारों लोगों ने नासेर अस्पताल परिसर में शरण ली थी। इजराइली सैनिकों ने अस्पताल में घुसकर कार्रवाई की और उसकी तलाशी ली। इस दौरान अस्पताल में लोगों के मारे जाने की जानकारी सामने आई थी। अब यह अस्पताल खाली है और गाजा प्रशासन के अधिकारियों ने जब वहां का दौरा किया तो उन्हें वहां पर सामूहिक कब्रें मिली हैं जिनमें दफन 283 लोगों के शव मिल चुके हैं। गाजा प्रशासन का आरोप है कि इजराइली सेना ने आमजनों को मारकर उनके शवों को दफना दिया। इजराइली सेना का यह कृत्य सामने आने पर गाजा में सात अक्टूबर, 2023 के बाद मरने वाले फलस्तीनी लोगों की संख्या बढ़ सकती है। इजराइल के मिलिट्री इंटेलीजेंस विभाग के निदेशक मेजर जनरल हेरोन हालिवा ने पद से

इस्तीफा दे दिया है। रक्षा मंत्री योएव गैलेंट ने उनका इस्तीफा स्वीकार करने की संस्तुति कर दी है लेकिन नई व्यवस्था होने तक हालिवा को पद पर बने रहने के लिए कहा है। माना जा रहा है कि सात अक्टूबर, 2023 को इजराइल पर हमास के हमले की पूर्व जानकारी जुटा पाने में विफलता के चलते हालिवा ने इस्तीफा दिया है। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि 129 इजराइली बंधकों की रिहाई और गाजा युद्ध में जीत सुनिश्चित करने के लिए आने वाले दिनों में हमास पर और ज्यादा सैन्य और कूटनीतिक दबाव बढ़ाएंगे। ज्ञात रहे कि इजराइली सेना ने हाल के दिनों में गाजा के रफाह शरणार्थी क्षेत्र में हवाई हमले बढ़ाए हैं। इस क्षेत्र में करीब 14 लाख बेघर फलस्तीनी शरण लिए हुए हैं। वेस्ट बैंक में सोमवार को इजराइली सेना के चेकपोस्ट के नजदीक फायरिंग में एक फलस्तीनी महिला मारी गई। 43 वर्षीय यह महिला जब जार्डन वैली चेकपोस्ट के नजदीक आई तभी उसे गोली मार दी गई।

जर्मनी में चीन के लिए जासूसी करने के संदेह में तीन जर्मन नागरिक गिरफ्तार

बर्लिन। जर्मनी में चीन के लिए जासूसी करने और सेना की ओर से संभावित तौर पर इस्तेमाल की जाने वाली प्रौद्योगिकी की जानकारी भेजने के संदेह में सोमवार को तीन जर्मन नागरिकों को गिरफ्तार किया गया।

अभियोजकों ने बताया कि तीन जर्मन नागरिकों पर जून 2022 से कुछ समय पहले से चीनी खुफिया विभाग के लिए काम करने का आरोप है। उन पर जर्मन निर्यात कानूनों का उल्लंघन करने का भी संदेह है। संघीय अभियोजकों ने बताया कि कि जर्मनी गोपनीयता कानूनों की वजह से संदिग्धों में से एक की पहचान केवल थॉमस आर के रूप में की गई है जो कथित तौर पर चीन के राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्रालय के एक कर्मचारी का एजेंट था और उसने जर्मनी में उस व्यक्ति के लिए सैन्य रूप से उपयोगी नवीन प्रौद्योगिकियों की जानकारी एकत्र की। अभियोजकों ने बताया कि जानकारी एकत्र करने के लिए उसने हेरविग एफ. और इना एफ नामक दंपति का सहारा लिया जो डसेलडोर्फ में एक कंपनी के मालिक हैं। कंपनी जर्मन अनुसंधानकर्ताओं के साथ काम करती है।

भारत एवं अमेरिका लोकतंत्र, मानवाधिकार के मुद्दों पर नियमित विचार-विमर्श करते हैं: अधिकारी

वाशिंगटन,एजेंसी। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को कहा कि भारत और अमेरिका लोकतंत्र और मानवाधिकार के मुद्दों पर उच्चतम स्तर पर नियमित तौर पर विचार-विमर्श करते हैं। उन्होंने यह टिप्पणी ऐसे समय में की है जब एक आधिकारिक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि पिछले साल मणिपुर में बड़े पैमाने पर मानवाधिकारों का हनन हुआ था।

अमेरिका में लोकतंत्र, मानवाधिकार और श्रम ब्यूरो के वरिष्ठ अधिकारी रॉबर्ट एस गिलक्रिस्ट ने अमेरिकी विदेश मंत्री टोनी ब्लिंकन द्वारा मानवाधिकार पर वार्षिक रिपोर्ट जारी किए जाने के बाद संवाददाताओं से कहा, अमेरिका और भारत लोकतंत्र और मानवाधिकार के मुद्दों पर नियमित तौर पर विचार-विमर्श करते हैं। गिलक्रिस्ट ने कहा, हम भारत से मानवाधिकार संबंधी अपने दायित्वों और प्रतिबद्धताओं को बनाए रखने का आग्रह करते हैं। हम अमेरिका और भारत दोनों में नागरिक समाज के प्रतिनिधियों के साथ भी

नियमित रूप से मिलते हैं ताकि उनके दृष्टिकोण को सुना जा सके, जिसके बाद इसे मानवाधिकार आयोग को सूचित किया जाता है। हम भारत सरकार को विधित लोगों का प्रतिनिधित्व करने वाले नागरिक समाज संगठनों के साथ नियमित रूप से बातचीत करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। विदेश मंत्रालय की वार्षिक रिपोर्ट में ब्रिटिश ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन (बीबीसी) के कार्यालय पर भारतीय कर अधिकारियों के छापे और गुजरात की एक अदालत द्वारा विपक्षी कांग्रेस पार्टी के नेता राहुल गांधी को दी गई दो साल जेल की सजा का भी उल्लेख किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि स्थानीय मानवाधिकार संगठनों, अल्पसंख्यक राजनीतिक दलों और प्रभावित समुदायों ने मणिपुर में हिंसा रोकने और वहां देर से सहायता पहुंचाने के लिए भारत सरकार की आलोचना की।

निजी यात्रा के लिए चीन रवाना हुए नवाज

लाहौर,एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ पांच दिवसीय निजी यात्रा पर सोमवार देर रात चीन रवाना हुए। शरीफ परिवार इस यात्रा को लेकर सार्वजनिक रूप से अधिक जानकारी देने से बच रहा है। पाकिस्तान मुस्लिम लीग -नवाज (पीएमएल-एन) ने बताया कि उसके सर्वोच्च नेता अपने पोते जुनैद सफदर और निजी कर्मचारियों के साथ लाहौर हवाई अड्डे से चइनीज सदर्न एयरलाइंस की उड़ान से एक निजी यात्रा पर चीन रवाना हुए। पीएमएल-एन ने शरीफ की चीन की पांच दिवसीय यात्रा के विस्तृत विवरण की जानकारी नहीं दी है। स्थानीय मीडिया ने बताया कि शरीफ चीन में चिकित्सकीय जांच कराएंगे और पंजाब में विकास परियोजनाओं के संबंध में कुछ चीनी कंपनियों के साथ बैठक करेंगे। उनकी बेटी मरियम नवाज पंजाब की मुख्यमंत्री हैं। ऐसा बताया जा रहा है कि विदेश मंत्री इशाक डार भी उनके साथ यात्रा पर गए हैं। पीएमएल-एन हलकों में ये अटकलें भी लगाई जा रही हैं कि शरीफ चीन में संभवत- किसी विशेष काम से गए हैं। शरीफ पहले

कभी चिकित्सकीय कारणों से चीन नहीं गए। वह 2019 में चिकित्सकीय आधार पर ब्रिटेन गए थे और पाकिस्तान में इमरान खान की सरकार गिरने के बाद 2023 में लौटे थे। उनके छोटे भाई शहबाज शरीफ केंद्र में छह दलों के गठबंधन का नेतृत्व कर रहे हैं।

अमेरिका में अभियोजन पक्ष ने पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के खिलाफ साक्ष्य रखे

वाशिंगटन। पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रम्प के खिलाफ आपराधिक मुकदमे में सोमवार को महत्वपूर्ण क्षण आया।लोअर मैनहट्टन के अदालत कक्ष में पूर्व राष्ट्रपति ने अभियोजन पक्ष के आरोपों को चुपचाप सुना। बचाव पक्ष ने प्रतिवाद किया कि ट्रम्प पर गलत आरोप लगाया गया था। जूरी के समक्ष अभियोजन पक्ष ने गवाह को प्रस्तुत करने के साथ कुछ साक्ष्य भी रखे।

मैनहट्टन अभियोजक ने जूरी के 12 सदस्यों को बताया कि यह मामला एक आपराधिक साजिश और सेक्स स्कैंडल्स को छिपाने के बारे में था। इसके उजागर होने से 2016 में उनकी चुनावी जीत को खतरा था। उन्होंने बताया कि कैसे ट्रम्प, उनके वकील माइकल कोहेन और द नेशनल इन्क्वायरर टैबलॉयड के प्रकाशक डेविड पेकर नकारात्मक कहानियों को फैला रहे थे। अपने शुरुआती बयान में ट्रंप के वकील ने जोर देकर कहा कि उनके मुवक्किल ने कुछ भी गलत नहीं किया। ट्रम्प निर्दोष हैं। इसके बाद पेकर को मुकदमे में पहले गवाह के रूप में बुलाया गया। अपनी गवाही में, पेकर ने बताया कि कैसे द नेशनल इन्क्वायरर ने कहानियों के लिए भुगतान किया। उन्होंने इसे चेकबुक पत्रकारिता की संज्ञा दी। यह मुकदमा पोर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स को धन दिए जाने का है। उस समय ट्रम्प के पोर्न स्टार के साथ संबंध होने की बात सामने आई थी। आरोप है कि उन्होंने इसे छुपाने के लिए स्टॉर्मी को एक लाख 30 हजार डॉलर का भुगतान किया। पूर्व राष्ट्रपति की कंपनी ने यह धन उनके वकील माइकल कोहेन को दिया। उन्होंने इसका भुगतान ट्रम्प की तरफ से पोर्न स्टार को किया। वकीलों का कहना है कि दोष सिद्ध होने पर ट्रम्प को चार साल तक की सजा हो सकती है। उल्लेखनीय है कि यह मुकदमा ऐसे समय आगे बढ़ रहा है जब ट्रम्प इस वर्ष राष्ट्रपति चुनाव के रिपब्लिकन टिकट के लिए संभावित उम्मीदवार भी हैं।

डोनाल्ड ट्रंप ने 2016 के चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश की

न्यूयॉर्क। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 2016 के राष्ट्रपति चुनाव को प्रभावित करने के लिए एक साजिश रची और अपनी निजी जिंदगी की ऐसी जानकारियों को सार्वजनिक होने से रोका जिसका उन्हें चुनाव में नुकसान हो सकता था। यह बात एक अभियोजक ने सोमवार को जूरी के सदस्यों को बताई, जो ट्रंप के खिलाफ एक पोर्न स्टार को गुप्त रूप से धन देने के मामले की सुनवाई कर रही है। बचाव पक्ष के वकील ने दलील दी कि ट्रंप निर्दोष हैं और यह मामला सुनवाई योग्य भी नहीं है। अभियोजक मैथ्यू कोलांगेलो ने जूरी सदस्यों को बताया कि अभियुक्त डोनाल्ड ट्रंप ने 2016 के राष्ट्रपति चुनाव को प्रभावित करने के लिए एक आपराधिक साजिश रची थी। फिर उन्होंने बार-बार झूठ बोलकर अपने न्यूयार्क के व्यवसाय के रिकॉर्ड में उस आपराधिक साजिश को छुपाया। उन्होंने इस मामले के अन्य पहलुओं के बारे में भी बताया जिनमें एक पोर्न अभिनेत्री भी शामिल है। पोर्न अभिनेत्री ने कहा है कि उनके ट्रंप के साथ यौन संबंध थे। अभियोजन ने इसके अलावा उस वकील के बारे में भी बताया जिसने इस बारे में चुप रहने के लिए पोर्न स्टार को धन दिया था।

सिंगापुर में भारतीय मूल के व्यक्ति को 20 साल की सजा

सिंगापुर,एजेंसी। भारतीय मूल के एक विवाहित व्यक्ति को गैर इरादतन हत्या का दोषी ठहराने के बाद सोमवार को 20 साल की सजा सुनायी गई। व्यक्ति ने अपनी प्रेमिका को अन्य पुरुषों के साथ संबंध होने को लेकर गुस्से में आकर धक्का दे दिया था जिससे चोट लगने से उसकी मौत हो गई थी। एम कृष्णन ने मल्लिका बेगम राहतांसा अब्दुल रहमान (40) की अन्य पुरुषों के साथ संबंध होने को लेकर गुस्से में आकर उसकी पिटायी की थी। मल्लिका की 17 जनवरी 2019 को मृत्यु हो गई थी। 'टुडे' अखबार की खबर के अनुसार 40 वर्षीय कृष्णन ने पिछले सप्ताह उच्च न्यायालय में अपना दोष स्वीकार कर लिया। न्यायाधीश वैलेरी थीन ने कहा कि कृष्णन ने 2018 में (पुलिस अधिकारियों के साथ दुर्व्यवहार के एक अन्य अपराध मामले के बाद) वादा किया था कि वह सुधर जाएगा, लेकिन उसने अपनी पत्नी और प्रेमिका के साथ दुर्व्यवहार जारी रखा। कृष्णन की पत्नी ने नवंबर

2015 में उसे और उसकी प्रेमिका को कमरे में एक साथ देखा था और दोनों शराब पी रहे थे, लेकिन उसने उस समय इस आशंका से कृष्णन से माफी मांग ली कि कहीं वह गुस्से में आकर उस पर शराब की बोतल ना फेंक दे। मल्लिका की मौत से पहले तक कृष्णन और मल्लिका रिश्ते में रहे। अदालत के दस्तावेजों में बताया गया है की कृष्णन ने 2017 में मल्लिका की एक छोटी सी बात पर पिटायी की थी। टुडे की खबर के अनुसार, मल्लिका द्वारा कई पुरुषों के साथ यौन संबंध होने की बात स्वीकार किये जाने के बाद दोनों के संबंध खराब होने लगे। 15 जनवरी, 2019 को मल्लिका और कृष्णनन जब घर में शराब पी रहे थे तो उसी दौरान मल्लिका ने अन्य पुरुषों के साथ यौन संबंध होने और उसे धोखा देने की बात कबूल की, जिससे नाराज होकर कृष्णनन ने अपनी प्रेमिका की पिटायी की और उसे धक्का दे दिया जिससे उसका सिर अलमारी से टकराया और उसकी मौत हो गई।

एक नजर

हमें गेंद और बल्ले दोनों से थोड़ा सुधार करने की जरूरत- वार्नर

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली कैपिटल्स के सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर को यह स्वीकार करने में कोई हिचकिचाहट नहीं है कि टीम के पास मौजूदा आईपीएल में प्ले ऑफ की दौड़ में बने रहने के लिए अपने बाकी बचे सभी मैच जीतने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है। अपने आठ में से पांच मैच हारने के बाद दिल्ली की नजरें बुधवार को यहां गुजरात टाइटंस के खिलाफ जीत दर्ज करने पर टिकी होंगी। वार्नर ने मंगलवार को संवाददाताओं से कहा, टीम की खातिर हमें जहां होना चाहिए हम वहां नहीं हैं। हम कुछ और मैच जीतना पसंद करते। लेकिन फाइनल में चुनौती पेश करने के लिए बेशक हमें बाकी बचे मैच जीतने होंगे। उन्होंने कहा, इसलिए हमारे लिए यह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के बारे में है। उम्मीद है कि हम प्रत्येक मैच वैसे ही खेल सकेंगे जैसे हम गुजरात के खिलाफ खेले थे। ऑस्ट्रेलिया के इस अनुभवी बल्लेबाज ने कहा, हमें बल्ले और गेंद दोनों से थोड़ा सुधार करना होगा। अगर हम कुल स्कोर को कम रखने में सफल रहे तो यह बहुत अच्छा होगा। और फिर अगर हम पहले बल्लेबाजी करते हैं तो कोशिश करें कि बड़ा स्कोर बनाएं और इसका बचाव करें। वार्नर ने कहा कि दिल्ली के पास खतरनाक गेंदबाजी आक्रमण है जिसने पहले चरण के मैच में गुजरात टाइटंस को 89 रन पर आउट कर दिया था। उन्होंने कहा, लोग जिस तरह से ट्रेनिंग और तैयारी कर रहे हैं उसमें कोई गलती नहीं है। मैचों में कभी-कभी ऐसा होता है कि आप चीजों को लागू नहीं कर पाते और हम जानते हैं कि जब हम शुरुआत में विकेट चटकाते हैं तो हमारा गेंदबाजी आक्रमण बहुत खतरनाक हो जाता है। वार्नर से जब मौजूदा सत्र में प्रभावित करने वाले दो युवा खिलाड़ियों के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, जेक (जेक फ्रेजर-मैकगर्क) बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। हम जानते हैं कि उनके पास हमेशा से प्रतिभा थी। अभिषेक पोरेल भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहा है।

महिला वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर श्रीलंकाई कप्तान अथापथु

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे वनडे में नाबाद 195 रन की पारी के बाद श्रीलंका की कप्तान चमारी अथापथु मंगलवार को जारी नई आईसीसी महिला वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर लौट आई। अथापथु का ये नौवां वनडे शतक था जो महिला वनडे मैचों में सफल लक्ष्य का पीछा करते हुए सर्वोच्च स्कोर है। वो इंग्लैंड की हरफनमौला खिलाड़ी नताली साइवर-ब्रंट को पछाड़कर शीर्ष स्थान पर पहुंच गईं। आईसीसी की रिपोर्ट के अनुसार, बाएं हाथ की यह खिलाड़ी इससे पहले 3 से 12 जुलाई, 2023 तक बेथ मूनी और फिर साइवर-ब्रंट को पछाड़कर नंबर एक स्थान हासिल किया था। श्रीलंकाई खिलाड़ी ने ऑलराउंडर रैंकिंग में भी दो स्थान की छलांग लगाकर नौवें स्थान के साथ शीर्ष 10 में प्रवेश किया। दक्षिण अफ्रीका की लॉरा वोल्वार्ड्ट नाबाद 184 रन बनाकर दो पायदान ऊपर तीसरे स्थान पर पहुंच गईं, जिससे उनकी टीम ने तीसरे वनडे में पांच विकेट पर 301 रन का विशाल स्कोर बनाया। वेस्टइंडीज की कप्तान हेले मैथ्यूज पाकिस्तान में नाबाद 140 और 44 रन की पारियों के बाद बल्लेबाजी रैंकिंग में सात स्थान की छलांग लगाकर संयुक्त 11वें स्थान पर पहुंच गईं। वह वनडे ऑलराउंडर रैंकिंग में भी तीन स्थान की छलांग लगाकर दक्षिण अफ्रीका की मारिजैन कैप के बाद दूसरे स्थान पर पहुंच गईं।

आशी, स्वप्निल ने थ्रीपी ट्रायल में शीर्ष स्थान हासिल किया, दोहा में ट्रैप निशानेबाज लड़खड़ाए

नई दिल्ली,एजेंसी। आशी चौकसी और स्वप्निल कुसाले मंगलवार को यहां राइफल/पिस्टल के लिए ओलंपिक चयन ट्रायल (ओएसटी) के क्वालीफिकेशन में क्रमशः महिलाओं और पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन स्पर्धा में पहले स्थान पर रहे। आशी ने महिलाओं की थ्रीपी ओएसटी में विश्व स्तरीय 590 का स्कोर बनाया और विश्व रिकॉर्ड धारक सिफ्ट कौर समरा (583) को दूसरे स्थान पर धकेल दिया। तोक्यो ओलंपियन अंजुम मोदगिल 581 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहीं, जबकि पेरिस कोटा धारक श्रीयंका सदांगी 575 अंकों के साथ चौथे स्थान पर रहीं। निश्चल ने भी श्रीयंका के बराकर स्कोर किया लेकिन कम %इनर 10% के स्कोर से पीछे रह गईं। पुरुषों के थ्रीपी वर्ग में कड़ा मुकाबला देखने को मिला जहां स्वप्निल ने पहले %नीलिंग और प्रोन पोजीशन% में 199 के दो शानदार स्कोर के साथ दूसरों को पीछे छोड़ा। उन्होंने कुल 592 अंक बनाये। सेना के अनुभवी चैन सिंह 591 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहे, जबकि अखिल श्योराण प्रोन में 200 अंक के बावजूद 589 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहे। नीरज कुमार और ऐश्वर्य तोमर क्रमश 579 और 576 के स्कोर के साथ आखिरी दो स्थानों पर रहे। इस बीच दोहा में खेली जा रही ओलंपिक क्वालीफाइंग चैंपियनशिप से भारत के ट्रैप निशानेबाज मंगलवार को दौड़ से बाहर हो गए। पुरुषों के ट्रैप में पृथ्वीराज टोंडिमान 119 अंक के साथ 23वें स्थान पर रहे। विवान कपूर 56वें (116 अंक) और जोरावर सिंह संधू निराशाजनक 82वें (114 अंक) स्थान पर रहे। महिलाओं की ट्रैप प्रतियोगिता में मनीषा कीर 111 अंकों के साथ 37वें स्थान पर सर्वश्रेष्ठ भारतीय थीं, जबकि नीरू 55वें (107 अंक) और श्रेयसी सिंह 56वें (106 अंक) पायदान पर रही।

लखनऊ सुपर जायंट्स ने चेन्नई सुपर किंग्स को छह विकेट से हराया

चेन्नई,एजेंसी। मार्कस स्टॉयनिस नाबाद (124) और निकोलस पूरन (34) रनों की शानदार पारियों की मदद से लखनऊ सुपर जायंट्स ने मंगलवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 39वें मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स को छह विकेट से हरा दिया है। 211 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी लखनऊ सुपर जायंट्स की शुरुआत खराब रही और उसने सलामी बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक (शून्य) को विकेट गवां दिया। उन्हें दीपक चाहर ने बोल्ड आउट किया। उसके बाद कप्तान के एल राहुल 14 गेंदों में (16) रन बनाकर पवेलियन लौट गये। देवदत्त पड़िक्कल (13) रन बनाकर आउट हुये। मार्कस स्टॉयनिस और निकोलस पूरन ने पारी को संभाला और दोनों बल्लेबाजों के बीच 70 रनों की साझेदारी हुई। निकोलस 15 गेंदों में तीन चौके और दो छक्के लगाते हुए (34) रन बनाये। मार्कस स्टॉयनिस ने 63 गेंदों में 13 चौके और छह छक्कों की मदद से नाबाद (124) रनों की पारी खेली। दीपक हुड्डा छह गेंदों में 17 रन बनाकर नाबाद रहे। लखनऊ ने 19.3 ओवर में चार विकेट पर 213 रन बनाकर कर मुकाबला छह विकेट से जीत लिया। चेन्नई की ओर से मथीशा पथिराना को दो विकेट मिले। दीपक चाहर और मुस्तफिजुर रहमान ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले ऋतुराज गायकवाड़ नाबाद (108) की शतकीय और शिवम दुबे (66) रनों की अर्धशतकीय आतिशी पारियों के दम पर चेन्नई सुपर किंग्स ने लखनऊ सुपर जायंट्स को जीत के लिए 211 रनों का लक्ष्य दिया था। आज यहां एम ए चिदंबरम स?टेडियम में लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान के एल राहुल ने टॉस जीतकर पहले

गेंदबाजी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी चेन्नई की शुरुआत खराब रही और उसने पहले ही ओवर में सलामी बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे (1) का विकेट गवां दिया। उसके बाद डैरिल मिचेल ने ऋतुराज के साथ पारी संभालने का प्रयास किया। दोनों बल्लेबाजों ने दूसरे विकेट के लिये 45 रन जोड़े। छठें ओवर में यश ठाकुर ने हुड्डा के हाथों कैच आउट कराकर मिचेल (11) को पवेलियन भेज दिया। 12वें ओवर में रवींद्र जडेजा (16) रन बनाकर आउट हुये। हालांकि दूसरे छोर से ऋतुराज लगातार रन बनाते रहे। उन्होंने 60 गेंदों में 12 चौके और तीन छक्के लगाते हुए नाबाद (108) रनों की पारी खेली। शिवम दुबे ने ऋतुराज चौथे विकेट लिये 104 रनों की साझेदारी की। वह 20वें ओवर की चौथी गेंद पर रनआउट हुये। उन्होंने 27 गेंदों में तीन चौके और सात छक्के लगाते हुये (66) रन बनाये। महेन्द्र सिंह धोनी ने मैच की आखिरी गेंद पर चौका लगाकर टीम का स्कोर चार विकेट पर 210 रन पहुंचा दिया। लखनऊ सुपर जायंट्स की ओर से मैट हेनरी, मोहसिन खान और यश ठाकुर ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

टाइटंस के खिलाफ दिल्ली को गेंदबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद, पंत की कप्तानी पर भी रहेंगी नजरें

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली कैपिटल्स की टीम इंडियन प्रीमियर लीग में बुधवार को यहां गुजरात टाइटंस के खिलाफ उतरेगी तो उसे अपने गेंदबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी जबकि ऋषभ पंत की कप्तानी पर भी नजरें रहेंगी। पंत के लिए घरेलू मैदान पर वापसी उम्मीद के मुताबिक नहीं रही और दिल्ली को लगातार दो जीत दर्ज करने के बाद शनिवार को घरेलू मैदान पर सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 67 रन की बड़ी हार का सामना करना पड़ा।

इस हार से दिल्ली की टीम आठ मैच में तीन जीत और पांच हार से छह अंक के साथ आठवें स्थान पर खिसक गई है। टीम अच्छी तरह से जानती है कि अगर उसे प्ले ऑफ के लिए क्वालीफाई करने की उम्मीदों को जीवंत रखना है तो जीत की राह पर लौटना होगा। सनराइजर्स के खिलाफ पंत के फैसलों पर कई बार सवाल उठे। टॉस के समय वह अरूण जेटली स्टेडियम में ओस के पहलू को सही तरह से नहीं भांप पाए और उन्होंने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। पंत का पारी का दूसरा ओवर ललित यादव को सौंपने का फैसला और भी विवादास्पद रहा और सनराइजर्स ने तूफानी शुरुआत करते हुए पावर प्ले में बिना विकेट खोए 125 रन बनाए। पंत बल्लेबाजी के दौरान जूझते नजर आए और लक्ष्य का पीछा करते हुए 35 गेंद में सिर्फ 44 रन बना पाए। सनराइजर्स के 267 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए सलामी बल्लेबाजों से तूफानी शुरुआत की अपेक्षा थी लेकिन पृथ्वी साव और डेविड वार्नर ने निराश किया। युवा जेक फ्रेजर-मैकगर्क ने सिर्फ 18 गेंद में 65 रन बनाए लेकिन उन्हें दूसरे छोर से पर्याप्त समर्थन नहीं मिला। अभिषेक पोरेल ने भी 22 गेंद में 42 रन की पारी खेली लेकिन यह नाकाफी था। सनराइजर्स ने दिल्ली के गेंदबाजों के खिलाफ आसानी से रन बटोरे। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज खलील अहमद की कोटला की छोटी बाउंड्री के बीच शॉर्ट पिच गेंदबाजी करने की रणनीति गलत साबित हुई। तेज गेंदबाजी आक्रमण के अगुआ एनरिक नोर्किया मौजूदा सत्र में बिलकुल भी लय में नजर नहीं आ रहे और टीम को पीठ में जकड़न के कारण अनुभवी इशांत शर्मा के पिछले मैच से बाहर रहने के बाद उनके वापसी करने की उम्मीद होगी। कुलदीप यादव मौजूदा सत्र में 7.60 की इकोनॉमी रेट से पांच मैच में 10 विकेट चटकाकर दिल्ली के सबसे सफल गेंदबाज रहे हैं लेकिन सनराइजर्स के खिलाफ वह भी काफी महंगे साबित हुए।

उन्होंने दिल्ली के गेंदबाजों के बीच सर्वाधिक आठ खाली गेंद डाली लेकिन सर्वाधिक सात छक्के भी खाए। नए कप्तान शुभमन गिल के नेतृत्व में टाइटंस के प्रदर्शन में भी निरंतरता की कमी दिखी है लेकिन पंजाब किंग्स के खिलाफ पिछले मैच में तीन विकेट की जीत की बदौलत यह पूर्व चैंपियन टीम आठ मैच में चार जीत और इतनी ही हार से आठ अंक के साथ छठे स्थान पर है। टाइटंस की नजरें भी जीत की लय को बरकार रखते हुए प्ले ऑफ का दावा मजबूत करने पर टिकी होंगी। टीम को बल्लेबाजी में गिल के अलावा साई सुदर्शन, डेविड मिलर और अजमतुल्लाह उमरजई से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी जबकि राहुल तेवतिया को फिनिशर की भूमिका निभानी होगी। गेंदबाजी विभाग में दारोमदार अनुभवी मोहित शर्मा, नूर अहमद और राशिद खान पर होगा।

मुंबई के खिलाफ जायसवाल ने परिपक्वता से बल्लेबाजी की: लारा

नई दिल्ली। यशस्वी जायसवाल की परिपक्वता से प्रभावित वेस्टइंडीज के महान क्रिकेटर ब्रायन लारा ने कहा कि मुंबई इंडियंस के खिलाफ इस युवा खिलाड़ी की पारी प्रभावशाली थी क्योंकि उन्होंने शॉट खेलने के लिए समय भी लिया और उच्च स्ट्राइक रेट बनाए रखकर अच्छा संतुलन बनाया। जायसवाल ने फॉर्म में वापसी करते हुए मौजूदा आईपीएल का अपना पहला शतक जड़ा जिससे राजस्थान रॉयल्स ने सोमवार को यहां मुंबई इंडियन्स को नौ विकेट से हरा दिया।

लारा ने स्टार स्पोर्ट्स क्रिकेट लाइव पर कहा, हां, खूबसूरत। लेकिन सच तो यह है कि वह अपना समय ले रहा है, गेंद के पीछे आकर खेल रहा है और वह उचित क्रिकेट शॉट खेल रहा है। उसके पास सभी चीजें हैं, उसे इसके बारे में चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। जायसवाल ने केवल 60 गेंद में नौ चौकों और सात छक्कों की मदद से नाबाद 104 रन बनाए जिसमें उन्होंने लेग साइड पर कई ताकतवर शॉट खेलने के अलावा आकर्षक कवर ड्राइव भी लगाए। लारा ने कहा, जब आप गेंदबाजों पर हावी हो जाते हैं, यशस्वी के बारे में मुझे यही पसंद है। यह अच्छा समायोजन था, शानदार क्रिकेट शॉट, उन्होंने पूरी पारी का अच्छी तरह प्रबंधन किया। उन्होंने कहा, उसने बहुत जिम्मेदारी, काफी परिपक्वता दिखाई है और मैं उसकी वापसी से बेहद खुश हूं। तेज गेंदबाज संदीप शर्मा ने रॉयल्स के लिए गेंदबाजी में कमाल दिखाया। उन्होंने करियर की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी करते हुए 18 रन देकर पांच विकेट चटकाए। उन्होंने कहा, बहुत, बहुत बड़ा प्रभाव और इस तथ्य का भी उल्लेख करना जरूरी है कि कुछ साल पहले उसे किसी टीम ने नहीं खरीदा था और वह एक वैकल्पिक खिलाड़ी के रूप में आया था। वह मैदान पर प्रत्येक लम्हें का लुत्फ उठा रहा है। संदीप दो साल पहले नीलामी में नहीं बिके थे। रॉयल्स ने उन्हें प्रसिद्ध कृष्णा के विकल्प के रूप में अपने साथ जोड़ा था और यह 30 वर्षीय खिलाड़ी इस भरोसे पर खरा उतर रहा है।

डेथ ओवरों में योजनाओं को लागू करना और अच्छी गेंदें फेंकना महत्वपूर्ण: संदीप शर्मा

जयपुर,एजेंसी। राजस्थान रॉयल्स के तेज गेंदबाज संदीप शर्मा ने आईपीएल के मौजूदा सत्र में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन करने के बाद जोर देते हुए कहा कि डेथ ओवरों (अंतिम ओवरों) में गेंदबाजी करते समय आपको अपनी योजनाओं को लागू करने का प्रयास करते समय बड़ा दिल रखना होगा। चोट के कारण तीन सप्ताह के ब्रेक के बाद वापसी करते हुए 30 साल के संदीप ने सोमवार को मुंबई इंडियन्स के खिलाफ 18 रन देकर पांच विकेट चटकाए।

संदीप ने मुंबई के खिलाफ रॉयल्स की नौ विकेट की जीत के बाद कहा, %%इस साल के आईपीएल में बल्लेबाज बड़े स्कोर बना रहे हैं। इंपेक्ट प्लेयर नियम के कारण एक अतिरिक्त बल्लेबाज है इसलिए मैच में काफी रन बन रहे हैं। आपको डेथ ओवरों में गेंदबाजी करते समय बड़ा दिल रखना होगा और अपनी योजनाओं को लागू करने का प्रयास करते हुए अच्छी गेंदें फेंकनी होंगी। आईपीएल में नई गेंद से शुरुआत करने वाले संदीप ने मौजूदा सत्र में रॉयल्स के लिए अब तक खेले तीन मैच में डेथ ओवरों में गेंदबाजी की है। उन्होंने कहा, आज भी अगर आप मुझसे पूछें कि मैं कहां सहज महसूस करता हूं, मैं कहूंगा कि यह नई गेंद के साथ है। पुरानी गेंद के साथ आपको एक गेंदबाज के रूप में अनुकूलित और विकसित होना होगा। संदीप मांसपेशियों में खिंचाव के बाद एकादश में लौट आए हैं जिसके कारण उन्हें करीब एक महीने तक बाहर रहना पड़ा। मुंबई के खिलाफ संदीप ने सूर्यकुमार यादव, तिलक

वर्मा, टिम डेविड, इशान किशन और गेराल्ड कोएट्जी को आउट किया। संदीप ने अंतिम ओवर में तीन विकेट चटकाए जिससे वर्मा और निहाल वढेरा के बीच 99 रन की साझेदारी के बावजूद मुंबई इंडियंस की टीम 179 रन ही बना सकी। मुंबई इंडियंस को सत्र की पांचवीं हार का सामना करना पड़ा लेकिन युवा बल्लेबाज वढेरा पांच बार की चैंपियन टीम के प्ले ऑफ में जगह बनाने को लेकर आशांवित हैं। वढेरा ने मैच के बाद कहा, मुंबई इंडियन्स को यहां से अपने सभी मैच जीतने की जरूरत है और हमें अपनी कमर कसने की जरूरत है। हमें अपने खेल को ऊपर उठाने की जरूरत है और यह पता लगाना होगा कि हम कहां गलती कर रहे हैं या क्या चीजें सही कर रहे हैं जिससे कि जब भी मैदान पर उतरें तो अपनी गलतियों को सुधार सकें। मुंबई के लिए 24 गेंद में 49 रन की शानदार पारी खेलने वाले 23 वर्षीय वढेरा ने कहा कि उनकी टीम के लिए निचले हॉफ में होना कोई नई बात नहीं है और टीम अतीत में भी वापसी करती रही है। उन्होंने कहा, हम पूर्व के सत्रों में भी ऐसी स्थिति में रहे हैं और आप जानते हैं कि हमने वहां से अपने खेल में सुधार किया और क्वालीफाई किया। वढेरा ने कहा, तो हम अब भी आशावान हैं। हम जिस प्रक्रिया का पालन कर रहे हैं उसे जारी रखेंगे और टीम के लिए मैच जीतेंगे। हम एक टीम के रूप में जीतते हैं और हम एक टीम के रूप में हारते हैं।

हसरंगा को खरीदने का मतलब था कि चहल को नहीं खरीद सकते: हेसन

नई दिल्ली,एजेंसी। युजवेंद्र चहल को टीम में नहीं रखने का रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर को लंबे समय तक अफसोस रहेगा और फ्रेंचाइजी के पूर्व क्रिकेट निदेशक माइक हेसन ने मंगलवार को जोर देकर कहा कि आईपीएल की पिछली नीलामी में गलत आकलन के कारण वे इस लेग स्पिनर को अपने साथ बरकरार रखने में विफल रहे।

सोमवार को चहल ने आईपीएल में 200 विकेट लेने वाला पहला गेंदबाज बनकर इतिहास रच दिया। हेसन ने जियो सिनेमा पर पूर्व भारतीय बल्लेबाज रोबिन उथप्पा से बात करते हुए कहा, %%युजी (चहल) एक ऐसा खिलाड़ी है जिसे लेकर मैं तब तक निराश रहूंगा जब तक कि मैं अपना करियर खत्म नहीं कर लेता और शायद उसके बाद भी। वह एक उत्कृष्ट गेंदबाज है। मुझे लगता है कि जब हर चक्र की बात आती है तो आपको यह तय करना होता है कि आप किसे रिटेन (अपने साथ जोड़े रखना) करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, अगर आप केवल तीन खिलाड़ियों को रिटेन करते हैं तो आप नीलामी में चार करोड़ रुपये अतिरिक्त लेकर जाते हैं। इससे संभावित रूप से हमें हर्षल (पटेल) और युजी दोनों को खरीदने का मौका मिलता। हेसन ने कहा कि चहल का नाम नीलामी में काफी देर से आया और तब तक फ्रेंचाइजी ने पहले ही श्रीलंकाई स्पिनर वानिंदु हसरंगा को खरीद लिया था। उन्होंने कहा, जब नीलामी का क्रम आया और युजवेंद्र चहल 65वें नंबर पर था। युजी के बाद कोई और स्पिनर नहीं था जिसमें हमारी दिलचस्पी थी। हेसन ने कहा, अगर हमें युजी नहीं मिलता तो हम स्पष्ट रूप से एक अन्य विकल्प के रूप में हसरंगा में रुचि रखते थे। इसलिए हमने उसके लिए बोली लगाई और फिर एक बार जब हमें हसरंगा मिल गया तो इसका मतलब था कि हम युजी के लिए नहीं जा सकते। चहल ने आईपीएल में 153 मैचों में 21.60 की औसत से 200 विकेट लिए हैं जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 40 रन पर पांच विकेट है। वह सोमवार को जयपुर में मुंबई इंडियंस के खिलाफ मैच के दौरान इस मुकाम पर पहुंचे।

इम्पैक्ट प्लेयर नियम से खुश नहीं हैं खिलाड़ी

नई दिल्ली,एजेंसी। रोहित शर्मा ने कहा है कि वो इम्पैक्ट प्लेयर नियम के प्रशंसक नहीं हैं। अब इम्पैक्ट प्लेयर नियम से नाखुश खिलाड़ियों की लिस्ट में दिल्ली कैपिटल्स के अक्षर पटेल और मुकेश कुमार का नाम भी जुड़ गया है। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में सफल परीक्षण के बाद इम्पैक्ट प्लेयर रूलिंग को आईपीएल 2023 में पेश किया गया था। इम्पैक्ट प्लेयर नियम के अनुसार, टॉस के बाद, प्रत्येक टीम को अपने प्लेइंग-11 के अलावा अधिकतम पांच स्थानापन्न खिलाड़ियों का नाम देने की अनुमति है।

खेल के दौरान किसी भी समय, उनमें से एक - जिसे इम्पैक्ट प्लेयर कहा जाता है, प्लेइंग-11 के किसी सदस्य की जगह ले सकता है। इम्पैक्ट प्लेयर नियम एक आईपीएल मैच को प्रत्येक टीम के लिए 12-खिलाड़ियों की प्रतियोगिता बनाता है, जबकि एक ऑलराउंडर की आवश्यकता को कम करता है। अक्षर ने कहा, मैं इम्पैक्ट प्लेयर नियम का प्रशंसक नहीं हूं, क्योंकि एक ऑलराउंडर के रूप में मुझे पता है कि नियम का उपयोग एक उचित बल्लेबाज या गेंदबाज के लिए किया जाएगा, लेकिन एक ऑलराउंडर के लिए नहीं। हमने इस बारे में कोर ग्रुप से बात की है। दिल्ली कैपिटल्स ने भी युवा बल्लेबाजों को इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर इस्तेमाल किया है। इससे अक्षर पटेल बल्लेबाजी क्रम में नीचे जा जा रहे हैं। इससे उनकी बैटिंग पर असर पड़ रहा

है। तेज गेंदबाज मुकेश ने भी इस नियम पर विचार व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि अगर 12 खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नहीं खेल रहे हैं, तो आईपीएल में इसकी क्या ज़रूरत है। वहीं अनुभवी बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर का मानना है कि इम्पैक्ट प्लेयर नियम हरफनमौला खिलाड़ियों को टी20 क्रिकेट से बाहर कर रहा है। हालांकि, डीसी के क्रिकेट निदेशक सौरव गांगुली ने कहा कि अच्छे ऑलराउंडर अभी भी आईपीएल 2024 में विभिन्न टीमों की प्लेइंग-11 में मौजूद हैं। हार्दिक पांड्या और राशिद खान जैसे ऑलराउंडर इसका सबूत हैं। यह बात काफी हैरान करने वाली है कि जिस नियम को क्रिकेट को रोचक बनाने के लि?ए लाया गया था, अब वो खिलाड़ियो के लिए %बोझ% बन गया है। क्रिकेट के कई दिग्गजों को यह नियम पसंद नहीं आया।

एक नजर

समुद्री चुनौतियों से निपटने के लिए सहयोग बढ़ायेंगे भारत और ओमान

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत और ओमान ने समुद्री चुनौतियों से निपटने के लिए एक दूसरे के साथ सहयोग बढ़ाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की है इससे क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा ढांचे को मजबूत करने में मदद मिलेगी। भारतीय तटरक्षक (आईसीजी) और रॉयल ओमान पुलिस तटरक्षक (आरओपीसीजी) के बीच मंगलवार को यहां पांचवीं वार्षिक उच्च-स्तरीय बैठक में यह सहमति बनी। इस बैठक को समुद्री क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय अवैध गतिविधियों से निपटने और क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ावा देने के प्रयासों में मील का पत्थर माना जा रहा है। रॉयल ओमान पुलिस कोस्ट गार्ड के सहायक कमांडिंग अधिकारी कर्नल अब्दुल अजीज मोहम्मद अली अल जाबरी ने बैठक में अपने देश के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। यह उच्चस्तरीय चर्चा भारतीय तटरक्षक बल के महानिदेशक राकेश पाल की अध्यक्षता में हुई। बैठक में क्षमता निर्माण कार्यक्रम, तटरक्षक बलों के जहाजों की एक दूसरे के यहां यात्रा, सी राइडर कार्यक्रम के कार्यान्वयन, प्रदूषण रिपोर्टिंग केंद्रों और परस्पर सहयोग पर आधारित व्यवस्थाओं के बीच पेशेवर संबंध स्थापित करने के लिए द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। दोनों पक्षों ने समुद्री चुनौतियों से निपटने में आपसी सहयोग बढ़ाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की, जिससे क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा और सुरक्षा ढांचे को मजबूत किया जा सके। 'आत्मनिर्भर भारत' योजना के तहत ओमान के प्रतिनिधिमंडल को भारत की पोत निर्माण क्षमताओं से परिचित कराने के लिए गुरूवार को यहां रॉयल ओमान पुलिस तटरक्षक प्रतिनिधिमंडल और सोसाइटी ऑफ इंडियन डिफेंस मैन्युफैक्चरर (एसआईडीएम) के प्रतिनिधियों के बीच एक बैठक की भी योजना है।

निशुल्क सुविधाओं को हतोत्साहित किया जाना चाहिए: वेंकैया नायडू

नई दिल्ली। पूर्व उपराष्ट्रपति एवं वेंकैया नायडू ने कहा है कि दल बदल कानून को सख्त बनाया जाना चाहिए और निशुल्क सुविधाओं को हतोत्साहित किया जाना चाहिए। श्री नायडू ने मंगलवार को यहां एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सार्वजनिक जीवन में नैतिकता का महत्व घट रहा है ।यह चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक दलों को चुनावी वादों के दौरान निशुल्क सुविधा और वस्तुएं देने के वादों से बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब राजनीतिक दल निशुल्क सुविधा और वस्तु देने का वादा करें तो उन्हें उसे जुटाने के संसाधनों का ब्यौरा भी देना चाहिए। उन्होंने कहा,आम जनता को भी नेताओं से यह सवाल करने चाहिए कि इसके लिए संसाधन कहां से आएंगे ? यह कार्यक्रम श्री नायडू को पद विभूषण सम्मान से सम्मानित होने के उपलक्ष्य में किया आयोजित गया था। श्री नायडू ने राजनेताओं के एक दल से दूसरे दल में जाने पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि दल बदल विरोधी कानून को सख्त बनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह गलत राजनीतिक प्रथा है और इस पर अंकुश लगाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जो राजनेता अपने प्रतिद्वंदी के लिए गलत भाषा का प्रयोग करते हैं, जनता को उन्हें नकार देना चाहिए। पूर्व उपराष्ट्रपति ने युवाओं से राष्ट्र निर्माण में बढ़ चढ़कर योगदान करने की अपील की। उन्होंने कहा कि युवाओं को सार्वजनिक जीवन में सक्रियता से भाग लेना चाहिए।

समान नागरिकता कानून के लिए भाजपा को चाहिये 400 पार: केशव प्रसाद मौर्य

फर्रुखाबाद,एजेंसी। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि देश में समान नागरिकता कानून लाने के लिये भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को 400 पार चाहिए। श्री मौर्य ने मंगलवार को महाभारत कालीन गुरगायन देवी मंदिर के निकट भाजपा प्रत्याशी एवं सांसद मुकेश राजपूत की नामांकन सभा को संबोधित करते हुये कहा कि देश के जिन गरीबों को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ नहीं मिल पाया है। चार जून के बाद ऐसे तीन करोड़ लोगों को प्रधानमंत्री आवास मिलेंगे।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'एक देश एक चुनाव' की पहल की, इसके साथ ही सबके लिए ,एक कानून हो, समान नागरिकता लाने के लिए 400 पार चाहिये। कश्मीर से धारा 370 हटाए जाने की प्रशंसा करते हुए श्री मौर्य ने कहा कि पाक के कब्जे वाला कश्मीर भारत का अखंड हिस्सा है और हमारी सरकार जब तक वहां तिरंगा नहीं फहरा लेती, तब तक हम चैन से नहीं बैठेंगे। भारत पर आज दुनिया की नजर है, क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दुनिया के सबसे शक्तिशाली नेता हैं इसीलिए भारत का दुनिया में डंका बज रहा है।, कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि यह वही भारत है जो कांग्रेस के नेतृत्व में एक कदम भी आगे नहीं बढ़ सका, 10 साल मोदी के नेतृत्व में देश हर क्षेत्र में आगे बढा हैं, । मोदी की गारंटी के प्रति विश्वास व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था पांचवें स्थान से, तीसरी बार मोदी के प्रधान मंत्री बनते ही,तीसरे स्थान पर अर्थव्यवस्था होगी। उपमुख्यमंत्री ने कहां कि आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सारे भ्रष्टाचारी नाराज हो गए, भ्रष्टाचार मुक्त भारत बनाने के लिए यह कदम उठाया गया। उन्होंने कहा यदि आप सबने मोदी को प्रधानमंत्री नहीं बनाया होता तो पात्र 52 करोड़ देशवासियों को जन धन योजना खातों का लाभ नहीं मिल सकता था, इन खातों के खुलने से दलाली बंद हो गई उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि 34 लाख करोड़ मे से 5 लाख करोड़ ही जनता के पास पहुंचता और 29 लाख करोड़ सपा बसपा कांग्रेस डकार जातीऔर किसी को पता भी नहीं चलता और कोई जांच भी नहीं होती। श्री मौर्य ने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदेश एवं देश में 2047 तक भाजपा सरकार रहेगी। लोकसभा चुनाव 2024 को महाभारत युद्ध की संज्ञा देते हुए उन्होंने कहा एक तरफ 20 फीसदी तो दूसरी तरफ 80 प्रतिशत लोग हैं और इस 100 प्रतिशत में 80 फीसदी हमारा बकिया और 20 फीसदी में बटवारा, उसमें भी हमारा है।

डेटा खपत में रिलायंस जियो दुनिया में नंबर एक ऑपरेटर

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय दूरसंचार क्षेत्र में अपनी धाक जमाने के बाद रिलायंस जियो ने डेटा खपत के मामले में भी एक नया वैश्विक रिकॉर्ड कायम किया है, डेटा ट्रैफिक के मामले में वह नंबर एक सेवा प्रदाता बन गयी है। टेलीकॉम कंपनियों के डेटा ट्रैफिक, ग्राहक आधार पर नजर रखने वाली फर्म टीएफिशियंट की रिपोर्ट के अनुसार पिछली तिमाही में रिलायंस जियो के नेटवर्क पर कुल डेटा ट्रैफिक 40.9 एक्साबाइट रहा। डेटा खपत का यह स्तर तय करते हुए इस भारतीय दूसरसंचार सेवा ऑपरेटर ने चाइना मोबाइल को पहले स्थान से विस्थापित कर दिया है। चीन की कंपनी अब दूसरे पायदान पर खिसक गयी है। चाइना मोबाइल के नेटवर्क पर आलोच्य अवधि में डेटा खपत 40 एक्साबाइट से भी कम रही। चीन की एक और कंपनी चाइना टेलीकॉम डेटा खपत के मामले में तीसरे नंबर पर, तो भारत की एयरटेल चौथे नंबर पर रही। रिलायस जियो के एक अधिकारी ने कहा, 5जी सेवाओं के शुरु होने के बाद, रिलायंस जियो के डेटा खपत में पिछले वर्ष के मुकाबले 35.2 फीसदी का उछाल देखने को मिला। इस उछाल की मुख्य वजह है जियो का ट्रू

5जी नेटवर्क और जियो एयर फाइबर का विस्तार। रिलायंस जियो के तिमाही नतीजों के मुताबिक जियो ट्रू 5जी नेटवर्क पर 10 करोड़ 80 लाख ग्राहक जुड़ चुके हैं और जियो के कुल डेटा ट्रैफिक का करीब 28 फीसदी हिस्सा अब 5जी नेटवर्क से आ रहा है। दूसरी तरफ जियो एयर फाइबर ने भी देश भर के 5,900 शहरों में अपनी सेवाएं शुरू कर दी हैं। सोमवार को जारी तिमाही नतीजों में कंपनी ने जो आंकड़े मुहैया कराए हैं उनके मुताबिक जियो नेटवर्क पर प्रति ग्राहक मासिक डेटा खपत बढ़कर 28.7 जीबी हो गई है, जो तीन साल पहले केवल 13.3 जीबी थी। गौरतलब है कि 2018 में भारत में एक तिमाही का कुल मोबाइल डेटा ट्रैफिक मात्र 4.5 एक्साबाइट था।

शेयर बाजार में लगातार तीसरे दिन तेजी

मुंबई,एजेंसी। विदेशी बाजार के सकारात्मक रुझान की बदौलत स्थानीय स्तर पर दूरसंचार, रियल्टी, टेक और यूटिलिटीज समेत सोलह समूहों में हुई लिवाली से आज शेयर बाजार में लगातार तीसरे दिन तेजी रही। बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 89.83 अंक चढ़कर 73,738.45 अंक पर पहुंच गया। साथ ही नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 31.60 अंक मजबूत होकर 22,368.00 अंक पर बंद हुआ। इसी तरह बीएसई का मिडकैप 0.52 प्रतिशत उछलकर 40,584.17 अंक और स्मॉलकैप 1.05 प्रतिशत की छलांग लगाकर 46,492.21 अंक पर रहा।

इस दौरान बीएसई में कुल 3934 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2338 में लिवाली जबकि 1475 में बिकवाली हुई वहीं 121 में कोई बदलाव नहीं हुआ। निफ्टी की 24 कंपनियां हरे जबकि 25 लाल निशान पर रही वहीं एक के भाव स्थिर रहे। बीएसई के 16 समूहों में तेजी रही। इससे दूरसंचार 4.27, रियल्टी 2.42, टेक 1.23, यूटिलिटीज 0.95, कमोडिटीज 0.52, सीडी 0.77, एएफएमसीजी 0.80, वित्तीय सेवाएं 0.16, इंडस्ट्रियल्स 0.55, आईटी 0.42, ऑटो 0.48, बैंकिंग 0.18, कैपिटल गुड्स 0.16, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 0.82, पावर 0.56 और सर्विसेज समूह के शेयर 0.20 प्रतिशत मजबूत रहे। विश्व बाजार का रुझान सकारात्मक रहा। इस दौरान ब्रिटेन का एफटीएसई 0.35, जर्मनी का डैक्स 0.81, जापान का निक्केई 0.30, हांगकांग का हैंगसेंग 1.92 प्रतिशत चढ़ गया जबकि चीन के शंघाई कंपोजिट में 0.74 प्रतिशत की गिरावट रही। कारोबार की शुरूआत में सेंसेक्स 400 अंक की तूफानी तेजी के साथ 74,048.94 अंक पर खुला और लिवाली होने से थोड़ी देर बाद 74,059.89 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। वहीं, बिकवाली के दबाव में कारोबार के अंतिम चरण में यह 73,688.31 अंक के निचले स्तर तक लुढ़क गया। उतार-चढ़ाव से गुजरता हुआ अंत में यह पिछले दिवस के 73,648.62 अंक के मुकाबले 0.12 प्रतिशत बढ़कर 73,738.45 अंक पर रहा। इसी तरह निफ्टी 111 अंक उछलकर 22,447.05 अंक पर खुला और सत्र के दौरान 22,447.55 अंक के उच्चतम जबकि 22,349.45 अंक के निचले स्तर पर रहा। अंत में पिछले सत्र के 22,336.40 अंक की तुलना में 0.14 प्रतिशत बढ़कर 22,368.00 अंक हो गया। इस दौरान सेंसेक्स की मुनाफा कमाने वाली प्रमुख कंपनियों में भारती एयरटेल 3.38, नेस्ले इंडिया 1.77, मारुति 1.53, एचसीएल टेक 1.42, टाटा मोटर्स 1.34, एशियन पेंट 1.14, एनटीपीसी 1.12, एसबीआई 1.03, हिंदुस्तान यूनिलीवर 0.90, इंफोसिस 0.64, पावरग्रिड 0.51, आईसीआईसीआई बैंक 0.29, टीसीएस 0.23 और विप्रो 0.01 प्रतिशत शामिल रही। वहीं, सन फार्मा 3.63, रिलायंस 1.42, महिंद्रा एंड महिंद्रा 1.00, टेक महिंद्रा 0.63, बजाज फाइनेंस 0.58, टाटा स्टील 0.46, जेएसडब्ल्यू स्टील 0.44, बजाज फिनसर्व 0.40, अल्ट्रासिमको 0.38, एचडीएफसी बैंक 0.34, इंडसइंड बैंक 0.18 और एलटी के शेयर 0.09 प्रतिशत गिर गए।

लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण में 95 सीटों पर 1,351 उम्मीदवार

नयी दिल्ली,एजेंसी। लोक सभा चुनाव के तीसरे चरण में 12 राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों की 95 सीटों पर एक हजार 351 उम्मीदवार मैदान में हैं। तीसरे चरण में इस सीटों पर मतदान सात मई को कराये जायेंगे। चुनाव आयोग ने मंगलवार को एक विज्ञप्ति में बताया कि तीसरे चरण के चुनाव के लिये नाम वापसी की प्रक्रिया सोमवार को समाप्त होने के बाद कुल 1,351 उम्मीदवार बचे हैं। आयोग ने कहा है कि इनमें मध्य प्रदेश की बैतूल (अजजा) क्षेत्र के आठ प्रत्याशी और गुजरात के सूरत निर्वाचन क्षेत्र में निर्विरोध निर्वाचित एक प्रत्याशी का नाम भी शामिल है।

गौरतलब है कि बैतूल निर्वाचन क्षेत्र की चुनाव प्रक्रिया द्वितीय चरण में संपन्न होनी थी। बैतूल में बहुजन समाज पार्टी के प्रत्याशी अशोक भलावी के निधन के कारण यहां चुनाव स्थगित कर दिया गया है। नाम वापस लेने के बाद गुजरात में 26 सीटों पर 266 प्रत्याशी, महाराष्ट्र में 11 सीटों पर 258, कर्नाटक में 14 सीटों पर 227, छत्तीसगढ़ में सात सीटों पर 168, मध्य प्रदेश में नौ सीटों पर 127, उत्तर प्रदेश में 10 सीटों पर 100, पश्चिम बंगाल में चार सीटों पर 57, बिहार में पांच सीटों पर 54, असम में चार सीटों पर 47, जम्मू-कश्मीर की एक सीट पर 20, गोवा की दो सीटों पर 16, दादर-नगर हवेली और दमन एवं दीव में दो सीटों पर 12 उम्मीदवार चुनावी मैदान में बचे हैं। बैतूल सहित 95 निर्वाचन क्षेत्रों के चुनाव के लिये कुल दो हजार 963 नामांकन पत्र दाखिल किए गए थे। इस चरण के लिये पर्चे दाखिल करने की अंतिम तिथि 19 अप्रैल थी और नामांकन पत्रों की जांच के बाद 1,563 पर्चे वैध पाये गये थे। तीसरे चरण के चुनाव में गुजरात में 26 संसदीय सीटों के लिये कुल 658 नामांकन पत्र मिले थे,

उसके बाद महाराष्ट्र की 11 सीटों से लिए 519, कर्नाटक में 14 सीटों के लिए 503, छत्तीसगढ़ की सात सीटों के लिये 319 और उत्तर प्रदेश की 10 सीटों के लिये 271 नामांकन पत्र आये थे। नामांकन पत्रों की जांच के बाद गुजरात में 328 प्रत्याशी, महाराष्ट्र में 317, कर्नाटक में 272, छत्तीसगढ़ में 187, मध्य प्रदेश में नौ सीटों पर 140, उत्तर प्रदेश में 104, पश्चिम बंगाल में चार सीटों पर 59, बिहार में पांच सीटों पर 54, असम में चार सीटों पर 52, जम्मू-कश्मीर की एक सीट पर 21, गोवा की दो सीटों पर 16, दादर-नगर हवेली और दमन एवं दीव में दो सीटों पर 13 प्रत्याशियों के पर्चे वैध पाये गये थे। लोक सभा की कुल 543 सीटों के लिये चुनाव सात चरणों में कराये जा रहे हैं। दूसरे चरण में 13 राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों की 88 सीटों के लिए मतदान 26 अप्रैल को होगा। दूसरे चरण में कुल 1210 प्रत्याशी मैदान में हैं, जिनमें केरल की 20 सीटों के लिए सर्वाधिक 500 अपना किस्मत आजमा रहे हैं। मतगणना चार जून को होगी।

भाजपा संविधान बदलने पर आमादा: शिवपाल

इटावा,एजेंसी। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह ने कहा कि देश गंभीर संकटों से घिरा हुआ है लेकिन भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) संविधान बदलने की फिराक में है। अपने निर्वाचन क्षेत्र जसवंत नगर के रामलीला मैदान में मैनपुरी संसदीय सीट की उम्मीदवार डिंपल यादव के समर्थन में एक कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुये उन्होने कहा मोदी राज में देश पर संकट दर संकट गहराता चला जा रहा है लेकिन इसके बावजूद भी भारतीय जनता पार्टी का हर नेता अपने संबोधन में संविधान बदलने की बात लगातार कह रहा है। भाजपाने 400 पार का नारा केवल इसीलिए दिया हुआ है ताकि आसानी से संविधान को बदला जा सके लेकिन वो यह बात नही जानते कि उनकी कलई अब खुल चुकी है और 400 पार तो दूर सत्ता में आना भी भाजपा के लिए मुश्किल हो जाएगा।

उन्होंने कहा कि देश पर यह संकट ऐसे ही नहीं आया है बल्कि इसके पीछे वाकई में अगर कोई जिम्मेदार है तो केंद्र में काबिज मोदी सरकार असल में देश पर आए संकट के लिए जिम्मेदार है। श्री यादव ने कहा कि भाजपा सरकार को गरीबों,किसानों और नौजवानों की कोई चिंता नहीं है, वह केवल अपना स्वार्थ देखने में जुटी हुई है। उन्होंने कहा कि वो नही जानते थे कि उन्हें बदायूँ से चुनाव लड़ना पड़ेगा लेकिन राष्ट्रीय अध्यक्ष ने उन्हें टिकट दे दिया लेकिन वहां के युवाओं की मांग पर आदित्य यादव को लड़ाना पड़ा है। भाजपा पूरी तरह से बेईमानी पर उतारू है, ये इतने भ्रष्टाचार में है कि

देश के कुछ पूंजीपतियों का ही काम करते है ।देश की सारी संपत्तियां पूंजीपतियों के हवाले कर दी गई। श्री यादव ने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने चुनावी बांड के जरिये भाजपा के भ्रष्टाचार का खुलासा किया है, जिसमे साफ साफ देखा गया है कि भाजपा के लोग कमीशन लेकर अमीरों को लाभ पहुंचा रहे है।

भाजपा के लोग हर बात पर हिन्दू मुस्लिम, मंदिर मस्जिद के अलावा देश के लिये कोई काम नहीं कर रहे है। शिवपाल सिंह यादव ने अपने कार्यकर्ताओं से हाथ उठाकर के डिंपल यादव को पहले से अधिक मतों से जीतने का भरोसा लिया है। उन्होंने कहा कि उन्हें पता है कि इस समय भीषण गर्मी तो चली रही है इसके अलावा गेहूं की भी कटाई करने में हमारे किसान लगे हुए हैं लेकिन इसके बावजूद चुनाव में बहू डिंपल यादव एक बार फिर से उतरी हुई है। पिछले चुनाव में डिंपल यादव को जसवंतनगर विधानसभा से एक लाख 6000 के आसपास मत मिला था इस रिकार्ड को सभी कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर के अबकी बार तोड़ना है। उन्हें पता है कि जसवंत नगर विधानसभा के कार्यकर्ता वाकई में जुझारू तो है ही लगन सील और मेहनतकश भी है। उन्हें जसवंत नगर विधानसभा से 93000 वोट मिले तो डिंपल के खाते में एक लाख 6000 मत पहुंचे इसलिए कार्यकर्ताओं को और अधिक मेहनत करने की वाकई में जरूरत है ताकि डिंपल यादव को मिले पुराने मतों का रिकॉर्ड हर हाल में तोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि अगर हो सके तो डिंपल यादव को 1लाख 25000 के आसपास वोट अकेले जसवंत नगर विधानसभा से दिलाने की कार्यकर्ता कोशिश करें अगर यह रिकॉर्ड संभव न हो तो कम से कम एक लाख 11000 वोट तो जरूर ही दिलवाए। किसानों की बदहाली की चर्चा करते हुए शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि मोदी सरकार ने अच्छे दिन लाने का वादा किया था। 15 15 लाख रुपए हर किसी को देने का भरोसा दिया था। किसानो की आय दुगनी करने का भी वादा किया गया था लेकिन ऐसा कोई भी वादा भारतीय जनता पार्टी पूरा नहीं कर पाई है।

विधायी निकायों में महिलाओं को पुरुषों के समान महत्व देगी तेदेपा: नायडू

विजयनगरम,एजेंसी। तेलुगू देशम पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एन चंद्रबाबू नायडू ने आंध्र प्रदेश में तेदेपा-सहयोगी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार बनने के बाद सभी विधायी निकायों में पुरुषों के बराबर महिलाओं को समान महत्व देने का वादा किया है।

श्री नायडू ने मंगलवार को विजयनगरम जिले के गजपतिनगरम में महिलाओं के साथ बातचीत में सभी महिला एवं बाल विकास कार्यक्रम (डीडब्ल्यूसीआरए) समूहों के लिए 10 लाख रुपये का ब्याज मुक्त ऋण देने का भी वादा किया। उन्होंने बातचीत में महिलाओं से कहा, मैं व्यक्तिगत रूप से राज्य की सभी महिलाओं को अमीर बनाने की जिम्मेदारी लूंगा।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी, जिनके पास लोगों को पीने का पानी उपलब्ध कराने का बुनियादी ज्ञान भी नहीं है, शराब और गांजे की घर-घर आपूर्ति की व्यवस्था करने में माहिर हैं। उन्होंने ने तंज कसते हुए दोहराया कि राज्य का विकास तभी संभव है, जब श्री रेड्डी को सत्ता से बाहर किया जाए। उन्होंने राज्य में सभी वर्गों के लोगों

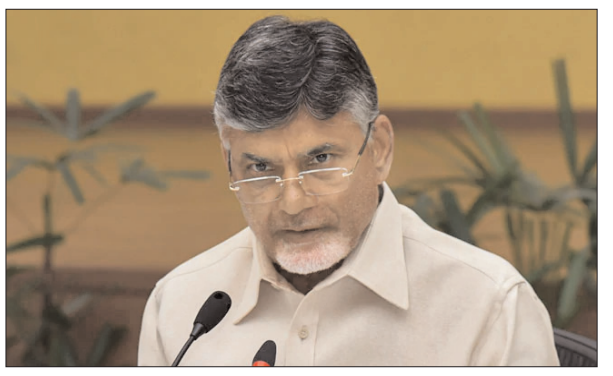

की प्रगति के लिए सभी आवश्यक उपाय करने का वादा किया। गजपतिनगरम में महिलाओं की जबरदस्त प्रतिक्रिया से प्रसन्न श्री नायडू ने कहा कि महिला सशक्तिकरण केवल तेदेपा के साथ ही संभव है। उन्होंने उनसे कालीसेट्टी अप्पाला नायडू (लोकसभा उम्मीदवार) और कोनपल्ली श्रीनिवास (विधानसभा के लिए राजग उम्मीदवार हैं) को भारी बहुमत से जीताने की अपील की। महिलाओं से उन धोखेबाजों की बातों में न आने की अपील करते हुए उन्होंने उन्हें बताया कि संयुक्त आंध्र प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री दिवंगत एनटी रामाराव ही थे, जिन्होंने पैतृक संपत्तियों में महिलाओं को समान अधिकार प्रदान किया था, लेकिन श्री रेड्डी ने अपनी बहन को पैतृक संपत्तियों में हिस्सा नहीं दिया। उन्होंने कहा, राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में मैंने यह सुनिश्चित करने के लिए कि हर लड़की को शिक्षा मिले, राज्य में प्रत्येक किमी के लिए एक प्राथमिक विद्यालय, प्रत्येक तीन किमी के लिए एक उच्च प्राथमिक विद्यालय और प्रत्येक पांच किमी के लिए एक उच्च विद्यालय की स्थापना की थी। हर मंडल के लिए एक जूनियर कॉलेज, हर मंडल के लिए एक इंजीनियरिंग कॉलेज और हर जिले के लिए एक मेडिकल कॉलेज की भी स्थापना की गई।

मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी, सैफुल्लाह सिद्दिकी द्वारा आरडी प्रिंटिंग एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-08, नोएडा (यूपी), से छपवा कर एन-81, बटला हाउस, जामिया नगर पुलिस स्टेशन, जामिया नगर, नई दिल्ली-110025 से प्रकाशित किया। सर्वाधिकार सुरक्षित, किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र दिल्ली होगा। (संपादक- सैफुल्लाह सिद्दिकी)